नई दिल्ली

शुक्रवार 20 फरवरी 2026

फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 308
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 30
न्यून. 16

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

09 टी-20 विश्व कप 2026: सुपर-8 में भारतीय टीम की दक्षिण अफ्रीका से होगी भिड़ंत

तीन जनवरी से नौ फरवरी के बीच गलत दिशा में वाहन चलाने वालों पर 182 एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

यातायात पुलिस ने गलत दिशा में गाड़ी चलाने वालों पर 182 एफआईआर दर्ज की है। ये मामले तीन जनवरी से नौ फरवरी के बीच के है। इनमें सबसे अधिक मामले नई दिल्ली क्षेत्र में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सड़क पर गलत दिशा में गाड़ी चलाना अब मामूली यातायात उल्लंघन नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर और जानलेवा अपराध माना जा रहा है। इन आंकड़ों के अनुसार गलत दिशा में गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ औसतन प्रतिदिन पांच एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। तीन जनवरी से नौ फरवरी की इस अवधि के दौरान सबसे अधिक 53 मामले नई दिल्ली रेंज में दर्ज किए गए। दक्षिणी रेंज में 37, जबकि मध्य, उत्तरी और पश्चिमी रेंज में 27-27 मामले दर्ज किए गए। पूर्वी रेंज में 11 एफआईआर दर्ज हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 (तेज रफ्तार से वाहन चलाना जिसमें छह महीने तक की कैद और एक हजार रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं) के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, यातायात नियमों का उल्लंघन करना और लाल बत्ती पार करना आमने-सामने की टक्करों, वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को गंभीर चोटों तथा जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं का खतरा काफी बढ़ा देता है। विपरीत दिशा में गाड़ी चलाना न केवल नियम तोड़ने वाले को, बल्कि सड़क पर चलने वाले निर्दोष लोगों को भी अत्यधिक खतरे में डालता है। तेज गति से आमने-सामने की टक्कर में बचने की संभावना बहुत कम होती है। दिल्ली पुलिस व सरकार द्वारा पूरे शहर में सख्त प्रवर्तन उपाय किए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों, कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित उच्च प्रौद्योगिकी वाले कैमरों के माध्यम से निगरानी और प्रमुख चौराहों, फ्लाईओवरों तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में यातायात कर्मियों की तैनाती तथा गहन गश्त मौजूदा अभियान का हिस्सा है। सभी को उचित लेन में गाड़ी चलानी चाहिए और गति सीमा का सख्ती से पालन करना चाहिए। तेज गति जानलेवा साबित हो सकती है। गाड़ी चलाते समय लोगों को अपने फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और रील भी नहीं बनानी चाहिए। सोशल मीडिया स्क्रॉल सबसे ज्यादा खतरनाक हो सकता है। कुछ सेकंड का ध्यान भटकना किसी की जान ले सकता है। पुलिस एफआईआर दर्ज करने के अलावा, गंभीर मामलों में वाहन भी जब्त कर रही हैं और ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की सिफारिश की जा रही है। पुलिस के अनुसार ऐसी ही एक घटना में तीन फरवरी को द्वारका में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी थी, जिसमें 23 वर्षीय साहिल की मौत हो गई थी।

खबर संक्षेप

तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली। राजधानी के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी गुरुवार सुबह ईमेल के जरिए दी गई। इसके बाद आपातकालीन एजेंसियों ने तुरंत स्कूलों को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार हमें द्वारका स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल तथा पश्चिम एन्क्लेव स्थित डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल को बम की धमकी वाले ईमेल मिलने के बारे में जानकारी मिली। एहतियात के तौर पर दमकल की गाड़ियां और बचाव दल तुरंत संबंधित स्थानों पर भेजे गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस दल, बम निरोधक दस्ते, खोजी कुत्ते और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को स्कूलों में भेजा गया था। एहतियात के तौर पर स्कूल प्रशासन ने तलाशी अभियान के दौरान छात्रों और कर्मचारियों को परिसर से बाहर निकाला। तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि साइबर टीम को सतर्क कर दिया गया है और ईमेल कहां से भेजा गया था, इसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

80 वर्षीय बुजुर्ग को गोली मारी, हालत गंभीर

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुंडका इलाके में संपत्ति विवाद को लेकर दो लोगों ने गुरुवार को एक 80 वर्षीय बुजुर्ग को कई गोलियां मारी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां वह जिंदगी की जंग लड़ रहा है। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग व्यक्ति को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया था। उनके पेट, बाएं कंधे, दाहिनी कोहनी और दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस को दोपहर 12.50 बजे पीसीआर के जरिये सूचना मिली थी। फोन करने वाले ने पुलिस को बताया कि उसके पिता रिषाल सिंह को दो लोगों ने गोली मार दी है। हमलावरों में से एक उनका रिश्तेदार है। पीड़ित के बेटे ने आरोप लगाया कि उनका रिश्तेदार सागर अपने एक साथी के साथ मौके पर पहुंचा और उसके पिता पर पांच से छह गोलियां चलाईं। उसने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि परिवार का एक प्लॉट को लेकर विवाद है। परिवार ने हाल में अदालत में मुकदमा जीत लिया था और उस प्लॉट पर निर्माण संबंधित कार्य कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कारतूस के करीब 10 खोखे बरामद हुए हैं। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई है।

महिला की हत्या का मामला सुलझा, दो अरेस्ट

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के ज्योति नगर में लूटपाट के दौरान की गई एक 55 वर्षीय महिला की हत्या के आरोप में 21 वर्षीय युवक और उसके साथी को गिरफ्तार किया गया है। अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार, लूटे गए गहनें और एक मोटरसाइकिल भी इनके कब्जे से बरामद की गई। पुलिस के अनुसार सबसे पहले नंद नगरी निवासी उमेश (21) नामक संदिग्ध की पहचान की गई थी। उमेश को पकड़ सख्ती से पूछताछ की गई। उसने अपराध में अपनी संलिप्तता का खुलासा किया तथा अपने साथी विपिन (22) के बारे में जानकारी दी। विपिन भी नंद नगरी का ही निवासी है। बाद में विपिन को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपी, आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे और उन पर कर्ज भी था, जिसे चुकाने में वे असमर्थ थे। आर्थिक कठिनाइयों से उबरने के लिए उन्होंने लूटपाट की साजिश रची। पुलिस के अनुसार रविवार को 55 वर्षीय महिला का शव उसके घर में मिला था। उसके सिर पर गंभीर चोट और हाथों पर धारदार हथियार से कटे के निशान थे।

पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर इलाके में गुरुवार को संजय झील के निकट एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस को झील परिसर के निकट एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली। पांडव नगर थाने की एक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि शख्स पर चाकू से वार किए गए थे और उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान शशि गार्डन निवासी 36 वर्षीय लुखा चौधरी उर्फ विक्रम के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि घटना तड़के हुई, हालांकि सटीक समय और घटनाओं के क्रम का पता लगाना अभी बाकी है। हत्या से पहले की घटनाओं का क्रम निर्धारित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अपराध जांच दल और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया था। शव पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर रही है।

आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज खंगालने और स्थानीय निवासियों से पूछताछ करने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

अपराध शाखा ने लापता दो लड़कियों को खोजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अपराध शाखा ने दो अलग अलग मामलों में राजधानी और हरियाणा के गुरुग्राम से लापता हुई सात और 17 साल की दो लड़कियों को ढूंढ निकाला है। पुलिस ने बताया कि सात साल की बच्ची इस साल 28 जनवरी को गुरुग्राम के थाना सेक्टर 17-18 क्षेत्र से लापता हो गई थी। इस बाबत 30 जनवरी को संबंधित थाने में मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार दूसरा मामला 17 वर्षीय लड़की का है, जो दिल्ली के कंझावला थाना क्षेत्र से 21 मार्च 2025 को लापता हो गई थी। इस बाबत भी मामला दर्ज किया गया था। अपराध शाखा के डीसीपी पंकज कुमार के अनुसार इन दोनों मामलों की संवेदनशीलता को देखते हुए इसकी जांच अपराध शाखा की मानव तस्करी रोधी इकाई ने की और आसपास के लोगों से पूछताछ और तकनीकी निगरानी की मदद से दोनों लड़कियों को दिल्ली के अलग अलग इलाकों से ढूंढ निकाला। सात वर्षीय बच्ची करोल बाग स्थित फ्लैग चिल्ड्रेन होम में मिली। पता चला कि बच्ची गुरुग्राम में अपनी एक करीबी रिश्तेदार के साथ रहती थी और वहीं पढ़ाई करती थी। उसके माता-पिता झारखंड में रहते हैं। 28 जनवरी को वह स्कूल नहीं गई थी और उसकी मां ने गांव से उसे फोन किया। फोन पर ही उसे डांटा जिससे गुस्से में आकर वह घर से निकल गई और रास्ता भटक गई। बच्ची को सबसे पहले मुखर्जी नगर में बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया और इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बच्ची को हरियाणा के गुरुग्राम सेक्टर 17-18 थाने के जांच अधिकारी को सौंप दिया गया। दूसरे मामले में 17 वर्षीय लड़की को दिल्ली के ही सबदा गांव से ढूंढ निकाला। नाबालिग लड़की नौवीं कक्षा में पढ़ती थी और उसने पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी। मां से झगड़ा होने के बाद वह घर छोड़कर गांव सबदा में अपनी स्कूल की सहेली के घर रहने चली गई थी और वहां उसने अपनी सहेली के साथ मजदूरी भी शुरू कर दी थी। नाबालिग लड़की को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कंझावला थाने के जांच अधिकारी को सौंपा गया है।

छत्रपति शिवाजी जयंती पर निगम ने किया समारोह का आयोजन बताया अद्भुत राष्ट्रभक्त

नई दिल्ली। भारत वर्ष के महान नायक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर गुरुवार को दिल्ली नगर निगम द्वारा शिवाजी पार्क, जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित शिवाजी प्रतिमा स्थल पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया और अद्भुत राष्ट्रभक्त बताया। कार्यक्रम में निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सत्या शर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और सुशासन के आदर्शों को स्मरण किया। अपने संदेश में सत्या शर्मा ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट प्रशासक और जननायक थे। उन्होंने सुशासन, साहस और राष्ट्रीय सम्मान की जो मिसाल स्थापित की, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। दिल्ली नगर निगम उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए जनता की सेवा और पारदर्शी प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में निगम के अधिकारी, स्थानीय पार्षद एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

डीएमआरसी का आह्वान, एआई समिट में जाना है तो ट्रैफिक से बचे, मेट्रो से पहुंचे सुप्रीम कोर्ट स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के चलते सड़कों पर लंबा जाम व अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के चलते घंटो इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने लोगों से आह्वान किया है कि सड़क के ट्रैफिक जाम में क्यों फंसना है। मेट्रो पकड़ कर सीधे आयोजन स्थल भारत मंडपम के पास सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर उतरो। इस दिशा में डीएमआरसी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स हैंडल पर पोस्ट कर लोगों को आह्वान किया है। डीएमआरसी ने पोस्ट करते हुए लिखा है कि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट में जा रहे हैं। ट्रैफिक जाम से बचें, समझदारी से काम लें और मेट्रो से सीधे सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पहुंचें। बता दें कि बुधवार को डीएमआरसी ने सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के सभी दरवाजे बंद कर दिए थे। लेकिन कुछ समय बाद ही नया फैसला लेते हुए सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के सभी दरवाजे खोलते हुए यात्रियों के आवागमन को शुरू कर दिया था। ऐसे में गुरुवार को डीएमआरसी ने बाकायदा एक्स पर पोस्ट कर लोगों को संदेश दिया है कि सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन खुला है और आई समिट में पहुंचने के लिए सबसे बेहतर यात्रा मेट्रो के द्वारा ही संभव है। बिना ट्रैफिक जाम से जूझे सीधे सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पहुंचे और एआई समिट का आनंद लें।

चोरी से बचने के लिए डीएमआरसी ने तांबे की तारों को एल्युमिनियम से बदलने का किया फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली। तांबे के तारों की बार-बार चोरी होने के कारण दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को अपने नेटवर्क में रणनीतिक बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। निगम ने नेटवर्क को चोरी से बचाने के लिए 175 किलोमीटर के क्षेत्र में तांबे के तारों को एल्युमीनियम के तारों से बदलने की योजना बनाई है। डीएमआरसी अगले 18 महीनों में 33 किलोवोल्ट (केवी) तांबे की तारों को एल्युमिनियम से बदलने के लिए 32.59 करोड़ रुपये का व्यय करेगी। निगम के अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा 33 किलोवोल्ट तांबे के तारों को हटाकर उनकी जगह एल्युमिनियम के तार लगाए जाएंगे। इस सुधार का लक्ष्य नेटवर्क के सबसे संवेदनशील हिस्सों को ठीक करना है, जिनमें नदी तल के पास यमुना बैंक लाइन, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन और सीलमपुर और वेलकम स्टेशनों के पास पिंक लाइन शामिल हैं। डीएमआरसी ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य सहायक बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार करना है। तांबे की चोरी के कारण अक्सर बिजली आपूर्ति बाधित होती है और सिग्नल में गड़बड़ी होती है, जिससे ट्रेनों को सीमित गति से चलना पड़ता है और देरी होती है। पिछले साल तार चोरी के 89 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 32 मामले सिग्नल तार और 22 मामले बिजली के तारों से संबंधित थे। पिछले साल मार्च में सीलमपुर और वेलकम स्टेशनों के बीच हुई एक बड़ी घटना में सिग्नल सिस्टम बुरी तरह से बाधित हो गया, जिसके चलते ट्रेनों को मानसरोवर पार्क और सीलमपुर के बीच 25 किमी प्रति घंटे की धीमी गति से चलना पड़ा। इस व्यवधान का असर रेड लाइन पर भी पड़ा, जिससे यात्रियों को पूरे दिन के लिए यात्रा में देरी हुई। मेट्रो प्रणाली सैकड़ों किलोमीटर लंबे तारों पर निर्भर करती है जो पुलों और सुरंगों से होकर गुजरते हैं तथा कर्षण, दूरसंचार और विद्युत प्रणालियों को सहारा देते हैं। इन केबलों को कोई भी क्षति होने से अनावश्यक देरी होती है। परिचालन के दौरान क्षतिग्रस्त केबलों को बदलना चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा होता है क्योंकि ट्रेनें हर तीन से पांच मिनट में चलती हैं।

लाल किले के पास से पकड़ा गया फर्जी एनआईए अधिकारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के एक व्यक्ति को लाल किले के पास से पकड़ा है। इस पर खुद को एनआईए अधिकारी बता नौकरी के बहाने ठगी का आरोप है। आरोपी शख्स का नाम पुलवामा निवासी मुदस्सर बताया गया है। इसे कोतवाली थाने की पुलिस ने गश्त के दौरान पकड़ा। पुलिस के अनुसार लाल किले के पीछे दिल्ली चलो पार्क के पास जम्मू कश्मीर की पंजीकरण संख्या वाली एक काली सैंट्रो कार संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ी थी। पेट्रोलिंग स्टाफ को कार के अंदर मुदस्सर और एक नाबालिग मिला। पूछताछ करने पर मुदस्सर ने एनआईए अधिकारी के पहचान पत्र से मिलता-जुलता एक कार्ड दिखाया। कार्ड संदिग्ध प्रतीत हुआ और दोनों को विस्तृत पूछताछ के लिए थाने लाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी जम्मू-कश्मीर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को दिल्ली में रोजगार दिलाने का वादा करके उनसे पैसे ऐंठता था। मुदस्सर ने नाबालिग लड़के के परिवार को उसकी नौकरी का इंतजाम करने का आश्वासन दिया था। 13 फरवरी की रात को दोनों दिल्ली पहुंचे थे तथा जामा मस्जिद इलाके के एक गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे।

सरकारी तंत्र को एआई युक्त करने का ढिंढोरा न पीटे सीएम, निष्क्रिय वेबसाइटों को कर लो सही: यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा सरकारी तंत्र को डिजिटल करने और एआई के भरपूर उपयोग के बयान पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पहले सीएम सरकारी बंद व निष्क्रिय वेबसाइटों को तो सही करवा कर संचालन करवा लें। उन्होंने कहा कि एक तरफ सीएम रेखा डिजिटलकरण और एआई के उपयोग का ढिंढोरा पीट रही है, दूसरी तरफ दिल्ली सरकार की निष्क्रिय पड़ी अधिकतर वेबसाइट उनकी कार्यशैली की पोल खोल रही है। यादव ने आरोप लगाया कि दिल्ली में डिजिटल इंडिया मिशन पूरी तरह से फेल साबित हो चुका है। सच तथ्यों को छिपाने की आम आदमी पार्टी की नीति का ही भाजपा की दिल्ली सरकार अनुसरण कर रही है। क्योंकि आम आदमी पार्टी अपने विभागों के भ्रष्टाचार की जानकारी को छिपाने के लिए वर्षों तक तथाकथित वेबसाइटों को बंद करके रखती रही। अब उसी परिपाटी पर रेखा सरकार भी आगे बढ़ रही है कि कहीं सच्चाई लोगों के सामने न आ जाए। यादव ने कहा कि डिजीटल इंडिया का ढ़ढ़ोरा पीट पीटकर दुनिया से बराबरी की बात करने वाली भाजपा की केन्द्र सरकार की भी अधिकतर सरकारी वेबसाइटें पुरानी, धीमी और तकनीकी खामियों से ग्रस्त पड़ी है। यही कारण है कि केन्द्र सरकार डिजीटल गवर्नेंस को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पूरी तरह पिछड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि एआई समिट में एआई के महत्व को बताने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ दुनियां में अपना डंका बजाना चाहते है, फिर चाहे देश और देश की जनता तक डिजीटल स्वरुप की सुविधाएं पहुंचे या ना पहुंचे क्या फर्क पड़ता है। यादव ने कहा कि दिल्ली विधानसभा को पूर्णत डिजीटल स्वरुप देकर पेपरलेस वर्क की दुहाई देने वाली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की दिल्ली सरकार के विभागों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने में पूरी तरह पिछड़ी हुई है। क्योंकि दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय, स्वास्थ्य, जल बोर्ड, परिवहन, खाद्य आपूर्ति विभाग, डीडीएमए, श्रम कल्याण बोर्ड, अल्पसंख्यक आयोग, पुरातत्व, पर्यटन, समाज कल्याण, दिल्ली महिला आयोग जैसे महत्वपूर्ण विभागों की कुछ वेबसाइटें महीनों से और कई वेबसाइटें वर्षों से अपडेट नही होने के कारण पूरी तरह निष्क्रिय साबित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा एक नए सेटअप के तहत नोडल अधिकारियों को प्रत्येक महीने 1 से 15 तारीख के दौरान अपने विभागीय पोर्टल में लॉग इन करके हस्ताक्षरित अनुपालन प्रमाण पत्र अपलोड करने और समय पर अपडेट करने की बात कही गई है। लेकिन पुरानी तकनीक और डिजाइन, सर्वर क्रेश और नौकरशाही की दोषपूर्ण कार्यशैली या काम के अत्यधिक बौझ के कारण सरकार के नीतिगत इरादे और जमीनी निष्पादन के बीच बहुत बड़ा अंतर है। सरकार की लापरवाही के कारण आय प्रमाण पत्र, पेंशन, जन्म प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक कार्य के लिए लोगों को काफी परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को उपयुक्त तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती करके जनता तक उनके अधिकारों को पहुंचाने की दिशा में काम करने की जरुरत है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुद्वारा बंगला साहिब में माथा टेका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ कमेटी अध्यक्ष रहे मौजूद

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को गुरुद्वारा बंगला साहिब में माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका व जनरल सेक्रेटरी जगदीप सिंह काहलों सहित अन्य मौजूद थे। इस बारे में कमेटी अध्यक्ष कालका ने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने गुरुद्वारा बंगला साहिब में पहुंचकर माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ गुरु घर में नतमस्तक होकर उस समय आशीर्वाद लिया, जब कीर्तनी जत्थे गुरु की इलाही बाणी का रसपूर्ण कीर्तन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर यह झूठा प्रचार कर रहे हैं कि कोई रास्ता बंद किया गया था। उन्होंने पुलिस के उच्च अधिकारियों से भी बातचीत की है और स्पष्ट करना चाहते हैं कि जब भी कोई वीआईपी आता है तो किसी भी प्रकार से रास्ता बंद नहीं किया जाता। उन्होंने संगत के सहयोग के लिए धन्यवाद करते हुए पुन विश्वास दिलाया कि कमेटी हर प्रकार के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है और इस मामले में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजधानी में सुबह एक्यूआई 168 अंक हुआ दर्ज

बारिश व तेज हवाओं से दिल्ली की हवा हुई साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लंबे समय बाद दिल्ली में हुई हल्की बारिश व तेज हवाओं के असर से वायु प्रदूषण में कमी दर्ज हुई थी। इस बारे में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में गुरुवार सुबह 7 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुधार के साथ महज 168 अंक दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में गिना जाता है। दिल्ली की हवा में सुधार के साथ, सुबह के समय हवा काफी बेहतर थी जो कई दिनों बाद दर्ज हुई है। सीपीसीबी के अनुसार सुबह 8 बजे के आसपास, दिल्ली का समग्र एक्यूआई मामूली बढ़त के साथ 169, यह भी मध्यम श्रेणी में है, दर्ज किया गया। जबकि इससे पहले यानी 18 फरवरी को हुई हल्की बारिश से पहले खराब श्रेणी में 229 दर्ज किया गया था। गुरुवार को समग्र दिल्ली के अलावा आनंद विहार में सबसे अधिक 249 एक्यूआई दर्ज हुआ, जबकि श्री अरबिंदो मार्ग पर सबसे स्वच्छ 113 एक्यूआई दर्ज किया गया। इनके अलावा इंडिया गेट के आसपास 152, इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टी 3 पर 120, आईटीओ और द्वारका में 152 और आरके पुरम में 175 एक्यूआई दर्ज किया गया। सीपीसीबी की माने तो दिल्ली एनसीआर के अधिकांश शहरों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में ही दर्ज हुआ। अनुमान है कि आने वाले एक दो दिन में एक्यूआई में बढ़ोतरी संभव है, क्योंकि एक बार फिर मौसम करवट ले रहा है।

बांग्लादेश में हत्या के आरोपी छात्र कार्यकर्ता को दिल्ली हवाई अड्डे पर पकड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश में एक हिंदू पुलिस अधिकारी की हत्या के मामले में वांछित एक बांग्लादेशी छात्र कार्यकर्ता को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ लिया गया और वापस भेज दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, अहमद रजा हसन मेहदी नामक व्यक्ति को आव्रजन अधिकारियों ने उस समय रोका जब वह यूरोप जाने वाली उड़ान में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। बांग्लादेश में हबीगंज निवासी मेहदी पर पांच अगस्त, 2024 को उपनिरीक्षक संतोष चौधरी की हत्या के संबंध में आरोप लगाए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, रोके जाने के बाद कार्यकर्ता को हिरासत में लिया गया और बाद में बांग्लादेश भेज दिया गया।

नई दिल्ली
शुक्रवार, 20 फरवरी 2026
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 308
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00
मौसम
अधि. 30
न्यून. 16

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन में गूंजे फ्रांस के राष्ट्रपति के दो शब्द, 'नमस्ते और जय हो'...

मैक्रों की पीएम मोदी से अपील, भारत में 15 साल से छोटे बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर लगे पूर्ण पाबंदी

> *यूएन महासचिव का बड़ा संदेश, एआई के भविष्य को मुट्ठीभर देशों या अरबपतियों की सनक के भरोसा छोड़ना ठीक नहीं*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे चार दिवसीय (16 से 20 फरवरी तक) वैश्विक आयोजन 'इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' के उद्घाटन समारोह की सह-अध्यक्षता करने वाले दुनिया के दो दिग्गज नेताओं इमैनुएल मैक्रों और एंटोनियो गुटेरेस ने अपने संबोधन के दौरान हर खासो आम का ध्यान खींचा। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के भाषण में दो बार आयोजन सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जिसमें हिंदी के साथ 'नमस्ते' से हुई भाषण की शुरुआत और 'जय हो' के नारे से किया गया समापन मुख्य है। लेकिन वहीं, दूसरी ओर उन्होंने दो मुद्दों को बेहद गंभीरता के साथ सबके सामने रखा। एक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने यह अपील की कि वो भारत में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूरी तरह से पाबंदी ▶▶ शेष पेज 7 पर

प्लेटफार्म के सिस्टम एल्गोरिदम पारदर्शी हों

फ्रांस के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़े सिस्टम और उनके एल्गोरिदम पर नाराजगी जताई और ये साफ किया कि इनका स्वतंत्र और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है। अन्यथा ये लोकतांत्रिक तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति की आजादी का मसला या समस्या नहीं है। बल्कि सामग्री को फिल्टर कर यूजर्स तक पहुंचाने वाले सिस्टम और एल्गोरिदम से हमें परेशानी है। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के निष्पक्ष ▶▶ शेष पेज 7 पर

एआई पर बने वैश्विक कोष

गुटेरेस ने आह्वान किया कि हर स्थान पर बुनियादी क्षमता के निर्माण करने के लिए एआई पर 3 अरब डॉलर का एक वैश्विक कोष बनना चाहिए। ये रकम किसी एक प्रौद्योगिकी कंपनी के वार्षिक राजस्व के केवल 1 फीसदी से भी कम है। साथ ही हमें ऐसे सुरक्षा मानकों की आवश्यकता है। जो मानव एजेंसी, निगरानी और जवाबदेही को बरकरार रख सकें। उन्होंने कहा कि जुलाई में जिनीवा के पहले सत्र में मामले पर हर देश को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। एआई से हमें टिकाऊ विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही ये वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने ▶▶ शेष पेज 7 पर

राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित किए गए 'इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' के उद्घाटन संबोधन में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एआई में डर नहीं, भाग्य और भविष्य दोनों को एक साथ देखता भारत: प्रधानमंत्री

- **दुनिया के लिए एक समावेशी, भरोसेमंद और समान भलाई के संकल्प संग एआई को विकसित करने का किया आव्हान**
- **अंबानी, अडानी के बड़े ऐलान, रिलायंस इंडस्ट्रीज एआई सेक्टर में करेगी 10 लाख करोड़ का निवेश, जबकि अडानी समूह ने की 8.3 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा**
- **सुंदर पिचाई बोले, वर्कफोर्स को एक नया आकार देगा एआई, नौकरियां खाएगा नहीं, उत्पन्न करेगा**
- **सम्मेलन में शामिल हुए 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, ग्लोबल एआई इकोसिस्टम के लीडर्स और नवाचार प्रवर्तक**

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में गुरुवार का दिन इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज हो गया है। कारण, भारत की मेजबानी में आयोजित किया जा रहा अंतरराष्ट्रीय स्तर का 'इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' है। जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन करते हुए एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उसके भावी विकास को लेकर बनी हुई देश की समस्त मानवता के कल्याण पर केंद्रित सोच यानी 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के साथ दुनियाभर से आए देशों के राष्ट्राध्यक्षों और टेक लीडर्स को ये स्पष्ट कर दिया कि भारत को एआई में डर नहीं बल्कि जिम्मेदारी और गर्व के साथ भाग्य और भविष्य दोनों एक साथ दिखाई देते हैं। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने एआई के लिए स्वदेशी 'मानव विजन (एमएएनएवी)' को लांच किया और एआई की तुलना ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से करते हुए कहा कि जैसे जीपीएस हमें मार्ग सुझाता है। लेकिन अंतिम निर्णय उपयोगकर्ता पर छोड़ देता है। ठीक उसी तरह से हमें एआई को खुली छूट देनी चाहिए। लेकिन अंत में इसकी कमान मनुष्य के हाथों में ही होनी चाहिए। उन्होंने दुनिया की भलाई के उद्देश्य के साथ एक संवेदनशील, समावेशी और भरोसेमंद एआई के विकास को लेकर विश्व को संकल्पबद्ध होने का आह्वान भी किया है। साथ ही बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करना है कि एआई को मशीन केंद्रित की जगह पर मानव केंद्रित, संवेदनशील और उत्तरदायित्वपूर्ण कैसे ▶▶ शेष पेज 7 पर

पीएम ने एआई के लिए लांच किया भारत का 'मानव' विजन

मिलकर आगे बढ़ने से होगा लाभ

पीएम ने कहा कि हमारा मानव विजन 21वीं सदी की एआई संचालित दुनिया में जन कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेगा। इसलिए हमें इसका लोकतंत्रीकरण करना होगा। अपने संबोधन में वह ग्लोबल साउथ के देशों का विशेष रूप से उल्लेख करना नहीं भूले और कहा कि एआई को इस क्षेत्र के लिए खासकर समावेशन और सशक्तिकरण का एक उपकरण बनना चाहिए। इसके लोकतंत्रीकरण को समझाते हुए उन्होंने कहा, एआई के लिए इंसान केवल डेटा प्वाइंट, कच्चे माल तक सीमित न रह जाए। इसलिए इसका लोकतंत्रीकरण करना होगा। पीएम ने सूरज की रोशनी का जिक्र करते हुए दुनिया के कुछ देशों की एआई को गोपनीय ढंग से विकसित करने की सोच पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वो इसे एक सामरिक संपत्ति मानते हैं। इसलिए ऐसा कहते हैं। लेकिन भारत की सोच ▶▶ शेष पेज 7 पर

डीपफेक्स, मनगढ़ंत जानकारी पर जताई चिंता: उन्होंने डीप फेक्स, मनगढ़ंत सूचना सामग्री पर चिंता जताते हुए कहा कि ये खुले समाजों में अस्थिरता ला रहे हैं। ऐसे में आज एक बहुत बड़ी आवश्यकता वैश्विक मानक बनाने की है। प्रत्यक्ष दुनिया में हम खाद्य पदार्थों पर न्यूट्रीशन लेबल देखते हैं, जिससे ये पता चल सके कि हम क्या खा रहे हैं? ठीक इसी तर्ज पर डिजिटल दुनिया में भी प्रमाणिकता के लेबल होने चाहिए। ताकि लोग ये समझा सके कि क्या असली है और क्या एआई से बनाया गया है? उन्होंने कहा, जैसे-जैसे ▶▶ शेष पेज 7 पर

मानव विजन के असल मायने

'एम'- मोरल एंड एथिकल सिस्टम: एआई नैतिक दिशानिर्देशों पर आधारित होनी चाहिए

'ए'- अकाउंटेबल गवर्नेंस: पारदर्शी नियम और सशक्त निगरानी

'एन'-नेशनल सॉवरेंटी: डेटा उसके असली स्वामी का है

'ए'- एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिव: एआई को एकाधिकार नहीं, बल्कि गुणक बनना चाहिए

'वी'-वैलिड एंड लेजिटिमेट: एआई कानूनी और सत्यापन योग्य होनी चाहिए।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

शीर्ष कोर्ट में मेकर्स ने कहा- बदलेंगे फिल्म का नाम

नई दिल्ली। मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' फिल्म मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्ममेकर नीरज पांडे को फटकार लगाई थी, कि आप ऐसा टाइटल इस्तेमाल करके समाज के एक हिस्से को क्यों बदनाम कर रहे हैं। जब तक आप हमें बदला हुआ टाइटल नहीं बताते, हम आपको फिल्म रिलीज नहीं करने देंगे। जिसके बाद गुरुवार को फिल्ममेकर नीरज पांडे ने देश की सुप्रीम कोर्ट को बताया कि टाइटल और पब्लिसिटी मटीरियल वापस ले लिया है, नया टाइटल अभी फाइनल नहीं हुआ है। टाइटल वापस लेने पर फिल्ममेकर नीरज पांडे के एफिडेविट को रिकॉर्ड पर लिया और यह कहते हुए मामले का निपटारा कर दिया कि उसे उम्मीद है कि अब यह मामला शांत हो जाएगा।

इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन से इतर हुईं प्रधानमंत्री की ये सभी मुलाकातें

यूएई के क्राउन प्रिंस सहित दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों संग हुई पीएम की बैठक

- **संबंधित देशों के शीर्ष नेताओं के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के मुद्दे पर किया गया मंथन**

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार का दिन जहां एक ओर इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026 के नाम रहा। वहीं, इसके आकर्षण का दूसरा केंद्र बना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दुनियाभर के देशों से आए राष्ट्राध्यक्षों (यूएई, ग्रीस, स्विस कन्फेडरेशन, नीदरलैंड) के साथ की गई द्विपक्षीय बैठकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ भागों में जारी युद्ध और अस्थिरता के माहौल में इन बैठकों की अहमियत खासी बढ़ जाती है। जिनमें पीएम मोदी ने अपने अन्य समकक्षों के साथ मौजूदा द्विपक्षीय संबंधों को भविष्य में और अधिक मजबूत बनाने के मुद्दे पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने अपने कुछ बयानों के जरिए ये जानकारी दी है।

यूएई संग दोहराई साझेदारी की प्रतिबद्धता: मंत्रालय ने बताया कि अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत-यूएई रणनीतिक साझेदारी के महत्व को दोहराया। साथ ही रक्षा, सुरक्षा, व्यापार-निवेश, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में संबंधों में हुई प्रगति को भी स्वीकार किया है। वार्ता में बीते 18 फरवरी को व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते को पूरी हुई चाल की अवधि का उल्लेख करते हुए दोनों ने माना कि इस दौरान आपसी व्यापार, निवेश में सराहनीय वृद्धि हुई ▶▶ शेष पेज 7 पर

नीदरलैंड संग मजबूत होगा एआई सहयोग

प्रधानमंत्री ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कूफ के साथ हुई बैठक के बारे में बताते हुए कहा कि डिजिटल और एआई जगत में नीदरलैंड ने काफी प्रगति की है। अब दोनों देश इस क्षेत्र में साथ मिलकर काम करेंगे। हमारी वार्ता में सेमीकंडक्टर, मेगा वाटर प्रोजेक्ट, हरित हाइड्रोजन, प्रतिभाओं की आवाजाही के साथ आतंकवाद विरोधी उपायों और अन्य क्षेत्रों में संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर चर्चा की गई है। वहीं, ग्रीस के पीएम के.मित्सोताकिस के साथ हुई बैठक को पीएम ने उत्कृष्ट बताया। साथ ही कहा बीते कुछ वर्षों में भारत-ग्रीस रणनीतिक साझेदारी ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमारी बातचीत में संपर्क, रक्षा, प्रतिभाओं ▶▶ शेष पेज 7 पर

ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे से जूझ रहे, इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं चला रहे

चुनावी रेवड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त... राज्यों को फटकार-आखिर कौनसा मॉडल बना रहे हैं?

> जैसे रोजगार सृजन और जीवन स्तर सुधारने वाली योजनाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने राज्यों में तेजी से बढ़ती 'मुफ्त रेवड़ी संस्कृति' पर एक बार फिर कड़ा प्रहार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनावों से ठीक पहले या लोकलुभावन वादों के तहत मुफ्त सुविधाएं बांटने पर जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा यह न केवल देश के आर्थिक विकास में बाधा डालता है, बल्कि यह देश में एक ऐसी संस्कृति को जन्म दे रहा है जो भविष्य के लिए घातक है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की ▶▶ शेष पेज 7 पर

हर वर्ग को मुफ्त सुविधाएं देना एक गंभीर नीतिगत समस्या

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य यदि गरीब और असमर्थ वर्ग की मदद करना चाहते हैं तो यह समझ में आता है, लेकिन हर वर्ग को बिना भेदभाव के मुफ्त सुविधाएं देना एक गंभीर नीतिगत समस्या है। अदालत ने कहा कि राजनीतिक दलों को मुफ्त योजनाओं के बजाए सुनियोजित और दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान देना चाहिए, जैसे रोजगार सृजन और जीवन स्तर सुधारने वाली योजनाएं। मुख्य न्यायाधीश ▶▶ शेष पेज 7 पर

सब कुछ मुफ्त तो लोग काम क्यों करेंगे?

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस दौरान कई तीखे सवाल उठाए। सीजेआई ने कहा कि अगर सुबह से शाम तक मुफ्त खाना, मुफ्त साइकिल और मुफ्त बिजली मिलती रहेगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? हम देश में कैसी कार्य संस्कृति विकसित कर रहे हैं? सीजेआई सूर्यकांत ने एक ▶▶ शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

71 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित

फरीदाबाद। फरीदाबाद भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक आज भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम परिसर में दिव्यांगजनों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 71 पूर्व-चिन्हित लाभार्थियों को 45 लाख रुपए से अधिक लागत के आधुनिक सहायक उपकरण एवं 3डी प्रिंटिंग से बने कृत्रिम अंग प्रदान किए गए।

हत्या के प्रयास के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-48 ने लड़ाई-झगड़ा और हत्या के प्रयास के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विद्याराम निवासी मंझावली, फरीदाबाद के रूप में हुई है। सेक्टर-21ए निवासी दिवांश ने पुलिस चौकी अनखीर में शिकायत दी थी कि 17/18 जनवरी की रात उसका भाई संस्कृति ग्रीन समारोह स्थल के बाहर आया था।

1.90 करोड़ की ठगी तीन पकड़ाए

फरीदाबाद। साइबर अपराध के एक बड़े मामले में फरीदाबाद पुलिस ने आरबीआई कर्मचारी बनकर 1,90,78,699 रुपए की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम अभिषेक जोरवाल के मार्गदर्शन में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आसिफ (21) ब्राहमणवाला, निरंजनपुर माजरा, जिला देहरादून (उत्तराखंड), काशिफ आजम (24) निवासी मौहल्ला शेखजादगान, नानौता देहात, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) और नदीम अहमद (उत्तराखंड) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-29 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि 6 दिसंबर 2025 को उसे एक अज्ञात नंबर से कॉल आई।

भारत की एआई क्षमता को गति देने के लिए 120 अमेरिकी सीईओज पहुंचे

पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से 35,000 प्रतिभागी और 50 से अधिक मंत्री शामिल हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

एडोबी के चेयरमैन शांतनु नारायण, फेडएक्स के प्रेसिडेंट राज सुब्रमण्यम, माइक्रोसॉफ्ट के प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ और नरल कैटेलिस्ट के सीईओ हेमंत तनेजा सहित 120 अमेरिकी सीईओज का प्रतिनिधिमंडल भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचा।

अमेरिकी टेक कंपनियां अगले पांच वर्षों में भारत में एआई और डेटा सेंटर अवसंरचना में 67.5 अरब डॉलर के निवेश की तैयारी कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और गूगल के नेतृत्व में यह निवेश भारत को एक रणनीतिक एआई हब के रूप में स्थापित कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से 35,000 प्रतिभागी और 50 से अधिक मंत्री शामिल हैं। यूए इंडिया स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप फोरम अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का

नेतृत्व कर रहा है। यह भारत में एआई-केंद्रित किसी भी कार्यक्रम में अब तक की सबसे बड़ी अमेरिकी कारोबारी भागीदारी मानी जा रही है।

एआई -नेटिव प्लेटफॉर्म कैंब्रिइयनएजडाटएआई इस शिखर सम्मेलन में एसआईएसपीएफ के नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल है। कैंब्रिइयनएजडाटएआई के संस्थापक एवं सीईओ हरजीव सिंह ने एक पैनल चर्चा का संचालन किया। पैनल में जीई हेल्थकेयर के सीटीओ गिरीश राघवन, एचसीएल टेक के सीटीओ विजय गुंटूर, लिंक्डइन के इंडिया कंट्री मैनेजर एवं वाइस प्रेसिडेंट – प्रोडक्ट, कुमारेश पट्टाबिरामन, और भारत सरकार के पूर्व सचिव तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखला समिति के अध्यक्ष एवं एसआईएसपीएफ बोर्ड के सलाहकार रोहित कुमार सिंह शामिल थे। पैनल चर्चा में पट्टाबिरामन ने बताया कि भारत एआई आपूर्ति (वर्ष-दर-वर्ष 12 प्रतिशत वृद्धि) और मांग (51 प्रतिशत वृद्धि) दोनों में अग्रणी है। लेकिन जिन 60 प्रतिशत कर्मचारियों को रीस्किलिंग की आवश्यकता है, उनमें से अधिकांश को अभी इसकी जानकारी तक नहीं है। गुंटूर ने साझा किया कि एचसीएल टेक आधे कार्यबल के साथ राजस्व दोगुना करने का लक्ष्य रख रहा है, साथ ही 4,000 नई भूमिकाएं तैयार कर रहा है जो 18 महीने पहले मौजूद नहीं थीं। उन्होंने कहा कि बदलाव के दौर में कर्मचारियों का मनोबल बनाए रखने के लिए नई क्षमताओं और अवसरों की स्पष्टता जरूरी है। राघवन ने कहा कि जीई हेल्थकेयर के पास से स्वीकृत समाधानों की सबसे बड़ी संख्या है। जोर देकर कहा कि निदान का लोकतंत्रीकरण का मतलब है गैर-विशेषज्ञों को भी विशेषज्ञ स्तर के परिणामों तक पहुंच देना, जबकि अंतिम जवाबदेही मनुष्यों के पास ही बनी रहती है।

नाम परिवर्तन पर 3 लाख नगर निगम कोष में जमा कराना होगा

महापौर तथा नगर आयुक्त की उपस्थिति में गोल मार्केट स्थित दुकानों के किराए को लेकर समिति ने किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम की 1702 दुकानों के किराए में वृद्धि का मामला बहुत पुराना चल रहा है यह मामला पूर्व समिति द्वारा किराया वृद्धि कर मा.सदन में रख कर पास कराया गया। जिसके फलस्वरूप व्यापारियों ने किराए को बहुत अधिक बताया जिसमे कार्यकारिणी की बैठक में दुकानों के किराए में वृद्धि के प्रस्ताव पर पुनः विचार करने की बात हुई जिसके अनुसार महापौर (समिति की अध्यक्ष) व नगर आयुक्त (समिति उपाध्यक्ष) द्वारा 5 पार्षद व 5 अधिकारियों की समिति बनाने का निर्णय लिया गया जिसमें महापौर सुनीता दयाल द्वारा 5 पार्षदः भगवान अग्रवाल, मनोज

त्यागी, अजय शर्मा, उदित मोहन, संजय सिंह नगर आयुक्त द्वारा अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव अपर नगर आयुक्त अवनेंद्र कुमार,सहायक नगर आयुक्त पल्लवी सिंह, मुख्य अभियंता एन के चौधरी उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनुज सिंह को नामित कर एक समिति बनाई गई। समिति की बैठक आज नगर निगम मुख्यालय में उपस्थित महापौर कार्यालय में महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की उपस्थिति में हुई। समिति द्वारा सर्व प्रथम गोल मार्केट की दुकानों के किराए को लेकर चर्चा हुई जिसमें ग्राउंड लेवल पर बनी दुकान का 4000 किराया, पहली मंजिल पर बनी दुकान का 2000 किराया, खोके का 3000 किराया को लेकर समिति की सहमति बनी उसके साथ साथ दुकानों के किराए में 3 वर्ष में 12.5% की बढ़ोतरी की गई और नाम परिवर्तन हेतु 300000 की धनराशि नगर निगम कोष में जमा कराई जाएगी।

समिति द्वारा निर्णय की तरफ कदम बढ़ाया गया व्यापारियों तथा निगम अधिकारियों के बीच भी दुकान के किराए को लेकर व वर्तमान स्थिति को लेकर लंबी वार्ता रही महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा भी जनहित व व्यापारियों के हित के साथ-साथ निगम हित को भी ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया।

गाजियाबाद नगर निगम की 1702 दुकानों में से 407 दुकान जो की गोल मार्केट की है उनपर समिति द्वारा किराए वृद्धि पर बैठक की गई व्यापारियों की मंशा को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा किराए को कम करने का निर्णय लिया गया है व्यापारियों ने महापौर तथा नगर आयुक्त का धन्यवाद किया समिति द्वारा लिया गया निर्णय माननीय होगा महापौर द्वारा संबंधित अधिकारी को पत्रावली बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ग्राउंड फ्लोर की दुकान का किराया 4 हजार तथा प्रथम मंजिल पर बनी दुकान का किराया 2 हजार करने पर चर्चा कर निर्णय पर मोहर लगाई गई, नगर आयुक्त द्वारा बताया गया इसी क्रम में रामानुज दयाल मार्केट तथा कवि नगर में अन्य सामान्य दुकानों की किराए पर भी समिति द्वारा बैठक कर निर्णय लिया जाएगा।

झूलना और फोटो प्रदर्शनी रही आकर्षण का केन्द्र

जेसी बोस विवि में ट्रांसमीडिया स्टोरीटेलिंग पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के साहित्य एवं भाषा विभाग, फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ट्रांसमीडिया स्टोरीटेलिंगः नैरेटिव्स, डिस्कोर्स एंड डिसेमिनेशन (टीएस-26) आज प्रेरणादायक समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। समापन सत्र ट्रांसमीडिया स्टोरीटेलिंग के माध्यम से समाज के विमर्श को नया रूप देने, हाशिए की आवाजों को सशक्त बनाने, सांस्कृतिक रुझानों को प्रभावित करने तथा डिजिटल युग की कानूनी-नैतिक चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श के साथ संपन्न हुआ। ट्रांसमीडिया कथाएं किताबों, फिल्मों, सोशल मीडिया, वीडियो, पॉडकास्ट और उभरते प्लेटफॉर्म्स पर फैलकर समाज में गहरे बदलाव ला रही हैं। अतिथियों और प्रतिभागियों के सम्मान से हुई। दिव्यज्योति सिंह ने सम्मेलन की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की इनमें नैरेटिव स्टडीज, सेमियोटिक्स, शेक्सपियरियन अनुकूलन, जेनरेटिव एआई इन स्टोरीटेलिंग, सबाल्टर्न प्रैक्टिसेज और कन्वर्जेंस कल्चर जैसे विषय शामिल थे।

पीएनजी ज्वैलर्स सबसे पुराने और विश्वसनीय ज्वैलर्स में से एक

पीएनजी ज्वैलर्स को आईएजीईएस मान्यता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारत की गोल्ड इंडस्ट्री अब और भी उच्च स्तर के नैतिक और जिम्मेदार व्यापार मानकों की दिशा में बढ़ रही है। देशभर में अधिक सोने के व्यवसायों को इंडियन एसोसिएशन फॉर गोल्ड एक्सीलेंस एंड स्टैंडर्ड्स (आईएजीईएस) की मान्यता मिल रही है।

इस नेटवर्क में अब प्रमुख और पुराने ब्रांड पीएनजी ज्वैलर्स (पीएन गड़गिल ज्वैलर्स लिमिटेड) भी शामिल हो गया है। पीएनजी ज्वैलर्स के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गड़गिल ने कहा कि आईएजीईएस मान्यता हमारे उच्चतम आंतरिक मानकों को प्रमाणित करती है और हमारे ग्राहकों के लिए भरोसा बढ़ाती है।

कबाड़ में मिला 15 लाख का सोना, फिर भी नहीं डोला ईमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद के कबाड़ी ने मालिक को लौटाई ज्वेलरी

सेक्टर-3 स्थित भगत सिंह कॉलोनी में रहने वाले कबाड़ी हाजी अख्तर ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। कबाड़ में करीब 15 लाख रुपए की सोने की ज्वेलरी मिलने के बाद भी उन्होंने उस पर लालच नहीं किया और चार महीने बाद सही-सलामत उसके मालिक को लौटा दी। उनकी इस नेकदिली की शहरभर में सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार सेक्टर-3 निवासी बीमा एजेंट अशोक शर्मा जनवरी 2025 में परिवार सहित प्रयागराज महाकुंभ मेले में जा रहे थे। घर खाली रहने के कारण चोरी की आशंका से उन्होंने एक अनोखा तरीका अपनाया। घर की सारी सोने की ज्वेलरी एक पुराने डिब्बे में रखकर उसे कबाड़ के बोरे में छिपा दिया, ताकि अगर चोर आएं तो अलमारी खंगालें और कबाड़ को नजरअंदाज कर दें। मेले से लौटने के बाद वह ज्वेलरी के बारे में भूल गए। दिवाली की सफाई के दौरान अशोक शर्मा ने घर का कबाड़ इकट्ठा कर हाजी अख्तर को बेच दिया। इसी कबाड़ के साथ सोने की ज्वेलरी से भरा डिब्बा भी चला गया। कुछ दिन बाद लक्ष्मी पूजन के समय जब ज्वेलरी की जरूरत पड़ी तो उन्हें याद आया कि वह कबाड़ में रखी थी। वे तुरंत हाजी अख्तर के पास पहुंचे। काफी तलाश के बावजूद डिब्बा नहीं मिला। निराश होकर परिवार ने ज्वेलरी वापस मिलने की उम्मीद छोड़ दी। दो दिन पहले जब हाजी अख्तर अपने गोदाम में जमा कबाड़ को ट्रक में लदवा रहे थे, तभी एक डिब्बे से खनखनाने की आवाज आई।

खोलकर देखा तो उसमें सोने की ज्वेलरी थी। उन्हें तुरंत अशोक शर्मा की बात याद आई, और उसे वापिस किया गया। उन्होंने सुरक्षित रखा मोबाइल नंबर मिलाया और ज्वेलरी मिलने की सूचना दी।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिल के द्वारा निम्न कृषि भूमि का तबादलानामा प्रस्तावित है :–

SW/FSO/300

मनकि श्रीमति किरण पत्नी संजय कुमार पुत्र परीक्षत सिहं, निवासी एवं बिस्वेदार गांव झांझरौला, तहसील फरूखनगर, जिला गुरूग्राम (हरियाणा) में अराजी बरुवे इन्द्राज जमाबन्दी वर्ष 2022–23 व इंतकाल न0 3662 त0म0, 3718 बैय, 3828 तबादला, 3847 बैय, के अनुसार खेवट न0 258/221, खाता न0 277, मु0 न0 37, किला न0 24/2(4–0), 25/1 (7–12), मु0 न0 70, किला न0 3/2(2–0), 5(7–12), किते 4, तादादी रकबा 21 कनाल 4 मरले का 21059/45792 भाग, बकदर 9 कनाल 15 मरले (1.21875 एकड़) वाका रकबा मौजा झांझरौला, तहसील फरूखनगर, जिला गुरूग्राम की मालिक व काबिज है जिसका तबादला प्रथम पक्ष द्वारा मेरे मुव्वकिल के साथ किया जा रहा है तथा प्रथम पक्ष द्वारा मेरे मुव्वकिल को मु0 न0 37, किला न0 24/2 मिन उत्तर (3–8), 25/1 मिन मध्य (4–7), मु0 न0 70, किला न0 3/2(2–0), किते 3, तादादी रकबा 9 कनाल 15 मरले (1.21875 एकड़) पर कब्जा दिया जा रहा है।

अतः यदि कोई भी व्यक्ति जो उपरोक्त भूमि में मुखलफाना हक, स्वामित्व, कब्जा या अन्य कोई सम्बन्ध रखता है या किसी को इस तबादलानामा पर कोई ऐतराज है तो वह व्यक्ति उपरोक्त भूमि में अपने हक, दावे सम्बन्धी जरूरी दस्तावेजों व साक्ष्य सहित इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 14 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरित से सम्पर्क करे या भेजे, अन्यथा यह माना जायेगा कि कोई भी व्यक्ति उपरोक्त भूमि में कोई दावा, हक, स्वामित्व, कब्जा या किसी प्रकार का अन्य कोई सम्बन्ध नहीं रखता और मेरा मुव्वकिल उक्त अराजी के तबादले से सम्बन्धित अग्रिम सभी कार्यवाही करेगा।

दिनांक : 19.02.2026

विनय कुमार सैनी
एडवोकेट,
द्वितीय तल, म0 नं0–285, सैक्टर–14,
गुरूग्राम – 122001
Mobile : 9810203697
E-mail : svkggn@yahoo.com

डिजाइन के जानकारों के लिए नेक्स्ट-जेनरेशन रेफ्रिजरेशन किया प्रदर्शित

लीबेर एप्लायंसेज ने गुरुग्राम में शुरू किया एक्सपीरियंस सेंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

प्रीमियम होम रेफ्रिजरेशन में ग्लोबल लीडर लीबेर एप्लायंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने बुधवार को गुरुग्राम में अपने एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया।

इसे उत्तर भारत में ब्रांड की मौजूदगी को मजबूत करने और आर्किटेक्ट, डिजाइनर और हाई-एंड कंज्यूमर के साथ जुड़ाव को गहरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर लिबेर कंपनी के प्रबंध निदेशक कपिल अग्रवाल ने कहा कि लीबेर की इंजीनियरिंग एक्सीलेंस और जर्मन इंजीनियरिंग के एक इमर्सिव शोकेस के तौर पर डिजाइन किया गया। यह एक्सपीरियंस सेंटर

विजिटर को ब्रांड की प्रीमियम फुली इंटीग्रेटेड (एफ आई) रेंज को करीब से देखने का मौका देता है, जो सीमलेस, डिजाइन-लेड किचन एनवायरनमेंट की बढ़ती मांग को दिखाता है। हमारे लिए फुली इंटीग्रेटेड रेंज जिसे हम इनविजिबल लग्जरी कहते हैं, उसका सबसे शुद्ध रूप है। यह वह जगह है जहां इंजीनियरिंग डिजाइन के साथ आसानी से मिल जाती है, जिससे अप्लायंस जगह पर हावी होने के बजाय उसे बेहतर बनाता है। एफ आई रेंज आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिजाइनरों को बिना रुकावट इंटीग्रेटेड रेफ्रिजरेशन के महत्व को पूरी तरह से समझने में मदद करती है। फुली इंटीग्रेटेड पोर्टफोलियो में रेफ्रिजरेटर, फ्रीजर और कॉम्बिनेशन मॉडल शामिल हैं, जो कुल नौ एसकेयू में फैले हुए हैं।

जो छोटे शहरी घरों से लेकर बड़े लग्जरी घरों तक, हर स्केल पर डिजाइन फ्लेक्सिबिलिटी देते हैं। नए लॉन्च हुए दिल्ली एक्सपीरियंस सेंटर में, लीबेर एप्लायंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अपनी फुली इंटीग्रेटेड (एफ आई) रेंज को डिजाइन बातचीत के केंद्र में रख रहा है।

आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनरों और समझदार घर के मालिकों के लिए बनाई गई।

अवैध डेयरियां होंगी बंद, जुर्माना भी लगेगा

गोबर निस्तारण पर निगम सख्त सात दिन में सर्वेः ननि आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगर निगम क्षेत्र में पशु अपशिष्ट (गोबर) के अवैज्ञानिक निस्तारण पर अब सख्ती शुरू हो गई है। नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा के निर्देश पर निगम ने सार्वजनिक सूचना जारी कर स्पष्ट किया है कि रिहायशी इलाकों और अनधिकृत कॉलोनियों में अवैध रूप से संचालित डेयरियों पर कार्रवाई की जाएगी। मेयर कैंप कार्यालय में मेयर प्रवीण बत्रा जोशी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के बाद आयुक्त ने सभी संयुक्त आयुक्तों को निर्देश दिए कि 7 दिन के भीतर शहर में चल रही डेयरियों का सर्वे कराया जाए। बिना अनुमति और नियमों के विपरीत संचालित डेयरियों को सील किया जाएगा। साथ ही जहां गोबर के उचित निस्तारण की व्यवस्था नहीं मिलेगी, वहां जुर्माना लगाया जाएगा। निगम के अनुसार कई स्थानों पर पशुपालक खुले में, सड़कों, नालियों और सीवर लाइनों में गोबर फेंक रहे हैं।

14 मार्च को जिला राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

फरीदाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फरीदाबाद द्वारा 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। न्यायालय परिसर, सेक्टर-12, फरीदाबाद में आयोजित होगी। यह आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा प्राधिकरण के चेयरमैन संदीप गर्ग के मार्गदर्शन एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी तथा प्राधिकरण की सचिव रितु यादव के नेतृत्व में संपन्न होगा। सीजेएम रितु यादव ने बताया कि लोक अदालत में ऐसे सभी प्रकार के मामले लिए जाएंगे, इसका उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित, सुलभ और किफायती समाधान करना है। उन्होंने आमजन से अपील की कि लंबित मामलों के पक्षकार लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी समझौते से विवादों का निपटारा करें।

एरोसिटी थीम टाउनशिप एवं हिंडन तटबंध मार्ग परियोजना को मिली स्वीकृति

जीडीए की 171वीं बोर्ड बैठक संपन्न

जीडीए बोर्ड बैठक में बजट के साथ कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 171वीं बोर्ड बैठक गुरुवार को सम्पन्न हुई। बैठक में प्रस्तुत सभी 25 एजेंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद बोर्ड में सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विशेष रूप से तुलसी निकेतन पुनर्विकास, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, एरोसिटी थीम टाउनशिप तथा हिंडन नदी तटबंध (बंधा) परियोजना को अलग-अलग महत्वपूर्ण प्रस्तावों के रूप में अनुमोदित किया गया। इसके

अलावा बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 (पुनरीक्षित) के अंतर्गत कुल आय 2,71,771.00 लाख रुपये तथा कुल व्यय 1,97,695.00 लाख रुपए अनुमोदित किया गया। जनवरी 2026 तक 2,09,319.69 रुपए लाख की आय एवं 1,02,280.37 लाख रुपए व्यय दर्ज किया गया। बैठक की अध्यक्षता जीडीए अध्यक्ष व मेरठ के मंडलायुक्त भानुचंद गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मंदेड़, जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल,नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक, जीडीएसचिव विवेक मिश्र समेत तमाम विभागों के अधिकारी व जीडीए बोर्ड सदस्य पवन गोयल शामिल हुए। उपाध्यक्ष ने बैठक के बाद विस्तृत जानकारी दी।

महत्वपूर्ण प्रस्ताव जिन्हें बैठक में मिली मंजूरी

-तुलसी निकेतन योजना का व्यापक पुनर्विकास स्वीकृत तुलसी निकेतन योजना में स्थित 288 एलआईजी भवन, 2004 ईडब्ल्यूएस भवन तथा 60 दुकानों की जर्जर अवस्था को दृष्टिगत रखते हुए योजना के समग्र पुनर्विकास का प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

रेल पहिया कारखाना/बेला
(जिला - सारण), बिहार - 841221

ई–निविदा संख्याः MROT-5-2025 दिनांकः 17.02.2026 उप–मुख्य यांत्रिक अभियंता/अनुरक्षण, रेल पहिया कारखाना, बेला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु भारतीय रेलवे की विशेष निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से एकल पैकेट प्रणाली पर आधारित ऑनलाइन खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:– 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधिः **कार्य का नामः** आरडब्ल्यूपी–बेला के मोल्ड रूम में रोल ओवर्स (04 संख्या), विशेष प्रयोजन क्रेन (06 संख्या), पोरिंग क्रेन (01 संख्या) हब कटिंग मशीन (03 संख्या), कोप क्लीनर, ड्रैग क्लीनर, ट्यूब प्री–हीट फर्नेस, ट्यूब होल्डिंग फर्नेस, बकेट एलिवेटर–1 एवं 2, बेल्ट कन्वेयर–1 की मरम्मत/सर्विसिंग एवं पूर्ण ओवरहॉलिंग तथा हाट व्हील ट्रांसफर क्रेन की व्हील क्लैम्पिंग व्यवस्था, बेकिंग स्टेशन के उपर V–प्लाउ की क्लैम्पिंग व्यवस्था एवं डोम बेकिंग–1 एवं 2 में कोप सेंटरिंग व्यवस्था से संबंधित संशोधन कार्य। **स्थानः** आरडब्ल्यूपी/बेला। **समापन की अवधिः 120 दिन।** 2. अनुमानित लागतः ₹ **8279951.70**, 3. बोली प्रतिभूति की राशिः ₹ **165600.00** 4. निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 12.03.2026 को 15:00 बजे। 5. वेबसाईट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा की पूर्ण विवरण देखी जा सकती है: पूर्ण विवरण और टेंडर/बोली प्रस्तुत करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे के विशेष निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in पर जाएं। उपरोक्त निविदा के संबंध में परिशिष्ट/शुद्धिपत्र/रद्दीकरण सहित अद्यतन के लिए निविदाकर्ता (ओं)/बोलीदाता (ओं) को IREPS पोर्टल www.ireps.gov.in से जुड़े रहने के लिए निर्देशित किया जाता है।

उप–मुख्य यांत्रिक अभियंता/अनुरक्षण/रेपका/बेला
आरडब्ल्यूपी/सीपीआरओ/ए डी भी टी/2025–26/110

SAINIK FINANCE & INDUSTRIES LIMITED

Regd. Office- 129, Transport Centre, Rohtak Road, Punjabi Bagh, New Delhi - 110035
Corporate Office: 7th Floor, Corporate Office Tower, Ambience Mall, N.H. 48, Gurugram-122002
E-mail: info@sainik.org Website: www.sainikfinance.com
CIN: L26912DL1991PLC045449
Telephone No.-011-28315036/0124-2719000 Fax No.-011-28315044/ 0124-2719100

NOTICE FOR OPEN OF SPECIAL WINDOW FOR RE-LODGEMENT OF TRANSFER REQUEST OF PHYSICAL SHARES

Pursuant to SEBI Circular No. SEBI/HO/MIRSD/MIRSD-PoD/P/CIR/2025/97 dated 2nd July, 2025, and SEBI/HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/ I/3750/2026 dated 30th January 2026, Shareholders are hereby informed that a Special Window has been opened only for relodgement of transfer deeds which were lodged prior to the deadline of 1st April, 2019 and rejected/returned/not attended, due to deficiency in the documents/process or other reasons. This relodgement window shall remain open for a period of one year i.e. from 5th February, 2026 till 4th February, 2027.

During this period, the shares/securities that are re-lodged for transfer including those requests that are pending with the Company shall be processed and issued only in dematerialized form, subject to verification and approval of all documents by the Company / Registrar & Share Transfer Agent i.e. Indus Shareshree Private Limited ('RTA').

For clarity with regard to applicability of this special window to transfer deed executed prior to 1st April, 2019, investors/shareholders may refer to the matrix provided below:

Lodged for transfer before April 01, 2019?	Original Security Certificate Available?	Whether eligible to lodge in the current window?
No - It is fresh lodgement	Yes	Yes
Yes - but it was rejected/ returned earlier	Yes	Yes
Yes	No	No
No	No	No

The lodger must have a demat account and provide its Client Master List ('CML'), along with the transfer documents and share certificate, while lodging the documents for transfer with RTA. Transfer requests submitted after 4th February, 2027 will not be accepted by the Company/RTA.

Shareholders are requested to send their share transfer requests along with the required documents at the following address:

Indus Shareshree Private Limited
G-65, Bali Nagar New Delhi-110015
Tel. No.: 91 -11-47671200/1214; Toll Free No.: 1800 3094001
Email Id: ippl@indusinvest.com

For Sainik Finance & Industries Limited
Sd/-
Piyush Garg
Company Secretary

Place: Gurugram
Date: 19.02.2026

उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और सीएम रेखा गुप्ता ने कृष्णा नगर से 25 नई अटल कैंटीनों का किया शुभारंभ

दिल्ली के गरीबों और जरूरतमंदों के लिए 25 नई अटल कैंटीन शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए गुरुवार से 25 और नई अटल कैंटीनें शुरू हो गई हैं। गुरुवार को दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कृष्णा नगर की नर्सरी बस्ती से डिजिटल माध्यम से इन कैंटीनों का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही दिल्ली में अटल कैंटीनों की कुल संख्या बढ़कर 71 हो गई है। उद्घाटन के बाद उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने कैंटीन में बैठकर आम लोगों के साथ भोजन किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि 25 नई अटल कैंटीन शुरू होने से दिल्ली में इनकी संख्या 71 हो गई है। यह योजना गरीबों और जरूरतमंदों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अटल कैंटीन मेहनतकश और जरूरतमंद लोगों को 5 रुपये में सम्मानजनक व पौष्टिक भोजन देने की पहल है। योजना पारदर्शिता के साथ संचालित हो रही है और यह सरकार के गरीबों के कल्याण व समावेशी विकास के संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता और स्वाद में कोई कमी नहीं होनी चाहिए।कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, मंत्री आशीष सूद, कृष्णा नगर के विधायक डॉ. अनिल गोयल सहित वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

अटल कैंटीन से प्रवासी मजदूरों और छात्रों को मिल रहा बड़ा सहारा : उपराज्यपाल

इस अवसर पर उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने कहा कि यह पहल पिछले साल 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर शुरू की गई थी। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, प्रवासी मजदूरों, बाहर से पढ़ने आए छात्रों, रिक्शा चालकों, सफाई कर्मचारियों, घरेलू सहायकों और मजदूरों के लिए बहुत मददगार साबित हो रही है। उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली सरकार हर थाली पर 25 रुपये की सब्सिडी दे रही है ताकि जरूरतमंद लोगों को सम्मान के साथ खाना मिल सके। कैंटीनों में खाने की गुणवत्ता पर नियमित नजर रखी जाती है और साफ-सफाई व पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी टीम को इस पहल के लिए बधाई दी और कहा कि इस योजना को आगे भी इसी तरह सफलतापूर्वक चलाया जाना चाहिए।

सिरसा ने मॉडल टाउन के लालबाग क्षेत्र में किया 'अटल कैंटीन' का उद्घाटन

दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मॉडल टाउन के लालबाग क्षेत्र में 'अटल कैंटीन' का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ बैठकर भोजन भी किया। इस अवसर पर मंत्री सिरसा ने दिल्ली की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है। लोगों ने अपने वोट से यहां एक ऐसी सरकार बनाई जो दिल्ली के विकास और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 'अटल कैंटीन' गरीब और मेहनतकश वर्ग के सम्मान से जुड़ा संकल्प है। सिरसा ने कहा कि हमने चुनाव के समय वादा किया था कि पांच रुपये में भरपेट भोजन देंगे। आज लालबाग में भी यह वादा पूरा हुआ है। केवल पांच रुपये में इतना स्वादिष्ट, इतना साफ-सुथरा भोजन, इतनी अच्छी व्यवस्था, यह अपने आप में पूरे देश के लिए एक मिसाल है। कार्यक्रम में मॉडल टाउन के विधायक अशोक गोयल, संगम विहार से पार्षद जोंटी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, एवं बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) द्वारा संचालित ये कैंटीनें विशेष रूप से श्रमिक वर्ग और जरूरतमंद नागरिकों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराएंगी।

दिल्ली में अब कुल 71 अटल कैंटीनें शुरू, जल्द पूरा होगा 100 का लक्ष्य : रेखा गुप्ता

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि गुरुवार को 25 नई अटल कैंटीनों की शुरुआत के बाद अब दिल्ली में कुल 71 अटल कैंटीनें शुरू हो चुकी है। जल्द ही दिल्ली सरकार 100 का लक्ष्य पूरा कर लेगी। उन्होंने कहा कि अटल कैंटीन उन लोगों के लिए हैं, जो प्रतिदिन कठिन परिश्रम करते हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें सस्ती कीमत पर सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन मिले। यह योजना केवल खाना देने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीबों, मजदूरों, रेहड़ी-पटरी वालों, निर्माण श्रमिकों और रिक्शा चालकों के जीवन में सम्मान और सुरक्षा का एहसास भी देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के सिद्धांत पर काम कर रही है ताकि कोई भी भूखा न सोए। अटल कैंटीनों में मात्र 5 रुपये में स्वच्छ, पौष्टिक और अच्छा भोजन दिया जा रहा है, जिससे कम आय वाले लोगों को राहत मिल रही है। उन्होंने बताया कि कैंटीनों में दाल, चावल, रोटी और सब्जी जैसे संतुलित भोजन परोसे जा रहे हैं। व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू रखने के लिए डिजिटल टोकन सिस्टम और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की गई है। भोजन स्टील की थाली में दिया जाता है और बिलिंग पूरी तरह कंप्यूटराइज्ड है। समाज की भागीदारी बढ़ाने के लिए अटल कैंटीन का कॉर्पस फंड बनाने का सुझाव भी दिया गया है ताकि समाजसेवी विशेष अवसरों पर भोजन प्रायोजित कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 फरवरी को दिल्ली सरकार का एक वर्ष पूरा हो रहा है। जनता के विश्वास से राजधानी में बदलाव आया है और सरकार पारदर्शिता व जवाबदेही के साथ काम कर रही है।

करावल नगर में शुरू हुई अटल कैंटीन : कपिल

दिल्ली की करावल नगर विधानसभा के चौहान पट्टी बस टर्मिनल पर भी गुरुवार को एक नई अटल कैंटीन शुरू हुई। इसका शुभारंभ दिल्ली के कैबिनेट मंत्री और स्थानीय विधायक कपिल मिश्रा ने किया। मंत्री कपिल ने इस दौरान जरुरतमंदों को थाली परोसी और उनके साथ भोजन कर उसकी गुणवत्ता भी परखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए' की दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में यह योजना चलाई जा रही है। यहां बैठने की उचित व्यवस्था है और टोकन व बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

पिछले 57 दिनों में 14 लाख 58 हजार 301 लोगों ने 5 रुपये में पौष्टिक भोजन किया : सूद

इस अवसर पर दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार 'अंत्योदय' के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 25 दिसंबर से शुरू हुई अटल कैंटीन योजना के तहत अब तक 57 दिनों में 14,58,301 लोगों ने केवल 5 रुपये में पौष्टिक भोजन किया है। पिछले 56 दिनों में 46 अटल कैंटीन चल रही थीं, जहां प्रतिदिन औसतन करीब 26 हजार लोगों ने भोजन किया। हर कैंटीन में औसतन 31 हजार से ज्यादा लोगों को भोजन दिया गया है। जल्द ही 25 और नई कैंटीन शुरू की जाएंगी, जिससे रोज करीब 50 हजार से ज्यादा जरूरतमंद लोगों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अटल कैंटीन सिर्फ भोजन देने की योजना नहीं है, बल्कि समाज के सबसे जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाने का प्रयास है।

इंद्राज ने आदर्श नगर में किया अटल कैंटीन का शुभारंभ

दिल्ली के समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने गुरुवार को ए-ब्लॉक, जहांगीरपुरी, आदर्श नगर, दिल्ली में अटल कैंटीन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आदर्श नगर के विधायक राजकुमार भाटिया सहित सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान मंत्री ने स्वयं बुजुर्गों को भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर भोजन भी किया। इस भावनात्मक क्षण ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया और उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की। कैंटीन के शुरू होने पर स्थानीय नागरिकों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल श्रमिकों और जरूरतमंद वर्ग के लिए अत्यंत राहतकारी साबित होगी। मंत्री इंद्राज ने कहा कि कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि राजधानी में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए और हर जरूरतमंद को भरपेट भोजन मिले।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कस्तूरबा नगर में किया अटल कैंटीन का लोकार्पण

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कस्तूरबा नगर विधानसभा में विधायक नीरज बसोया एवं निगम पार्षद शरद कपूर की उपस्थिति में अटल कैंटीन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सचदेवा ने कहा कि भाजपा के चुनाव मेनिफेस्टो 2025 को पूरा करते हुए दिल्ली सरकार ने 25 और अटल कैंटीन प्रारम्भ की, अब दिल्ली में कुल 71 अटल कैंटीन बन रहीं गरीब का भोजन सहारा। सचदेवा ने कहा कि अटल कैंटीन की प्रेरणा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों से मिली है, जिन्होंने हमेशा गरीब, श्रमिक और वंचित वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दी। यह कैंटीन मेहनतकश मजदूरों, रिक्शा चालकों, दिहाड़ी श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होगी, जहां उन्हें बहुत ही कम लागत में पौष्टिक भोजन सुलभ होगा। वहीं दिल्ली भाजपा सरकार एवं संगठन के नेताओं ने गुरुवार को एक विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत अलग-अलग स्थानों पर अटल कैंटीनों पर लाभार्थियों के साथ बातचीत की।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा 9 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सौदों पर हस्ताक्षर ऐतिहासिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गैर सरकारी संगठन दिल्ली स्टडी ग्रुप की तरफ से गुरुवार को नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में 'भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार सौदे, बदलती भू राजनीतिक और वैश्विक अर्थ व्यवस्था' पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विजय जौली के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर रोमानियां महावाणिज्य दूत डॉ. विजय मेहता, नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा, मुख्य वक्ता भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के उपकुलपति प्रो0 राकेश मोहन जोशी तथा लाइबेरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स चेयर के जडसन वेंडेल एडी आदि मौजूद थे जिन्होंने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अनेक देशों के राजनयिक संग दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, जामिया इस्लामिया के रिसर्चर्स उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. विजय जौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और वाणिज्य केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 9 ऐतिहासिक व्यापारिक सौदों पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय किसानों के हितों की रक्षा करने और मेक-इन-इंडिया द्वारा भारत में निर्मित वस्तुओं के निर्यात के लिए केंद्र सरकार को बधाई। प्रो. राकेश मोहन जोशी व डॉ. विजय मेहता ने इस अवसर पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टेरिफ डिप्लोमैसी से बदलते वैश्विक राजनैतिक घटनाक्रम के समय में भारत ने अपना आर्थिक संतुलन बनाए रखा है। नेपाल राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा ने दावा किया कि ऐसे सौदों से भारत के पड़ोसी देश नेपाल को भी आर्थिक लाभ पहुंचेगा। लाइबेरिया व्यापारिक नेता जडसन वेंडेल एडी ने कहा कि भारत को सक्रिय अफ्रीका केंद्रित आर्थिक सहायता नीति बनाने की जरूरत है। इसके साथ ही 33 साल तक दिल्ली स्टडी ग्रुप में अपना योगदान देते रहे स्वर्गीय अशोक गर्ग जी को पुष्प अर्पित कर सबने मौन रख, भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी गई।

दिल्ली की अदालत ने नियमों का पालन न करने पर एमसीडी को फटकार लगाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ उपायुक्त को तलब किया

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली नगर निगम के उपायुक्त को नोटिस जारी किया है और वरिष्ठ अभियंताओं को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह कदम यह पाने के बाद उठाया कि एक संपत्ति विवाद मामले में नगर निगम द्वारा दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट में उसके पूर्व के निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। वरिष्ठ दीवानी न्यायाधीश-सह-किराया नियंत्रक अनिमेष भास्कर मणि त्रिपाठी, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा एक अनधिकृत और विवादित संपत्ति के विध्वंस से संबंधित एक दीवानी मुकदमे की सुनवाई कर रहे थे। न्यायाधीश ने 17 फरवरी के अपने आदेश में कहा, ₹एमसीडी के उपायुक्त (डीसी) को अदालत का नोटिस जारी किया जाए, जिसमें उनसे कहा जाए कि वे या तो दो दिसंबर, 2025 के आदेश के अनुपालन में अपनी ओर से उचित स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें या अगली सुनवाई की तारीख पर व्यक्तिगत रूप से इस अदालत के समक्ष उपस्थित रहें।" प्रतिवादियों को पहले ही विवादित संपत्ति पर किसी भी प्रकार का और निर्माण करने से रोक दिया गया था। दो दिसंबर, 2025 को एमसीडी ने एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की, जिसके अनुसार 23 अक्टूबर, 2025 को तोड़फोड़ करने का आदेश पारित किया गया था। अदालत ने दो दिसंबर, 2025 के अपने आदेश में कहा, "स्थिति रिपोर्ट केवल आज उसे दाखिल करने की औपचारिकता पूरी करने के लिए सतही और यांत्रिक तरीके से दाखिल की गई है।₹ इसके बाद अदालत ने संबंधित कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता से लिखित स्पष्टीकरण मांगा, जिसे संबंधित उपायुक्त द्वारा 17 फरवरी तक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट के साथ विधिवत अग्रेषित किया जाना था। हालांकि, 17 फरवरी को दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट पर 'केवल सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता के हस्ताक्षर' थे और इसके साथ न तो अलग से लिखित स्पष्टीकरण संलग्न थे और न ही इसे उपायुक्त द्वारा निर्देशानुसार विधिवत अग्रेषित किया गया था। अदालत ने मंगलवार को कहा, "रिकॉर्ड के अवलोकन से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि आज दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट दो दिसंबर, 2025 के आदेश के अनुरूप नहीं है। इसलिए, इसे उचित या वैध स्थिति रिपोर्ट नहीं माना जा सकता।" अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 अप्रैल की तारीख तय की और कहा कि तब तक विवादित संपत्ति के मामले में अंतरिम रोक आदेश जारी रहेगा।

दिल्ली में केजरीवाल की लगी 150 वैध होर्डिंग को भाजपा सरकार ने फाड़ा : सौरभ भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के होर्डिंग फाड़ने का आरोप लगाया है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कनॉट प्लेस में लगी होर्डिंग और फाड़ी गई होर्डिंग की फोटो सोशल मीडिया पर साझा कर कहा कि दिल्ली में भले ही भाजपा की सरकार है, लेकिन उसे अरविंद केजरीवाल के नाम से डर लगता है। इसी डर के चलते भाजपा सरकार ने दिल्ली में 'एक साल दिल्ली बेहाल, याद आ रहे केजरीवाल' की लगी करीब 150 होर्डिंग को फाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि 'आप' ने रेखा गुप्ता सरकार के एक साल पूरे होने वेंडर को पैसे देकर वैध होर्डिंग लगाई थी, लेकिन भाजपा के अंदर अरविंद केजरीवाल का इतना खौंफ है कि वेंडर्स को अरविंद केजरीवाल की लगी होर्डिंग को नहीं हटाने पर उन्हें ब्लैकस्टि में डालने की धमकी दे रही है। भारद्वाज ने कहा कि यह होर्डिंग इसलिए बर्दाश्त नहीं हो रही है, क्योंकि यह सच है और भाजपा को सच चुभ रहा है। इस होर्डिंग पर जो बात लिखी है, वह हर दिल्ली वाले की जुबान पर है। रेखा गुप्ता कितनी ही नौटंकी कर लें, कितने ही मोहल्ला क्लीनिक को पोतकर आरोग्य मंदिर बना दें, कितने ही स्कूलों के ऊपर से बाबा साहब अंबेडकर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का नाम हटाकर सीएम श्री रख लें, या कितने ही एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन पर पानी छिड़क लें, मगर दिल्ली वाले अरविंद केजरीवाल को ही याद कर रहे हैं। सौरभ ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को अब अरविंद केजरीवाल के नाम से भी डर लगने लगा है। वैसे तो सीएम अपनी हर सभा में अरविंद केजरीवाल और आप सरकार का नाम जरूर लेती हैं। एक साल बाद भी केजरीवाल शब्द से भाजपा को बहुत डर लग रहा है। उन्होंने कहा कि मामला यह है कि आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में एक होर्डिंग लगाई है। उस होर्डिंग में लिखा है कि 'एक साल, दिल्ली बेहाल, याद आ रहे केजरीवाल'।

रेखा सरकार का एक साल पूरा : विकसित दिल्ली की ओर बढ़ते कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आज 20 फरवरी 2026 को अपना एक सफल वर्ष पूरा कर लिया है। 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में लौटी भाजपा के लिए यह साल 'नींव रखने' और 'बदलाव' का रहा। पिछले साल 20 फरवरी को शपथ लेने वाली इस सरकार ने (ट्रिपल इंजन) (केंद्र, एमसीडी और राज्य) के समन्वय के साथ दिल्ली के बुनियादी ढांचे और जन कल्याणकारी योजनाओं में नई जान फूंकी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि यह साल दिल्ली की प्रशासनिक सुस्ती को खत्म करने और विकास की नई नींव रखने का था। 2026 में हम इन परियोजनाओं को धरातल पर उतार कर दिल्ली का चेहरा बदल देंगे।

बुनियादी ढांचा: 241 सड़कों का कायाकल्प

सरकार ने दिल्ली की 241 मुख्य सड़कों के पुनर्विकास के लिए 802 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। 'वॉल-टू-वॉल कारपेटिंग तकनीक' के जरिए सड़कों को गड्ढा मुक्त और धूल मुक्त बनाने का लक्ष्य है। इसमें मालवीय नगर,

रोहिणी और चांदनी चौक जैसे प्रमुख क्षेत्रों की 400 किलोमीटर लंबी सड़कें शामिल हैं।

स्वास्थ्य: आयुष्मान भारत का दिल्ली में आगाज

दशकों के इंतजार के बाद दिल्ली में आयुष्मान आरोग्य योजना लागू की गई। इसके तहत अब तक करीब 7 लाख लोग पंजीकृत हो चुके हैं, जिन्हें 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इसके अलावा, 370 से नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर (स्वास्थ्य केंद्र) भी खोले गए हैं।

शिक्षा: निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम

सरकार ने दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम 2025 लागू किया है, जिसका उद्देश्य निजी स्कूलों द्वारा की जाने वाली फीस वृद्धि को नियंत्रित करना है। साथ ही, 75 सरकारी स्कूलों में 'सीएम श्री' पहल के तहत एआई क्लासरूम और स्किल लैब की शुरुआत की गई है।

परिवहन: ई-बसों का सबसे बड़ा बेड़ा

प्रदूषण से लड़ने के लिए सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बनाने की ओर कदम बढ़ाए हैं। दिल्ली में अब 4,200 से अधिक ई-बसें चल रही हैं। महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए 'पिंक कार्ड' और एकीकृत 'सहेली' स्मार्ट कार्ड लॉन्च किए गए हैं ताकि यात्रा सुगम हो सके।

समाज कल्याण: 5 रुपए में भरपेट भोजन

गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए 71 'अटल कैंटीन' शुरू की गई हैं, जहां मात्र 5 रुपए में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। कामकाजी महिलाओं के बच्चों के लिए 'पालना' (क्रेच केंद्र) और गिग वर्कर्स के लिए अलग कल्याण बोर्ड का गठन इस साल की बड़ी उपलब्धि रही।

भविष्य का रोडमैप: कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति

सीएम रेखा गुप्ता ने गाजीपुर और भलस्वा जैसे कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने के लिए 2 हजार 300 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। साथ ही यमुना में क्रूज सेवा और मुनक नहर के किनारे 5 हजार करोड़ रुपए की एलिवेटेड रोड जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं कतार में हैं।

2100 करोड़ रुपये से अधिक की जल परियोजनाओं की शुरुआत

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दो दिन पहले ही पश्चिमी दिल्ली स्थित टोडापुर के रामलीला मैदान में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की 2100 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि योजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि बेहतर जल प्रबंधन व्यवस्था बनाना 'विकसित दिल्ली' के लक्ष्य के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं तय समय सीमा में और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरी हों, ताकि लोगों को जल्दी फायदा मिल सके।

पूर्वी दिल्ली के विकास के लिए 1075 करोड़ रुपए परियोजनाओं की शुरुआत

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाल ही में पूर्वी दिल्ली के विकास के लिए विवेक विहार स्थित रामलीला मैदान में लगभग 1075 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। ये परियोजनाएं लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग से जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के संतुलित विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा जरूरी है। इन परियोजनाओं से ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होगी और जलभराव जैसी समस्याओं से भी स्थायी राहत मिलेगी।

श्रमिकों के 15 हजार बच्चों को मिली शिक्षा सहायता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने एक साल के कार्यकाल में निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए आर्थिक सहायता कार्यक्रम और गांवों से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिकों के 15,706 बच्चों के लिए 12.40 करोड़ रुपये से अधिक की पढ़ाई से जुड़ी सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की। साथ ही, दिल्ली के दो गांवों में नए बने पंचायत घरों का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा 37 गांवों में 59 नई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की गई, जिनकी कुल अनुमानित लागत 134 करोड़ रुपये है।

दिल्ली में एसआईआर की चुनाव आयोग की घोषणा का भाजपा करती है स्वागत : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की चुनाव आयोग की घोषणा का स्वागत किया है और कहा है इससे दिल्ली से अवांछित वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से काटने का रास्ता खुलेगा। सचदेवा ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश एवं जिला स्तर में मतदाताओं को एसआईआर की प्रक्रिया में आने वाली किसी भी समस्या के समाधान में सहयोग देने के लिए कार्यकर्ताओं की टीम तैयार की हैं जिसमें एक एक वकील भी शामिल हैं। भाजपा चुनाव आयोग से पूरा सहयोग करेगी ताकि दिल्ली में बस गये सभी बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या वोटरों का नाम वोटर लिस्ट से कट जाये।

पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का

सत्यमेव जयते
दिल्ली सरकार

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में **दिल्ली ने बदलाव** की राह पर पहला मज़बूत कदम रखा है।

24x7 फ़ॉर 2047
#विकसितदिल्ली

फ़रवरी 2025 — सेवा की शुरुआत
- शपथ ग्रहण के साथ सेवा और सुशासन की शुरुआत
- पहली कैबिनेट बैठक में विकसित दिल्ली का रोडमैप तय
- आयुष्मान जन आरोग्य योजना लागू की गई

मार्च 2025 — यमुना सफ़ाई का शंखनाद
- यमुना सफ़ाई और साफ़ पानी के लिए ₹9,000 करोड़
- ₹1 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट
- झुग्गी विकास के लिए ₹700 करोड़ आवंटित हुए

अप्रैल 2025 — मुफ़्त इलाज की मिली गारंटी
- 70+ आयु के बुज़ुर्गों को ₹10 लाख तक का मुफ्त इलाज
- आयुष्मान वय वंदना योजना से 2.7 लाख से ज्यादा बुज़ुर्गों को लाभ
- देश में मिनिमम वेजेस सबसे अधिक किया - 40 लाख से ज्यादा मजदूरों को लाभ

मई 2025 — लास्ट माइल कनेक्टिविटी का हुआ विस्तार
- नई DEVi बसों की शुरुआत
- आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर काम शुरू हुआ

जून 2025 — हेल्थ सर्विसेस घर के पास
- फेज-1 में 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 17 जनऔषधि केंद्र शुरू
- नरेला में नया EV DTC बस डिपो 90 दिनों में तैयार

जुलाई 2025 — व्यापार और युवाओं को मिली नई उड़ान
- 1,200+ नर्सिंग और 41 पैरामेडिकल कर्मियों को पक्की नौकरी
- पुलिस लाइसेंसिंग खत्म, बिज़नेस करना हुआ आसान
- कांवड़ समितियों को ₹11 लाख तक की मदद, 1200 यूनिट तक बिजली फ्री

अगस्त 2025 — ऐतिहासिक स्कूल फ़ीस एक्ट
- दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट 2025 - प्राइवेट स्कूलों की फीस मनमानी पर रोक
- फिर से शुरू हुई यू-स्पेशल बस सर्विस
- नर्सिंग इंटर्न्स का स्टाइपेंड ₹500 से बढ़ाकर ₹13,150 किया गया

सितंबर 2025 — दिल्ली का ट्रांसफॉर्मेशन
- 50 साल बाद दिल्ली को मिला नया ड्रेनेज मास्टर प्लान
- पहला बायो- गैस प्लांट
- स्कूलों में 3 नए पाठ्यक्रम- NEEEV, साइंस ऑफ लिविंग और राष्ट्रनीति लागू
- विकसित दिल्ली सीएम इंटर्नशिप प्रोग्राम
- नंद नगरी-गगन सिनेमा फ्लाइओवर का उद्घाटन

अक्टूबर 2025 — संस्कृति का केंद्र बनी दिल्ली
- ₹1,816 करोड़ की 19 STPs, ड्रेनेज और स्वच्छ पेयजल सुविधाओं हेतु परियोजनाएं
- पहली बार यमुना किनारे भव्य छठ पूजा
- वर्षों बाद इंडिया गेट पर भव्य दीपोत्सव
- पानी बिल पर लेट पेमेंट सरचार्ज माफी योजना

नवंबर 2025 — सेवा, सम्मान और सुरक्षा
- श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस पर भव्य समागम
- 10,000 इलेक्ट्रिक हीटर का डिस्ट्रीब्यूशन
- महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी गई

दिसंबर 2025 — नए ज़िले, बेहतर एडमिनिस्ट्रेशन
- बेहतर एडमिनिस्ट्रेशन के लिए MCD Zone तथा जिलों की समान बाउंड्री
- 45 अटल कैंटीन शुरू - सिर्फ ₹5 में खाना
- सिख दंगा पीड़ित 36 परिवारों को सरकारी नौकरी

जनवरी - फ़रवरी 2026 — जनसेवाओं का विस्तार
- RBI के साथ MoU - दिल्ली सरकार को Market Borrowing की मंज़ूरी
- 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कुल संख्या : 370
- होली-दिवाली सिलेंडर सब्सिडी, DBT सीधे खातों में
- भारत टैक्सी से साझेदारी, DTTDC - सहकार MOU
- 'दिल्ली लखपति बिटिया', लाडली योजना घोषित
- SC/ST कॉलोनियों हेतु ₹85 करोड़, 146 परियोजनाएं (9 उद्घाटन, 64 शिलान्यास)

DIP/Shabdarth/Display/0145/25-26

सेवा का संकल्प, सुशासन की नीति, विकसित दिल्ली का लक्ष्य

चिंतन

सिर्फ जरूरतमंदों को ही मिले सरकारी मदद

देश में बढ़ते "फ्रीबीज कल्चर" पर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में गरीब और वंचित तबकों तक ही सीमित होना चाहिए। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी भले नई न हो, लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गंभीर हैं। जब कल्याणकारी योजनाएं राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का औजार बन जाएं और आर्थिक विवेक पीछे छुट जाए, तब राज्य के विकास पर दीर्घकालिक असर पड़ना तय है। अदालत ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान की, जिसमें आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव दिया गया था। प्रश्न यह नहीं है कि गरीबों की मदद की जाए या नहीं, निस्संदेह की जानी चाहिए। प्रश्न यह है कि क्या बिना किसी भेद के, भुगतान करने में सक्षम लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना न्यायसंगत और आर्थिक रूप से टिकाऊ है? कल्याण और तुष्टीकरण के बीच की रेखा बहुत पतली होती है और उसे पहचानना सरकारों की जिम्मेदारी है। भारत जैसे विकासशील देश में संसाधन सीमित हैं। अधिकांश राज्य पहले से ही राजस्व घाटे से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि सरकारों का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और मुफ्त राशन/बिजली जैसी योजनाओं पर ही खर्च हो जाए, तो बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन जैसी प्राथमिकताएं पीछे छूट जाती हैं। अदालत की यह चिंता वाजिब है कि विकास परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं, जबकि चुनावी मौसम में नई-नई घोषणाएं हो जाती हैं। अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को दांव पर लगाना दूरदर्शिता नहीं कहा जा सकता। लोकलुभावन वादों का आकर्षण हर लोकतंत्र में रहता है। चुनाव के आसपास मुफ्त योजनाओं की बाढ़ आना भी कोई अनोखी बात नहीं, लेकिन क्या यह स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा है? यदि नागरिकों को यह संदेश जाए कि राज्य हर जरूरत खाना, बिजली, गैस बिना शर्त उपलब्ध कराएगा तो काम और उद्यमिता के प्रति प्रेरणा पर भी असर पड़ सकता है। आत्मसम्मान और स्वावलंबन किसी भी समाज की बुनियाद होते हैं। सरकार का दायित्व अवसर पैदा करना है। रोजगार, कौशल विकास, उद्यम के लिए अनुकूल माहौल बनाना, न कि स्थायी निर्भरता की संस्कृति विकसित करना। यह भी सच है कि भारत में अभी भी बड़ी आबादी ऐसी है जो बिजली का बिल, रसोई गैस या जरूरी राशन का खर्च वहन करने में असमर्थ है। उनके लिए लक्षित और पारदर्शी सहायता अनिवार्य है। तकनीक और डेटा के इस युग में आय, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और जरूरत के आधार पर लाभार्थियों की पहचान करना संभव है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और आधार-लिंक्ड प्रणालियों ने यह क्षमता बढ़ाई है कि सहायता सही हाथों तक पहुंचे। ऐसे में सभी को मुफ्त की नीति प्रशासनिक सुविधा का बहाना तो हो सकती है, आर्थिक विवेक का नहीं। समस्या यह है कि एक बार मुफ्त योजना शुरू हो जाए तो उसे वापस लेना राजनीतिक रूप से बेहद कठिन हो जाता है। परिणामस्वरूप राजकोषीय बोझ बढ़ता जाता है और भविष्य की पीढ़ियों पर कर्ज का दबाव बढ़ता है। संतुलन ही समाधान है, न कठोर कटौती, न असीमित उदारता। सरकारों को लोकप्रियता से अधिक प्राथमिकता वित्तीय अनुशासन और समावेशी विकास को देनी होगी। तभी सरकारी मदद वास्तव में उन तक पहुंचेगी, जिन्हें उसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

विचार

सोनमणि बोरा

माटीपुत्र पं. श्यामलाल चतुर्वेदी

पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी पर कुछ कहना या लिखना अपनी माटी के प्रति एक ऋण के उतारने जैसा है। माटीपुत्र का अलंकरण ऐसे संत पुरुषों को शोभा देता है। उन्हें जब भी देखा, मन, वचन और कर्म से छत्तीसगढ़ की सेवा करते हुए पाया। एक पत्रकार के रूप में, एक साहित्यकार के रूप में, एक समाजसेवी चिंतक के रूप में पं. श्यामलाल चतुर्वेदी जी का नाम अविस्मरणीय है। बात तब की है, जब मैं बिलासपुर में प्रशासन की जिम्मेदारी संभाले हुए था। जाहिर तौर पर जब कलेक्टर था, जब जिले को आगे ले जाने वाली नीतियों को लागू कराने के लिए रोज़ाना सैकड़ों लोगों से मिलना होता था। पं. श्यामलाल चतुर्वेदी जी भी आते थे। एक साधारण से कदकाठी के व्यक्ति, हाथ में झोला लिए हुए, खादी और धोती कुर्ता पहने हुए चलते-फिरते ज्ञान और दूरदृष्टि का भंडार थे। उनसे जब भेंट होती, कुछ न कुछ कहानियां, कुछ न कुछ रोचक बातें होतीं। वे सुनाया करते। एक पत्रकार के तौर पर उनके पास सुनाने के लिए छत्तीसगढ़ के सृजन की कई कहानियां थीं। कई बार वे बताते कि अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बिलासपुर आते, तो कैसे उन्हें वे और उनके साथी पत्रकार घेर लिया करते। बिलासपुर की जायज मांगों को कैसे पूरा करवाते। उनकी इस चर्चा में, उनके इस चिंतन में, उनके इन प्रश्नों में बिलासपुर के विकास का प्रश्न हमेशा रहता और फिर वे हमें सुझाव देते कि आपको नीतिगत फैसलों के क्रियान्वयन के लिए क्या करना चाहिए।

साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी राष्ट्रपति भवन हुए समारोह में जब पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित किया गया था, तो मुझे उनके साथ बिताए पल याद आ रहे थे। जब उन्हें राजभाषा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया, तब एक मुलाकात हुई थी। वे राजभाषा आयोग के पहले अध्यक्ष थे। भेंट बिलासपुर में ही हुई थी, मैं किसी काम से गया हुआ था बिलासपुर। उन्होंने कहा- "बड़ी जिम्मेदारी मिली है। बहुत कुछ करना है। पता नहीं मैं कर पाऊंगा या नहीं। आप सबका साथ अविरल मिलता रहे, यही कामना है।" हम लोगों ने कहा कि हम तो हमेशा साथ हैं। उनके पुत्र चंद्रकांत और सूर्यकांत दोनों ने उनकी जो सेवा की है, वो अनुकरणीय है। ये उनके पारिवारिक संस्कारों का परिणाम है कि पुत्रधर्म के लिए कई-कई दिनों तक अपनी दिनचर्या का दोनों पुत्रों ने त्याग किया।

पं. श्यामलाल चतुर्वेदी का जन्म 1926 में बिलासपुर जिले के कोटमी गांव में हुआ था। मैंने सुना था कि उनकी कहानी संग्रह भोलवा भोलाराम काफ़ी चर्चित और लोकप्रिय थी। एक बार उसे सुनने का अवसर मिला था। वे छत्तीसगढ़ी के गीतकार भी रहे। उनकी रचनाओं में 'बेटी के बिदा' प्रसिद्ध है। उन्हें 'बेटी के बिदा' के कवि के रूप में लोग पहचानते हैं। बताया जाता है बचपन में मां के कारण उनका रुझान लेखन में हुआ। उनकी मां ने उन्हें सुन्दरलाल शर्मा की 'दानलीला' रटा दी थी।

उन्होंने पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी मूल्यवान सेवाएं दी। वे मूलरूप से तत्कालीन अविभाजित बिलासपुर जिले के ग्राम कोटमी सोनार (वर्तमान में जिला जांजगीर-चांपा) के निवासी रहे, लेकिन साहित्यकार और पत्रकार के रूप में बिलासपुर उनकी कर्मभूमि रही। 1940-41 से पं. श्यामलाल चतुर्वेदी ने लेखन आरंभ किया। शुरूआत हिन्दी में की लेकिन 'विप्र' जी की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ी में लेखन शुरू किया। चतुर्वेदी शिक्षक भी थे। श्यामलाल चतुर्वेदी करीब 75 वर्षों तक साहित्य साधना के जरिए हिंदी और छत्तीसगढ़ी साहित्य को समृद्ध बनाने की कोशिश करते रहे।

पं. श्यामलाल चतुर्वेदी का जीवन दर्शन सहजता और सरलता सिखाता है। उनका जीवन दर्शन बताता है कि जो व्यक्ति ज्ञान में बड़ा होता है, वो कितना सहज और सरल होता है। उनके लेखन, चिंतन और समग्र दर्शन पर जो कुछ भी समेटने का प्रयास किया जा रहा है, वो प्रशंसनीय है। ये समाज को आने वाले समय में दिशा देगा, ऐसा मेरा मानना है।

-लेखक आदिम जाति-अनुसूचित जाति विभाग में प्रमुख सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

कूटनीति

अरविंद जयतिलक

सामरिक संबंधों को धार देते भारत-फ्रांस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्ते को मिठास से भर दिया है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर सहमति रेखांकित करता है कि दोनों देश संबंधों की ऊंची उड़ान भरने को तैयार हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के हर रूप-स्वरूप को जड़ से मिटाने की वकालत के साथ यूक्रेन, मध्य-पूर्व, और इंडो-पैसेफिक क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के परिप्रेक्ष्य में कंधा जोड़ने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। दोनों देशों ने 21 अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें रिमोटली एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन की शुरुआत बेहद महत्वपूर्ण है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्ते को मिठास से भर दिया है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर सहमति रेखांकित करता है कि दोनों देश संबंधों की ऊंची उड़ान भरने को तैयार हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के हर रूप-स्वरूप को जड़ से मिटाने की वकालत के साथ यूक्रेन, मध्य-पूर्व, और इंडो-पैसेफिक क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के परिप्रेक्ष्य में कंधा जोड़ने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। दोनों देशों ने 21 अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें रिमोटली एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन की शुरुआत बेहद महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन शुरू की गई है।

एच-125 इतिहास का एकमात्र हेलीकॉप्टर है जो माउंट एवरेस्ट की चोटी पर उतर चुका है। ध्यान देना होगा कि 'मेड इन इंडिया' एच-125 हेलीकॉप्टर मात्र सिविल हेलीकॉप्टर नहीं है, बल्कि यह भारतीय सेनाओं की जरूरतें भी पूरी करेगा। इससे भारत की सामरिक रक्षा पंक्ति मजबूत होगी। इसके अलावा फ्रांस की साफरान और भारत की 'भारत इलेक्ट्रानिक लिमिटेड' मिलकर भारत में ही हैमर मिसाइल बनाएंगे। गौर करें तो दोनों देशों के बीच राफेल लड़ाकू विमानों से लेकर पनडुब्बियों तक रक्षा सहयोग का लगातार विस्तार हो रहा है। अभी गत वर्ष ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा हुई थी, तब दोनों देशों के बीच डिफेंस, सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस सेक्टर में मिलकर काम करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी और टेक्नोलॉजी को नई धार देने के निमित्त एआई (आटिफिशियल इंटेलिजेंस) पर अलग से बयान जारी करते हुए वर्ष 2026 को 'इंडो-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' घोषित किया। तब दोनों देशों ने स्कॉर्पीन सबमरीन निर्माण, मिसाइल हेलिकॉप्टर, जेट इंजन, एडवांस मॉड्यूल रिएक्टर, परमाणु उर्जा एवं शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर काम करने के अलावा एकदूसरे को सहयोग करने का भरोसा दिया। मैक्रो की भारत यात्रा ने एक बार फिर रेखांकित किया है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों देश विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों के जरिए एक-दूसरे का स्वर बनने को तैयार हैं। विगत कुछ वर्षों के दरम्यान दोनों देशों की सामरिक-आर्थिक क्षेत्र को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। इस समय दोनों देश रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। गत वर्ष पहले ही दोनों देशों के बीच डिफेंस स्पेस पार्टनरशिप, सैटेलाइट लांच के लिए नए स्पेस इंडियन लिमिटेड और एरियन स्पेस के बीच एमओयू हुए। टाटा और एयरबस स्थानीय कंपनी के साथ मिलकर 125 हेलीकॉप्टर बनाने पर सहमति बनी। गौर करें तो रक्षा सहयोग दोनों देशों के संबंधों का आधार है। याद होगा कि गत वर्ष पहले प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस को 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत का महत्वपूर्ण साझीदार बताते हुए सुनिश्चित किया था कि दोनों देश पनडुब्बी हो या नौसैनिक विमान, सभी क्षेत्र में मिलकर काम करने को तैयार हैं। तब दोनों देश 'भारत-फ्रांस हिंद-प्रशांत रोडमैप' जारी करते हुए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक संतुलित और स्थिर व्यवस्था बनाने पर सहमति जाहिर की थी। गौरतलब है

कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रीयूनियन द्वीप, न्यूकैलेडोनिया और फ्रेंच पोलिनेशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक उपस्थिति है। इस पहल से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागिरी पर रोक लगेगी। दोनों देशों के बीच कितने मधुर संबंध हैं इसी से समझा जा सकता है कि फ्रांस प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित कर चुका है। याद होगा जब 1998 में भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था, तब उससे नाराज होकर दुनिया के ताकतवर मुल्क अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध थोपा था। तब फ्रांस ने भारत के साथ कंधा जोड़ते हुए रणनीतिक समझौते को व्यापक आयाम दिया। फ्रांस लगातार भारतीय सेना को लड़ाकू जेट व पनडुब्बियों समेत साजो-सामान की आपूर्ति कर रहा है। 2018 के बाद से फ्रांस भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता देश बन चुका है। मौजूदा समय में भारत अपनी कुल रक्षा आयात का तकरीबन 29 फीसदी फ्रांस से करता है।

दोनों देशों के बीच बढ़ती निकटता ने कारोबारी, रणनीतिक और सामरिक कुटनीति को नए क्षितिज पर पहुंचा दिया है। दोनों देश एक-दूसरे के सैनिक अड्डे का इस्तेमाल और वहां अपने युद्धपोत रखने के अलावा ऊर्जा, तस्करी, आव्रजन, शिक्षा, रेलवे, पर्यावरण, परमाणु, आतंकवाद और अंतरिक्ष मामलों में मिलकर काम कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच यूपीआई को लेकर भी सहमति बन चुकी है। विगत 25 वर्षों के दरम्यान दोनों देशों के बीच साझेदारी और समझदारी का ही परिणाम है कि आज भारत में विदेशी निवेश के लिहाज से फ्रांस तीसरा सबसे बड़ा निवेशक देश बन चुका है। भारत में 1000 से अधिक फ्रांस की कंपनियां काम कर रही हैं और सभी कंपनियों का संयुक्त टर्नओवर तकरीबन 30 अरब डॉलर से अधिक है। विगत ढाई दशकों में भारत-फ्रांस संबंध को एक नया आयाम मिला है और दोनों देश राजनीतिक, आर्थिक व सामरिक संबंधों में बेहतरी के लिए गंभीर प्रयास किए हैं।

फ्रांस के नेतृत्व के दृष्टिकोण में बदलाव के साथ-साथ कुछ द्विपक्षीय बाध्यताओं ने भी दोनों देशों को एक-दूसरे के निकट लाया है। यह तथ्य है कि चीन युद्ध के बाद भारत न केवल महाशक्तियों अपितु अफ्रीका व एशियाई देशों से भी अलग-थलग पड़ गया था। भारत को एक ऐसे देश के प्रति आकृष्ट होना स्वाभाविक था जिससे उसका कोई क्षेत्रीय विवाद न रहा हो। इसके अलावा 1962 में भारत व फ्रांस के बीच क्षेत्रों के हस्तांतरण संबंधी संधि के अनुमोदन ने दोनों देशों के संबंधों में मिठास घोली। तथ्य यह भी कि फ्रांस सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारतीय प्रयास का समर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था। वह आज भी अपने पुराने रुख पर कायम है। दरअसल, दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व में कई द्विपक्षीय तथा अंतरराष्ट्रीय विषयों के संबंध में समान सोच है। हालांकि विदेश नीति के विरोधी अभिमुखन के कारण दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मुद्दों पर कई बार विरोधी रुख भी अपनाए हैं। 1973 में फ्रांस के तत्कालीन अर्थव्यवस्था एवं वित्तमंत्री वेलेरी जिसकार्ड जो बाद में फ्रांस के राष्ट्रपति भी बने, की पहल पर 'भारत-फ्रांस अध्ययन समूह' की स्थापना हुई।

इस समूह की पहली बैठक फरवरी 1974 में फ्रांस में हुई तथा दूसरी बैठक मार्च 1975 में नई दिल्ली में हुई। इस समूह की सलाह पर दोनों देशों के मध्य समुद्री तेल उत्खनन, शक्ति उत्पादन व वितरण, कोयला उत्खनन व प्रयोग तथा तीसरे देश में संयुक्त उद्यम स्थापित करने संबंधित कई अहम समझौते पर हस्ताक्षर हुए। सबसे महत्वपूर्ण बात जो दोनों देशों के व्यापार में अहम है वह यह कि 1994 के बाद व्यापार संतुलन हमेशा भारत के पक्ष में बना हुआ है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जीवन का मार्गदर्शन करती है अंतःकरण की आवाज

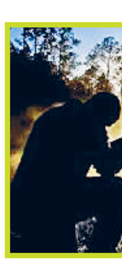

संकलित

दर्शन

हमारे अंतःकरण की आवाज हमारी मुख्य मार्गदर्शक होती है। यही हमें सही और गलत में अंतर का आभास कराती है। मनोविज्ञान के अनुसार, जब किसी मनुष्य का कोई कार्य, विचार और अभिव्यक्ति नैतिक मूल्यों के विपरीत परिणाम देती है तो अंतर्मन की आवाज उस व्यक्ति में ग्लानि और पश्चाताप की भावना को जन्म देती है, लेकिन जब हमारे कार्य नैतिक मूल्यों के अनुरूप परिणाम देते हैं तो इससे मन भीतर से प्रसन्न होता है। आज के इस कोलाहल भरे समय में हम प्रायः अपने अंतःकरण की आवाज को सुन नहीं पाते या उसे सुनकर उस पर अपेक्षित मनन नहीं करते। यही कारण है कि हम अपने जीवन में भटकाव महसूस करते हैं। महात्मा गांधी तो अंतःकरण की आवाज को ही सर्वोच्च मानते थे। उनके कई निर्णयों का आधार ही अंतःकरण की आवाज थी। इसी कारण गांधीजी सत्य के साथ खड़े रहे। इसीलिए उनके द्वारा किए गए अधिकांश प्रयोग सफल रहे। जीवन में सदैव संतुष्ट एवं प्रसन्न रहने का सरल सा तरीका यही है कि हम अपने अंतःकरण की आवाज सुनें, क्योंकि हमारे अंदर से आने वाली आवाज प्रत्येक परिस्थिति में सही होती है। हम जब कभी भी कुछ गलती या बुरा आचरण कर रहे होते हैं, तब हम अपनी भूल को जानते हैं। हमें कुछ अटपटा सा लगता है। भीतर से आवाज आती है कि यह कार्य उचित नहीं है। यही हमारे अंतःकरण की आवाज होती है। यही आवाज हमें कुछ गलत करने से रोकती है। जब हम अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करते हैं तो अंतरात्मा से हमारा संपर्क कमजोर हो जाता है।

ऐसे काम न करें, जिनसे समाज में गलत संदेश जाएं

संकलित

प्रेरणा

परमहंस जी अपने शिष्यों को नियमित रूप से उपदेश दिया करते थे। एक दिन जब वे उपदेश दे रहे थे, उस समय एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन साधु-संतों के लिए इतने कठोर नियम क्यों हैं? परमहंस जी ने शिष्य से कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिनसे समाज को अच्छा संदेश मिलता है। ये बात साधु-संतों को खासतौर पर ध्यान रखनी चाहिए। आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम कर सकते हैं, लेकिन साधु-संत को हर हाल में गलत कामों से दूर ही रहना चाहिए। साधु-संतों को धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से भी बचना चाहिए। तभी वे समाज को अच्छा संदेश दे सकते हैं। शिष्य ने फिर पूछा कि साधु-संतों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों हैं? जबकि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं। परमहंस जी ने शिष्य को समझाया कि त्याग का संदेश साधु-संत नहीं देंगे तो और कौन दे सकता है। साधु-संत अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देते हैं। साधु-संत हमें बताते हैं कि हमें किसी भी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। परमहंस जी ने साधु-संतों के माध्यम से संदेश दिया है कि अगर हम घर-परिवार और समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं तो हमें इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

शिव जयंती

इंदौर में गुरुवार को शिवाजी महाराज की 'शिव जयंती' पर छत्रपति शिवाजी महाराज के वेश में एक बालक।

आज की पाती

मोटापा सेहत का दुश्मन

हमारे देश के लोगों में मोटापा बढ़ता जा रहा है। इससे जानलेवा बीमारियों के बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है। आज हमने अपनी जीवनशैली और खानपान की आदतों को बिगाड़ कर अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ करना शुरू कर दिया है। मोटापा भी कुदरत के विरुद्ध खानपान और जीवनशैली अपनाने से बढ़ता है। लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और हमारे देश की सरकारें, स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन बहुत से अभियान चलाते हैं। योग गुरु भी इसके लिए काम करते हैं, लेकिन हम उनकी बातों की तरफ ध्यान नहीं देते हैं और फिर गलत खानपान और जीवनशैली अपना कर अपना स्वास्थ्य खराब कर लेते हैं। कुछ लोगों ने अपने खानपान और जीवनशैली की आदत को बिगाड़ कर अपने स्वास्थ्य को खराब करने का काम किया है। *– ललित वाधवानी, भाटापारा*

ट्रेंड

एआई -सक्षम शासन

नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में राजस्थान के हमारे स्टार्टअप्स और डेटा-संचालित गवर्नेंस मॉडल को वैश्विक मंच मिल रहा है। दिग्गज कंपनियों के साथ हमारी टीम की चर्चा राज्य में एआई -सक्षम शासन और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की नई राहें खोलेगी।

- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

नौकरियों में पारदर्शिता

अगले कार्यकाल में हमारी सरकार केवल शिक्षा विभाग में ही 50,000+ युवाओं की नियुक्ति करेगी। सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता और गति का जो बड़ा बदलाव आया है, वह आगे भी जारी रहेगा।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

सांस्कृतिक असंवेदनशीलता

हमारे प्रधानमंत्री ने बंगाल की महान हस्तियों के प्रति अपनी सांस्कृतिक असंवेदनशीलता का प्रदर्शन किया है। आज श्री श्री रामकृष्ण परमहंसदेव का सम्मान करते हुए उनके नाम के आगे अभूतपूर्व और अनुचित उपसर्ग "स्वामी" जोड़ दिया!

- ममता बनर्जी, सीएम, प. बंगाल

किसान हितों की अनदेखी

अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में भारत के कृषि क्षेत्र और ऊर्जा सुरक्षा/ रणनीतिक स्वतंत्रता से संबंधित व्यापार को शामिल करना साफ दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने अमेरिका के दबाव में आकर अपने घुटने टेक दिए हैं। इसमें किसानों के दूरगामी हितों की अनदेखी की गई है।

- सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री

करंट अफेयर

सूडान की तबाही में 'नरसंहार के स्पष्ट संकेत' दिखे : संरा

संयुक्त राष्ट्र समर्थित मानवाधिकार विशेषज्ञों ने बृहस्पतिवार को कहा कि सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर के एक शहर और उसके आसपास के इलाकों में गैर-अरब समुदायों के खिलाफ सूडानी विद्रोहियों द्वारा अक्टूबर में चलाए गए अभियान में नरसंहार के संकेत दिखाई देते हैं। यह देश में जारी विनाशकारी युद्ध को लेकर एक चौंकाने वाला निष्कर्ष है। सूडान पर एक स्वतंत्र तथ्यान्वेषी मिशन की रिपोर्ट के अनुसार, रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने अल-फशेर में 18 महीने की घेराबंदी के बाद बड़े पैमाने पर हत्याएं और अन्य अत्याचार किए। इसके अनुसार, इस दौरान रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने गैर-अरब समुदायों, विशेष रूप से जघावा और फुर समुदायों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोची-समझी शर्तें लागू कीं। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का कहना है कि दारफुर में सूडानी सेना के एकमात्र बचे गढ़ अल-फशेर पर आरएसएफ के कब्जे के दौरान कई हजार नागरिक मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि शहर के 260,000 निवासियों में से केवल 40 प्रतिशत ही हमले से बचकर निकलने में कामयाब रहे। उनमें से हजारों घायल हो गए। उन्होंने बताया कि बाकी बचे लोगों का क्या हुआ, यह अभी तक पता नहीं चल पाया है।

ऑफ बीट

एआई का इस्तेमाल कब न करें, यह जानना भी जरूरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रशिक्षण में आमतौर पर इस बात पर जोर दिया जाता है कि बेहतर परिणाम कैसे हासिल किए जाएं—बेहतर प्रॉम्प्ट कैसे लिखें, प्रश्न को कैसे परिष्कृत करें और सामग्री को अधिक तेजी से कैसे तैयार करें। इस दृष्टिकोण के संदर्भ में एआई को केवल उत्पादकता बढ़ाने वाले औजार के रूप में देखा जाता है और सफलता को गति से मापा जाता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच अधूरी है। आलोचनात्मक एआई साक्षरता अलग प्रश्न उठाती है। इसमें मैं इसका उपयोग कैसे करूं? के बजाय क्या मुझे इसका उपयोग करना भी चाहिए? और इसे तेज कैसे बनाऊं? के बजाय इस प्रक्रिया में मैं क्या खो रहा हूं? के बारे में जानना बेहद जरूरी है। एआई प्रणालियां उन पूर्वाग्रहों को साथ लेकर चलती हैं, जिन्हें अधिकतर उपयोगकर्ता देख नहीं पाते। वर्ष 2025 में 'ब्रिटिश न्यूज़पेपर आर्काइव' पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि डिजिटल व्यवस्था वाले विक्टोरियनकालीन अखबार वास्तव में प्रकाशित सामग्री के 20 प्रतिशत से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उपलब्ध नमूना राजनीतिक प्रकाशनों की ओर झुकाव रखता है और स्वतंत्र आवाज़ों को कम दर्शाता है। ऐसे में यदि कोई शोधकर्ता इसी आधार पर विक्टोरियन समाज के बारे में निष्कर्ष निकाले, तो वह अभिलेखागार में निहित विकृतियों को दोहरा सकता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

कांग्रेस ने किया बड़ा दावा- मोदी सरकार की आलोचना करने वाले एआई वीडियो डिलीट कराए जा रहे

विरोधियों के खिलाफ आईटी नियमों का हो रहा दुरुपयोग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस ने कहा कि एआई पर बड़े दावे करने वाली मोदी सरकार आलोचनात्मक एआई वीडियो हटवाकर दोहरा रवैया अपना रही है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी की सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि बीते छह हफ्तों में कांग्रेस के नौ एआई वीडियो डिलीट कराए गए, जबकि सभी वीडियो पर कानून के अनुसार स्पष्ट एआई डिस्क्लेमर मौजूद थे।सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि कुछ वीडियो डिलीट करने के आदेश भाजपा शासित बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र की पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स को भेजे गए, जबकि कुछ वीडियो को डिलीट करवाने का आदेश सीधे सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के मंत्रालय से आए।

श्रीनेत ने स्पष्ट किया कि हटवाए गए इन वीडियो पर कानून के तहत एआई जनरेटेड वीडियो का डिस्क्लेमर था, जिससे साफ होता है कि किसी को भ्रमित करने की कोई कोशिश नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि इन वीडियो में कांग्रेस पार्टी ने वही दिखाया था जो वह सार्वजनिक रूप से सड़क से लेकर संसद में बोल रही है, जैसे कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनरल

नरवणे और सेना को यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया कि 'जो उचित समझो, वही करो'। कैसे मोदी ने राष्ट्रहित की अनदेखी करते हुए अमेरिका के साथ ट्रेड डील की और भारत के किसानों के हक की बलि चढ़ा दी, रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया। कैसे मोदी एपस्टीन की सलाह पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने में जुट गए। कैसे नरेंद्र मोदी ने अडानी के ऊपर अमेरिका में कसते कानूनी शिकंजे से बौखलाकर ट्रंप के आगे सरेंडर कर दिया और कैसे प्रधानमंत्री तीन महिला सांसदों से डरकर लोकसभा में नहीं आए। उन्होंने कहा कि इनमें से कोई भी बात काल्पनिक या गलत नहीं है। ये सभी वही मुद्दे हैं, जिन पर पूरा देश सवाल पूछ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक व्यंग्य करना और तीखी टिप्पणी करना डीपफेक नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि वीडियो को डिलीट करवाना 2021 के आईटी नियमों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ घोर दुरुपयोग है। उन्होंने कहा कि वीडियो हटाने का कोई कारण नहीं बताया जा रहा। कोई पारदर्शिता नहीं है, कोई सार्वजनिक आदेश नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे आदेश तानाशाही शासन में दिए जाते हैं, लोकतंत्र में नहीं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सोशल मीडिया टीम में काम करने वाले युवाओं को भी पुलिस से फोन करवाकर डराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि छोटी और निराधार बातों पर सरकार से सवाल पूछने वाले और जनता से जुड़े जरूरी मुद्दों को उठाने वाले कंटेंट क्रिएटर्स को नोटिस भेजा जा रहा है, उनके चैनल को डिमोनेटाइज़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सवालों और सच से इतना डरती है कि इन डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के पैसे का स्रोत ही बंद करने का काम कर रही है।

सुप्रिया श्रीनेत ने आने वाले दिनों में 'सहयोग' नामक ऑनलाइन सेंसरशिप पोर्टल के प्रभावी होने से उत्पन्न होने वाली स्थिति को लेकर भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल सरकारी अधिकारियों को किसी भी सोशल मीडिया कंटेंट को हटवाने का आदेश जारी करने का अधिकार देगा।

दिल्ली में चल रहे एआई समिट पर तंज कसते हुए श्रीनेत ने कहा कि एक वैश्विक आयोजन को मोदी जी के फ़ोटो शूट में बदल दिया गया, जो शर्मनाक है। उन्होंने सम्मेलन में कुव्यवस्थाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि टेक इवेंट होने के बावजूद इंटरनेट स्थिर नहीं था और लोगों को लैपटॉप लाने तक से रोका गया। एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा चीनी रोबोट को खरीदकर उसे अपना आविष्कार बताने को अक्षम्य करार देते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी चैनल व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका प्रचार किया तथा चीनी मीडिया ने हमारा मजाक उड़ाया।श्रीनेत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की विरासत आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थान हैं। वहीं, मोदी सरकार की विरासत फेक न्यूज फ़ैक्ट्री, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी और वह निजी यूनिवर्सिटी है, जिसने देश की छवि धूमिल की है। सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल किया कि अगर सरकार को एआई कंटेंट से इतनी दिक्कत है, तो देश में एआई समिट क्यों करवाया जा रहा है और कॉलेजों में इसे क्यों पढ़ाया जा रहा है?

पेज एक का शेष

एआई में डर नहीं, ...

बनाया जाए? समारोह में देश के दो बड़े औद्योगिक घरानों रिलायंस और अडानी समूह ने कुल 18 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की घोषणा की है। जबकि गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने विशाखापट्टनम में 15 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ एक एआई हब स्थापित करने का ऐलान किया है। यहां बता दें कि ये एआई सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक चलेगा। भारत में इसका चौथा संस्करण आयोजित किया गया है। पूर्व में ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में इसका आयोजन किया जा चुका है।

भारत में एआई के विकास में निवेश करे दुनिया: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर, चिप बनाने से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग तक एक लचीला इकोसिस्टम बना रहा है। जिसमें हमारे पास मौजूद सुरक्षित डेटा केंद्र, मजबूत आईटी बैक-बोन, डायनामिक स्टार्टअप इकोसिस्टम हमें सुलभ, मापनीय और एक सुरक्षित एआई समाधानों का प्राकृतिक केंद्र बनाते हैं। देश के पास विविधता, जनसांख्यिकीय के साथ ही लोकतंत्र भी है। इस लिहाज से जो एआई मॉडल भारत में सफल होता है। उसे वैश्विक रूप से तैनात किया जा सकता है। इसलिए मैं आप सभी को हमारे देश में एआई के डिजाइन के साथ विकास और उसके बाद पूरी दुनिया और मानवता तक इसे पहुंचाने के लिए आमंत्रित करता हूं।

एआई में यूं दिखते भाग्य और भविष्य : उन्होंने कहा कि दुनिया में दो तरह के लोग हैं। एक वो जिन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता में भय दिखता है और वो पूरी दुनिया में अपने इसी नजरिए को रखते हैं। लेकिन दूसरे वो हैं, जिन्हें इसमें भाग्य दिखता है। मैं पूरी जिम्मेदारी और गर्व के साथ कहता हूं कि भारत को एआई में भय नहीं भाग्य और भविष्य दोनों दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास प्रतिभा प्रतिभा, ऊर्जा क्षमता और नीतिगत स्पष्टता भी है। इस सम्मेलन में तीन स्वदेशी कंपनियों ने अपने एआई मॉडल्स और ऐप लांच किए हैं। ये हमारे युवाओं की प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं। साथ ही भारत जो समाधान दे रहा है, उसकी गहराई और विविधता का प्रतिबिंब भी है।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो एआई स्पेस : पीएम के मुताबिक, एआई के मामले में हमें बच्चों की सुरक्षा को लेकर और अधिक सजग होना होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे स्कूल का पाठ्यक्रम सुरक्षित होता है। वैसे ही एआई स्पेस भी बच्चों की सुरक्षा और परिवार के निर्देशों पर केंद्रित होना चाहिए।

मानव सभ्यता का टर्निंग प्वाइंट एआई : उन्होंने कहा, आमतौर पर ये देखने को मिलता है कि नई तकनीक को लेकर शुरुआती संदेह होता है। लेकिन युवा पीढ़ी जिस तरह से एआई को स्वीकार करते हुए उसका इस्तेमाल कर रही है। वो अभूतपूर्व है। मानव इतिहास में हर कुछ शताब्दियों के बाद एक ऐसा मोड़ आता है। जो सभ्यता की दिशा, विकास की गति, सोचने-समझने की क्षमता व काम करने के तरीकों को बदल देता है। परिवर्तन के वास्तविक प्रभाव तुरंत समझ में नहीं आते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव इतिहास में एक परिवर्तनकारी अध्याय का प्रतीक है। पीएम ने इस संबंध में पत्थरों से निकली चिंगारी, मौखिक भाषा को लिपिबद्ध करने की कवायद और वायरलेस से भेजे गए सिग्नलों की याद दिलाई।

परमाणु ऊर्जा के नफे-नुकसान से की तुलना : एआई को लेकर आज जो देखा व अनुमान लगाया जा रहा है। वो इसके प्रभाव को लेकर प्रारंभिक संकेत हैं। ये मशीनों को बुद्धिमान बनाने के अलावा मानव क्षमता को भी कई गुना बढ़ा रही है। वर्तमान में ये अंतर अभूतपूर्व गति, अप्रत्याशित पैमाने में निहित है। पूर्व में प्रौद्योगिकी के प्रभाव को नजर आने में दशकों लगते थे। लेकिन आज मशीन लर्निंग से ये सफर तेज, गहरा और व्यापक हो गया है। ऐसे में एक व्यापक दृष्टिकोण और जिम्मेदारी की दरकार है। वर्तमान के साथ ही भावी पीढ़ी को सौंपी जाने वाली एआई के स्वरूप पर भी चिंता होनी चाहिए। मुद्दे का प्रश्न ये नहीं है कि एआई भविष्य में क्या कर सकती है। बल्कि ये है कि मानवता इसका वर्तमान में कैसे उपयोग करना चाहती है? उन्होंने परमाणु ऊर्जा से तुलना करते हुए कहा कि इसके नफे-नुकसान को हमने देखा है। एआई भी परिवर्तनकारी शक्ति है, जो दिशाहीन होने पर व्यवधान और सही दिशा मिलने पर समाधान देती है। 14 करोड़ भारतीय नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं।

अंबानी, अडानी करेंगे 18 करोड़ का निवेश: सम्मेलन में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने एआई क्षेत्र में जियो रिलायंस के साथ मिलकर 7 वर्षों में 10 लाख करोड़ के निवेश का ऐलान किया। जबकि देश के एक अन्य बड़े उद्योगपति घराने अडानी समूह के कार्यकारी निदेशक जीत अडानी ने 10 साल में इस क्षेत्र में 8.3 लाख करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। दोनों ने ये दावा किया है कि उनके निवेश से देश में बड़े पैमाने पर रोजगार उत्पन्न होंगे। मुकेश अंबानी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मोबाइल डेटा की तरह ही एआई में भी क्रांति आएगी। उन्होंने कहा कि एआई को लेकर दुनिया एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है। जहां एक ओर रास्ता कठिन, महंगी एआई और नियंत्रित डेटा की ओर जाता है। तो दूसरी ओर का मार्ग सस्ती और सुलभ एआई सुनिश्चित करने की ओर जाता है। एआई का सर्वश्रेष्ठ रूप अभी आना शेष है। जो बड़ी समृद्धि के युग का आगाज कर सकता है। वहीं, जीत अडानी ने कहा, भारत को आयात पर निर्भरता की जगह पर स्वदेशी एआई बुनियादी ढांचा तैयार करना चाहिए। एआई आने वाले वक्त में राष्ट्रीय संप्रभुता को नए सिरे से परिभाषित करेगा। उन्होंने भारत की बौद्धिक सदी का खाका प्रस्तुत करते हुए कहा कि संप्रभुता के तीन स्तंभों (ऊर्जा, कंप्यूटिंग और क्लाउड व सेवाएं शामिल) पर जोर देते हुए कहा कि ये देश की एआई रणनीति के केंद्र में हैं। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि भारत को अपने एआई भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ऊर्जा, कंप्यूटिंग सेवाओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करनी पड़ेगी।

एआई से नौकरियों को खतरा नहीं : गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा, मैं बिना किसी शक के ये कह सकता हूं कि एआई वर्कफोर्स को एक नया आकार देगा। ये नौकरियों को खत्म यानी खाएगा नहीं बल्कि इससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। दुनिया को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें बना हुआ डिजिटल डिवाइड कहीं एआई के मामले में भी किसी प्रकार का कोई डिवाइड न बन जाए। उन्होंने विशाखापट्टनम में 15 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ एक फुल स्टैक एआई हब स्थापित करने की घोषणा की है।

मिलकर आगे बढ़ने ...

अलग है। जिसमें हम मानते हैं कि कृत्रिम मेधा जैसी तकनीक तभी दुनिया के लिए लाभप्रद साबित होगी। जब उसे साझा किया जाएगा, जब कोड ओपन होंगे और शेयर किए जाएंगे। उसके बाद ही हमारे मिलियन की आबादी वाले युवा उन्हें बेहतर और सुरक्षित बना पाएंगे। इसलिए हम सभी को ये संकल्प लेना चाहिए कि एआई को वैश्विक समान भलाई के लिए विकसित किया जाएगा।

डीपफेक्स, मनगढ़ंत ...

एआई ज्यादा टेक्स्ट, इमेज और वीडियो बना रहा है। वैसे-वैसे उद्योगों में वाटर मार्किंग और क्लियर सोर्स स्टैंडडर्स की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। इसलिए ये जरूरी है कि यह विश्वास तकनीक में शुरू से जोड़ा जाए।

मैक्रों की पीएम ...

लगा दें। जबकि दूसरे में मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ा सिस्टम और उनकी एल्गोरिदम के पारदर्शी होने पर जोर दिया है। अपने संबोधन में उन्होंने सराहना करते हुए बीते वक्त में भारत द्वारा किए गए डिजिटल ट्रांसफारमेशन का भी बड़े पैमाने पर उल्लेख किया। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और फ्रांस मिलकर एआई को लेकर एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि फ्रांस पहले ही बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर रोक लगा चुका है। ग्रीस, स्पेन जैसे यूरोप के अन्य देश हमारी ही तरह समान दिशा में आगे बढ़ते हुए कदम उठा रहे हैं। यह कुछ ऐसा ही है, जैसे जो चीजें वास्तविक दुनिया में बच्चों के लिए ठीक नहीं हैं यानी उन पर रोक लगी हुई है। ठीक उसी तर्ज पर उन्हें इंटरनेट की दुनिया में भी उनके लिए उपलब्ध नहीं होना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म सरकार और नियामक संस्थाओं की संयुक्त जिम्मेदारी है। जिससे बच्चों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार किया जा सके।

प्लेटफार्म के ...

होने पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि ये जानबूझकर नफरत को बढ़ावा देने वाला और चरमपंथी कंटेंट यूजर्स के सामने पेश करते हैं। उनके मुताबिक, भारत-फ्रांस के बीच तकनीकी सहयोग सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। बल्कि ये साझा मूल्यों व भविष्य की जिम्मेदारियों पर आधारित है। इसलिए तकनीक का विकास मानवीय मूल्यों और सामाजिक संतुलन के साथ होना चाहिए।

गुटेरेस ने अमेरिका, चीन को दिया कड़ा संदेश: यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सम्मेलन में कहा, आयोजन के भारत में होने के अपने खास मायने हैं। क्योंकि इसमें होने वाली चर्चा हमें उन वास्तविकताओं के और अधिक निकट ले जाती है। जो दुनिया के ज्यादातर भाग को आकार दे रही हैं। उन्होंने अमेरिका, चीन जैसी महाशक्तियों और उनके राष्ट्राध्यक्षों का नाम लिए बगैर उन्हें कड़ा संदेश देते हुए कहा कि एआई का भविष्य दुनिया के कुछ मुट्ठी भर देश तय नहीं कर सकते हैं। या फिर इसे कुछ अरबपतियों की सनक के सहारे नहीं छोड़ा जा सकता है। बीते वर्ष यूएन महासभा ने एआई को लेकर दो अहम कदम उठाए थे। जिसमें एआई पर एक स्वतंत्र वैश्विक पैनल का गठन किया गया, यूएन के अंदर एआई प्रशासन पर वैश्विक संवाद की शुरुआत मुख्य रूप से शामिल हैं। यूएन महासचिव ने बताया कि इस बाबत एक पैनल गठित हो चुका है, जिसमें 40 विशेषज्ञ स्पष्ट संदेश भेजते हैं। लेकिन मैं, दुनिया के बाकी सदस्य देशों, उद्योग क्षेत्र, सामाजिक संगठनों से इसके कामकाज में योगदान देने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि हमें अत्यधिक प्रचार, भय की जगह पर साझा सबूत सामने रखने होंगे और ज्ञान-जानकारी में कमी की खाई को पाटना होगा।

एआई पर बने ...

के अलावा विषमताओं को भी गहराने, पूर्वाग्रहों को बढ़ाने और हानि को ईंधन दे सकती है। इसलिए हमें कामगारों में निवेश करना होगा। जिससे एआई बिना किसी की जगह लिए मानव संभावनाओं को आगे बढ़ाए। हमें लोगों को शोषण, हेराफेरी और दुर्व्यवहार का शिकार होने से भी बचाना होगा। यूएन महासचिव ने साफ किया कि बच्चों को नियमों के दायरे से बाहर चलने वाले एआई के परीक्षण का विषय नहीं बनने दिया जा सकता है।

यूएई के क्राउन प्रिंस ...

है। दो-तरफा निवेश जारी है। पीएम मोदी और महामहिम क्राउन प्रिंस ने यूएई संप्रभु वेल्थ फंड को भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर भी बातचीत की गई है।

नीदरलैंड संग मजबूत ...

की आवाजाही और जहाजरानी के क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। दोनों देश सांस्कृतिक और जन संबंधों को मजबूत करने के लिए भी साथ मिलकर काम करेंगे।

प्रधानमंत्री की अन्य बैठकों का सार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्विस परिसंघ के अध्यक्ष गाय पार्मेलिन के साथ भी बैठक हुई। जिसमें भारत-स्विट्जरलैंड संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई। दोनों शीर्ष नेताओं ने माना कि ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के साथ ही भारत-यूरोप संबंधों के लिए 2026 की शुरुआत असाधारण रही है। हालांकि पिछले साल अक्टूबर 2025 से ये समझौता लागू हो गया है। जिससे व्यापारिक संबंधों को और अधिक मजबूती मिली है।

चुनावी रेवड़ियों पर सुप्रीम ...

अध्यक्षता वाली पीठ ने देश के विभिन्न राज्यों में जारी मुफ्त वितरण की होड़ पर गहरी चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा कि विकास परियोजनाओं को नजरअंदाज कर राजस्व घाटे में चल रहे राज्यों द्वारा मुफ्त सुविधाएं बांटना 'तुष्टीकरण की राजनीति' का हिस्सा बनता जा रहा है। यह सुनवाई तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर हो रही थी, जिसमें राज्य सरकार ने आर्थिक स्थिति पर विचार किए बिना सभी के लिए मुफ्त बिजली का प्रस्ताव दिया था।

हर वर्ग को मुफ्त ...

सूर्यकांत ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे से जूझ रहे हैं, इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं चला रहे हैं। इस तरह की उदारता से देश का आर्थिक विकास प्रभावित होगा। यह देखना जरूरी है कि आखिर इन फ्रीबीज का लाभ कौन उठा रहा है।

सब कुछ मुफ्त तो लोग ...

महत्वपूर्ण आंकड़ा पेश करते हुए पूछा कि राज्य अपनी वार्षिक कमाई का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा राज्य के बुनियादी ढांचे (सड़क, अस्पताल, स्कूल) के विकास पर क्यों खर्च नहीं कर सकते? अब अगली सुनवाई (मार्च 2026) में यह तय हो सकता है कि मुफ्त रेवड़ी और जन कल्याण के बीच की महीन रेखा को कैसे परिभाषित किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इसी साल 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है।

यूनिटी उत्सव 2.0' का भव्य समापन: खेल व संस्कृति

नई दिल्ली (हरिभूमि ब्यूरो)। असम राइफल्स और नॉर्थ ईस्ट एसोसिएशन फॉर सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'यूनिटी उत्सव 2.0' का आज नई दिल्ली में भव्य समापन हुआ। "एक राष्ट्र, एक सपना" थीम पर आधारित इस दो-चरणीय राष्ट्रीय पहल का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के युवाओं को खेल और सांस्कृतिक मंच के माध्यम से राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ना और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना था। इस पहल ने पूर्वोत्तर और देश के अन्य हिस्सों के बीच सामाजिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक संवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूनिटी उत्सव' की परिकल्पना पूर्वोत्तर भारत के युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी प्रतिभा, पहचान तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से की गई थी। खेल और संस्कृति को एकता के माध्यम के रूप में अपनाते हुए इस आयोजन ने युवाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय भावना को प्रोत्साहित किया। उत्सव का पहला संस्करण फरवरी 2025 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ-2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04212/04211 सुल्तानपुर जं. – लोकमान्य तिलक (ट.) – सुल्तानपुर जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04212		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04211	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	04:00	सुल्तानपुर जं	23:00	--
12:20	--	लोकमान्य तिलक (ट.)	--	14:35

चलने के दिन: 04212 सुल्तानपुर जं. से (गुरूवार एवं सोमवार) को दिनांक 26.02.2026 एवं 02.03.2026 को और 04211 लोकमान्य तिलक (ट.) से (प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार) को दिनांक 27.02.2026 एवं 03.03.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता।
ठहराव: लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पचोरा जंक्शन, चालीसगांव जं., नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।

04226/04225 वाराणसी जं. – लोकमान्य तिलक (ट.) – वाराणसी जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04226		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04225	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	01:35	वाराणसी जं.	02:05	--
06:20	06:30	लखनऊ	20:50	21:00
12:20	--	लोकमान्य तिलक (ट.)	--	14:35

चलने के दिन: 04226 वाराणसी जं. से (बुधवार एवं रविवार) को दिनांक 25.02.2026 एवं 01.03.2026 को और 04225 लोकमान्य तिलक (ट.) से (प्रत्येक गुरूवार एवं सोमवार) को दिनांक 26.02.2026 एवं 02.03.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता।
ठहराव: जौनपुर सिटी, सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पचोरा जं., चालीसगांव जं., नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।

03435/03436 मालदा टाउन – आनन्द विहार (ट.) – मालदा टाउन आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03435		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 3436	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	09:30	मालदा टाउन	22:30	--
13:40	--	आनन्द विहार (ट.)	--	15:35

चलने के दिन: 03445 मालदा टाउन से (सोमवार) को दिनांक 02.03.2026, 09.03.2026 एवं 16.03.2026 को और 03436 आनन्द विहार (ट.) से (प्रत्येक मंगलवार) को दिनांक 03.03.2026, 10.03.2026 एवं 17.03.2026 को। स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: न्यू फरक्का, बरहरवा जं., साहिबगंज जं., पीरपैंती, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किउल जं., शेखपुरा, नवादाह, तिलैया, गया जं., अनुग्रह एन रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज, गोविन्दपुरी और टूंडला जं. स्टेशन।

03009/03010 डानकुनि जं. – आनन्द विहार (ट.) – डानकुनि जं. आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03009		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03010	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	00:20	डानकुनि जं.	23:30	--
11:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	15:00

चलने के दिन: 03009 डानकुनि जं. से (शनिवार) को दिनांक 28.02.2026 एवं 07.03.2026 को और 03010 आनन्द विहार (ट.) से (प्रत्येक रविवार) को दिनांक 01.03.2026 एवं 08.03.2026 को।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: बर्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल जं., शेखपुरा, नवादाह, तिलैया, गया, अनुग्रह एन रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., मिर्जापुर, प्रयागराज जं., गोविंदपुरी, इटावा जं. एवं टूंडला जं. स्टेशन।

05736/05735 कटिहार जं. – अमृतसर (ट.) – कटिहार जं. एक्सप्रेस होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05736		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05735	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	21:00	कटिहार जं.	23:45	--
09:45	--	अमृतसर जं.	--	13:25

चलने के दिन: 05736 कटिहार जं. से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 25.02.2026 से 25.03.2026 तक एवं 05735 अमृतसर जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 27.02.2026 से 27.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: पूर्णिया जं., अररिया कोर्ट, फारबिसगंज, ललितग्राम, राघोपुर, सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर, सकरी जं., शीशो, सीतामढ़ी, रक्सौल जं., नरकटियागंज जं., कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर जं., शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, लक्सर जं., रुड़की, सहारनपुर जं., अंबाला कैंट जं., राजपुरा जं., ढंडारी कलां, जलंधर सिटी और ब्यास स्टेशन।

06597/06598 यशवंतपुर जं. – योग नगरी ऋषिकेश – यशवंतपुर जं. एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 06597		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 06598	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	07:00	यशवंतपुर जं.	19:45	--
10:20	--	योग नगरी ऋषिकेश	--	17:55

चलने के दिन: 06597 यशवंतपुर जं. से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 05.03.2026 से 30.04.2026 तक एवं 06598 योग नगरी ऋषिकेश से (प्रत्येक शनिवार) दिनांक 07.03.2026 से 02.05.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: येलहंका जं., हिंदूपुर, धर्मावरम जं., अनंतपुर, धोने जं., कुरनूल सिटी, काचीगुडा, काजीपेट जं., बलारशाह, नागपुर जं., जुझारपुर, भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई, ग्वालियर जं., आगरा कैंट, मथुरा जं., पलवल, गाजियाबाद जं., मेरठ सिटी जं., मुजफ्फर नगर, टापरी जं., रुड़की एवं हरिद्वार स्टेशन।

07023/07024 चर्लपल्ली – हज़रत निज़ामुद्दीन जं. – चर्लपल्ली होली स्पेशल रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 07023		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 07024	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	19:45	चर्लपल्ली	17:20	--
05:00	--	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	--	07:15

चलने के दिन: 07023 चर्लपल्ली से (प्रत्येक सोमवार एवं शनिवार) दिनांक 23.02.2026, 28.02.2026 एवं 02.03.2026 को और 07024 हज़रत निज़ामुद्दीन जं. से (प्रत्येक बुधवार एवं सोमवार) दिनांक 25.02.2026, 02.03.2026 एवं 04.03.2026 को। स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: काजीपेट जंक्शन, रामागुंडम, मंचेरियल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, ग्वालियर जंक्शन और आगरा कैंट जंक्शन स्टेशन।

04829/04830 जोधपुर जं. – गोरखपुर जं. – जोधपुर जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04829		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04830	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	16:15	जोधपुर जं.	03:00	--
04:30	04:45	दिल्ली जं.	12:50	13:05
20:50	--	गोरखपुर जं.	--	23:25

चलने के दिन: 04829 जोधपुर जं. से (प्रत्येक गुरूवार) दिनांक 05.03.2026, 12.03.2026, 19.03.2026 एवं 26.03.2026 को और 04830 गोरखपुर जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 06.03.2026, 13.03.2026, 20.03.2026 एवं 27.03.2026 को। स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मेड़ता रोड जंक्शन, डेगाना जंक्शन, छोटी खाटू, डीडवाना, लाडनूं, सुजानगढ़, रतनगढ़ जंक्शन, चूरू, सादुलपुर जंक्शन, लोहारू जंक्शन, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जंक्शन, मनकापुर जंक्शन, बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशन।

04731/04732 श्री गंगानगर जं. – समस्तीपुर जं. – श्री गंगानगर जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04731		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04732	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:25	श्री गंगानगर जं.	12:20	--
00:25	00:35	दिल्ली जं.	23:40	23:50
23:30	--	समस्तीपुर जं.	--	01:00

चलने के दिन: 04731 श्री गंगानगर जं. से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक और 04732 समस्तीपुर जं. से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 03.03.2026 से 31.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सादुलशहर, हनुमानगढ़ जं., संगरिया, मंडी डबवाली, रमन, सिरसा, मंडी आदमपुर, हिसार, हांसी, रोहतक जं., दिल्ली जं., गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., बुढ़वाल जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं. एवं मुजफ्फरपुर जं. स्टेशन।

04729/04730 श्री गंगानगर जं. – गोरखपुर जं. – श्री गंगानगर जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04729		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04730	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:25	श्री गंगानगर जं.	02:45	--
00:25	00:35	दिल्ली जं.	12:30	12:40
16:30	--	गोरखपुर जं.	--	19:30

चलने के दिन: 04729 श्री गंगानगर जं. से (प्रत्येक गुरूवार) दिनांक 26.02.2026 से 26.03.2026 तक और 04730 गोरखपुर जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 27.02.2026 से 27.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सादुलशहर, हनुमानगढ़ जं., संगरिया, मंडी डबवाली, रमन, सिरसा, मंडी आदमपुर, हिसार, हांसी, रोहतक जं., दिल्ली जं., गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., बुढ़वाल जं., गोंडा जं., बलरामपुर, बढ़नी एवं सिद्धार्थनगर स्टेशन।

09609/09610 उदयपुर सिटी – योग नगरी ऋषिकेश – उदयपुर सिटी होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09609		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09610	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:45	उदयपुर सिटी	15:30	--
10:15	--	योग नगरी ऋषिकेश	--	17:55

चलने के दिन: 09609 उदयपुर सिटी से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 03.03.2026 से 31.03.2026 तक और 09610 योग नगरी ऋषिकेश से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 04.03.2026 से 01.04.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: राणाप्रतापनगर, मावली जं., फतेहनगर, चित्तौड़गढ़ जं., चंदेरिया, भीलवाड़ा, मंडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर जं., किशनगढ़, फुलेरा जं., जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई जं., राजगढ़, अलवर जं., रेवाड़ी जं., गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जं., शामली, रामपुर मनिहारान, टपरी जं., रुड़की एवं हरिद्वार स्टेशन।

03257/03258 दानापुर – आनन्द विहार टर्मिनल – दानापुर स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03257		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03258	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	07:30	दानापुर	20:45	--
00:30	--	आनन्द विहार (ट.)	--	05:00

चलने के दिन: 03257 दानापुर से (रविवार) दिनांक 08.03.2026 को और 03258 आनन्द विहार (ट.) से (सोमवार) दिनांक 09.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सूबेदारगंज एवं गोविंदपुरी (कानपुर) स्टेशन।

05559/05560 रक्सौल जं. – उधना जं. (सूरत) – रक्सौल जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05559		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05560	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	05:30	रक्सौल जं.	00:15	--
14:50	15:00	लखनऊ	14:20	14:30
12:35	--	उधना जं. (सूरत)	--	15:35

चलने के दिन: 05559 रक्सौल जं. से (शनिवार) दिनांक 07.03.2026 को और 05560 उधना जं. (सूरत) से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 08.03.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सिकटा, नरकटियागंज जंक्शन, बगहा, कप्तानगंज जंक्शन, गोरखपुर, गोंडा जंक्शन, बाराबंकी जंक्शन, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना जंक्शन, संत हिरदाराम नगर (भोपाल), सीहोर, उज्जैन जंक्शन, नगदा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, गोधरा जंक्शन, वडोदरा जंक्शन एवं भरूच जंक्शन स्टेशन।

03309/03310 धनबाद जं. – दिल्ली जं. – धनबाद जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03309		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03310	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	10:10	धनबाद जं.	13:00	--
09:15	--	दिल्ली जं.	--	11:45

चलने के दिन: 03309 धनबाद जं. से (मंगलवार एवं शनिवार) दिनांक 07.03.2026 से 10.03.2026 तक और 03310 दिल्ली जं. से (बुधवार एवं रविवार) दिनांक 08.03.2026 से 11.03.2026 तक।
स्थान: 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गोमो जंक्शन, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया जंक्शन, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑनसोन, सासाराम, भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, गोविंदपुरी (कानपुर) एवं टूण्डला जंक्शन स्टेशन।

03677/03678 धनबाद जं. – गोरखपुर जं. – धनबाद जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03677		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03678	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	00:30	धनबाद जं.	13:00	--
08:40	08:50	वाराणसी जं.	03:25	03:35
16:15	--	गोरखपुर जं.	--	19:50

चलने के दिन: 03677 धनबाद जं. एवं 03678 गोरखपुर जं. से (सोमवार) दिनांक 09.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गोमो जंक्शन, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया जंक्शन, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑनसोन, सासाराम, भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी जंक्शन, जौनपुर जंक्शन, औंड़िहार जंक्शन, मऊ जंक्शन, भटनी जंक्शन और देवरिया सदर स्टेशन।

09451/09452 गांधीधाम जं. – भागलपुर – गांधीधाम जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09451		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09452	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	18:25	गांधीधाम जं.	08:00	--
01:20	01:30	लखनऊ	23:55	00:05
20:15	--	भागलपुर	--	05:00

चलने के दिन: 09451 गांधीधाम जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 06.03.2026 से 27.03.2026 तक एवं 09452 भागलपुर से (प्रत्येक सोमवार) दिनांक 09.03.2026 से 30.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: भचाऊ, सामाख्याली जंक्शन, ध्रांगधरा, अहमदाबाद जंक्शन, नाडियाद जंक्शन, दाहोद, रतलाम जंक्शन, भवानी मंडी, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिण्डौन सिटी, बयाना जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, मथुरा जंक्शन, हाथरस सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, चकिया, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, बरौनी जंक्शन, बेगू सराय, मुंगेर एवं सुल्तानगंज स्टेशन।

09065/09066 सूरत – छपरा – सूरत स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09065		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09066	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:30	सूरत	13:35	--
06:50	07:00	वाराणसी जं.	14:50	15:00
14:30	--	छपरा	--	08:30

चलने के दिन: 09065 सूरत से (सोमवार) दिनांक 23.02.2026 को एवं 09066 छपरा से (बुधवार) दिनांक 25.02.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: केराकत, जौनपुर जं., वाराणसी जं., प्रयागराज छिवकी जं., जबलपुर, इटारसी जं., भुसावल जं. एवं नंदूरबार स्टेशन।

09465/09466 अहमदाबाद जं. – दरभंगा जं. – अहमदाबाद जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09465		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09466	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	20:25	अहमदाबाद जं.	16:24	--
18:15	18:30	लखनऊ	18:00	18:15
10:30	--	दरभंगा जं.	--	03:00

चलने के दिन: 09465 अहमदाबाद जं. से (शुक्रवार) दिनांक 27.02.2026 को एवं 09466 दरभंगा जं. से (सोमवार) दिनांक 02.03.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: छायापुरी (वडोदरा), रतलाम जं., उज्जैन जं., गुना, बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, अयोध्या कैंट, शाहगंज जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. और समस्तीपुर जं. स्टेशन।

04401/04402 दिल्ली सराय रोहिल्ला – फुलेरा जं. – दिल्ली सराय रोहिल्ला अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04401		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04402	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	19:10	दिल्ली सराय रोहिल्ला	18:05	--
02:30	--	फुलेरा जं.	--	11:40

चलने के दिन: 04401 दिल्ली सराय रोहिल्ला से (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार) दिनांक 20.02.2026, 21.02.2026 एवं 22.02.2026 को एवं 04402 फुलेरा जं. से (शनिवार, रविवार एवं सोमवार) दिनांक 21.02.2026, 22.02.2026 एवं 23.02.2026 को।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: दिल्ली कैंट, गुड़गांव, पटौदी रोड, रेवाड़ी जंक्शन, कुण्ड, अटली, नारनौल, डाबला, मांवडा, नीम का थाना, कांवट, श्री माधोपुर, रींगस जंक्शन और रेनवाल स्टेशन।

04084 नई दिल्ली – खोरधा रोड जं. एकतरफा आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 01 फेरा

रेलगाड़ी सं. 04084		स्टेशन
आगमन	प्रस्थान	
--	00:20	नई दिल्ली
12:30	--	खोरधा रोड जं.

चलने के दिन: 04084 नई दिल्ली से (शनिवार) दिनांक 21.02.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., एवं 3 टियर वाता.,
ठहराव: गाजियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जंक्शन, पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन, चंद्रपुरा, बोकारो स्टील सिटी, पुरुलिया जंक्शन, बराभूम, चाण्डिल जंक्शन, टाटानगर जंक्शन, घाटशिला, हिजली, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर केन्दुझर रोड, कटक एवं भुवनेश्वर स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

1 अप्रैल से बदलेंगे क्रेडिट कार्ड के नियम, ज्यादा स्वाइप किया तो आएगा नोटिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में डिजिटल भुगतान का दायरा तेजी से बढ़ रहा है और क्रेडिट कार्ड अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा। टियर-2 और टियर 3 शहरों में भी लोग रोजमर्रा के खर्च, ऑनलाइन शॉपिंग और बिल पेमेंट के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे समय में 1 अप्रैल 2026 से क्रेडिट कार्ड से जुड़े कुछ अहम नियम लागू हो सकते हैं, जो सीधे तौर पर टैक्सपेयर्स और कार्ड यूजर्स को प्रभावित करेंगे। हाल ही में आयकर विभाग ने ड्राफ्ट इनकम टैक्स रूल्स 2026 जारी किए हैं। प्रस्ताव है कि ये नए नियम 1962 के पुराने नियमों की जगह लेंगे। ड्राफ्ट में क्रेडिट कार्ड से संबंधित पांच प्रमुख प्रावधान शामिल हैं।

- सबसे महत्वपूर्ण बदलाव बड़े क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान से जुड़ा है

आयकर विभाग ने ड्राफ्ट इनकम टैक्स रूल्स 2026 जारी किए

पैन आवेदन में स्टेटमेंट मान्य

पैन कार्ड के लिए आवेदन करते समय अब क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को एड्रेस प्रूफ के तौर पर स्वीकार किया जा सकेगा, लेकिन शर्त ये होगी कि स्टेटमेंट तीन महीने से ज्यादा पुराना न हो। पुराने स्टेटमेंट दस्तावेज के रूप में मान्य नहीं होंगे। इससे दस्तावेजों की ताजगी और सत्यता सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है।

क्रेडिट कार्ड जारी करने में पैन अनिवार्य : प्रस्तावित नियमों के तहत अब किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था को क्रेडिट कार्ड जारी करने से पहले आवेदक का पैन लेना अनिवार्य होगा। बिना पैन के नया क्रेडिट कार्ड जारी नहीं किया जाएगा। ये कदम बड़े लेन-देन पर निगरानी मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

टैक्स भुगतान के लिए डिजिटल ऑप्शन : नए ड्राफ्ट नियमों में आयकर भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग को आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के रूप में मान्यता दी गई है। इसका मतलब है कि टैक्स जमा करने की प्रक्रिया और अधिक डिजिटल व सुविधाजनक हो जाएगी। इससे टैक्सपेयर्स को भुगतान के ज्यादा विकल्प मिलेंगे और फिजिकल मोड पर निर्भरता घटेगी।

कंपनी द्वारा दिए गए कार्ड पर टैक्स नियम

अगर किसी कर्मचारी को कंपनी की ओर से क्रेडिट कार्ड दिया गया है और उसके खर्च जैसे- सालाना शुल्क या सदस्यता फीस का भुगतान कंपनी करती है, तो इसे परक्विजिट माना जाएगा। यानी ये कर्मचारी की आय में जोड़ा जाएगा और उस पर टैक्स लगेगा। हालांकि अगर खर्च पूरी तरह आधिकारिक कार्य से जुड़ा है, तो टैक्स नहीं लगाया जाएगा। इसके लिए कंपनी को खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा, जिसमें तारीख, खर्च का डिटेल्स और ये प्रमाण शामिल हो कि राशि केवल ऑफिसियल काम के लिए इस्तेमाल हुई।

10 लाख से ज्यादा के भुगतान की सूचना देनी होगी

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव बड़े क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान से जुड़ा है। अगर कोई व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 10 लाख रुपए से ज्यादा का क्रेडिट कार्ड बिल गैर-नकद माध्यमों-जैसे यूपीआई, बैंक ट्रांसफर या चेक से चुकाता है, तो बैंक या कार्ड जारी करने वाली कंपनी इसकी सूचना आयकर विभाग को देगी। वहीं अगर 1 लाख रुपए या उससे ज्यादा का भुगतान नकद में किया जाता है, तो उसकी भी रिपोर्टिंग अनिवार्य होगी। हालांकि इस तरह की व्यवस्था पहले भी थी, लेकिन नए नियमों में इसे और स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है।

जलवायु परिवर्तन से कॉफी की आपूर्ति पर बुरा असर

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान और अनियमित मौसम का दुनिया के प्रमुख कॉफी उत्पादक क्षेत्रों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ऊंचे तापमान और सूखे की स्थिति से कॉफी की उपज घट रही है, जिससे इस लोकप्रिय पेय की कीमतें बढ़ रही हैं। कॉफी दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली गैर-अल्कोहल पेय में से एक है। हर दिन लगभग 2.2 अरब कप कॉफी पी जाती है।

उद्यम पूंजी निवेशक विनोद खोसला ने पेश की रूपरेखा

एआई को आधार से जोड़कर सबको मिल सकते हैं ट्यूटर, चिकित्सक, कृषि विशेषज्ञ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उद्यम पूंजी निवेशक विनोद खोसला ने अगले कुछ वर्षों में भारतीय नागरिकों को कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित ट्यूटर, चिकित्सक एवं कृषि विशेषज्ञ उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी रूपरेखा पेश करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इन सार्वजनिक सेवाओं को 'आधार' पारिस्थितिकी में एकीकृत किया जा सकता है।

खोसला ने यहां आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि इन एआई प्रणालियों के निर्माण एवं संचालन के लिए पहले एक गैर-लाभकारी कंपनी बनाई जाए जिसे बाद में आधार प्रणाली में स्थानांतरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसे एक एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) जैसी सेवा के साथ भी जोड़ा जा सकता है।

- सार्वजनिक सेवाओं को 'आधार' में एकीकृत किया जा सकता है
- संचालन के लिए पहले एक गैर-लाभकारी कंपनी बनाई जाए
- इसे यूपीआई जैसी सेवा के साथ भी जोड़ा जा सकता है

बुनियादी ढांचा पहले से तैयार है

उद्यमी ने कहा, /"आधार ने हमें यूपीआई जैसी सुविधा उपलब्ध कराई। उसी पहचान-आधारित प्रणाली पर, जहां बुनियादी ढांचा पहले से तैयार है, हम एक या दो वर्षों में हर भारतीय को ये सार्वजनिक सेवाएं दे सकते हैं।/" खोसला ने इस पर जोर दिया कि देश को एआई के ऐसे अनुप्रयोगों पर ध्यान देना चाहिए, जो सीधे तौर पर आबादी के निचले आधे हिस्से को लाभ पहुंचाएं, तभी एआई का राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तनकारी प्रभाव दिखेगा।

दीक्षा मंच की उपयोगिता बढ़ सकती है : खोसला ने शिक्षा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि एआई-आधारित व्यक्तिगत ट्यूटर कोई भविष्य की अवधारणा नहीं हैं, बल्कि लाखों छात्रों पहले से ही इसका उपयोग कर रहे हैं। ऐसे ट्यूटर छात्र की सीखने की कमी को चिह्नित कर पाठ्यक्रम को उसी के हिसाब से अनुकूलित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रणालियां सरकार के 'दीक्षा' मंच की उपयोगिता को भी बढ़ा सकती हैं।

सेवा कम लागत में संभव खोसला ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसी सेवाओं को एआई के जरिये बड़े पैमाने पर सुलभ बनाना अपेक्षाकृत कम लागत में संभव है और ऐसा न करना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाने जैसा साबित हो सकता है।

100 मेगावाट एआई अवसंरचना के लिए टाटा व ओपनएआई में साझेदारी

टाटा समूह और ओपनएआई ने भारत में 100 मेगावाट (एमडब्ल्यू) एआई अवसंरचना विकसित करने की योजना पर आधारित एक रणनीतिक साझेदारी की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसे आगे एक गीगावाट (जीडब्ल्यू) तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही उद्यम स्तर पर एआई की स्वीकार्यता में तेजी लाने, उद्योग-विशिष्ट समाधान विकसित करने और भारतीय युवाओं के लिए एआई कौशल विस्तार के संयुक्त प्रयास भी किए जाएंगे।

एक गीगावाट तक बढ़ाने का विकल्प होगा

बहुवर्षीय समझौते के तहत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की 'हाइपरवॉल्ट' इकाई एआई-सक्षम, हरित ऊर्जा आधारित अवसंरचना विकसित करेगी जिसे अगली पीढ़ी के एआई कार्यभार को समर्थन देने के लिए तैयार किया गया है।''

उत्पादन बढ़ाने चैटजीपीटी तक पहुंच मिलेगी

इस सहयोग के तहत टाटा समूह के कई हजार कर्मचारियों को उत्पादकता और नवाचार बढ़ाने के लिए एंटरप्राइज चैटजीपीटी तक पहुंच मिलेगी, जबकि टीसीएस सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग परिणामों को बेहतर बनाने के लिए ओपनएआई के कोडेक्स का उपयोग करेगा।

टीसीएस पहले ही एक अरब डॉलर का निवेश हासिल कर चुका

संयुक्त बाजार रणनीति के तहत टीसीएस भारतीय और वैश्विक उद्यमों के लिए ओपनएआई के एआई समाधानों को लागू, एकीकृत और विस्तारित करेगी जिससे संगठन-व्यापी एआई रूपांतरण को समर्थन मिलेगा। टीसीएस ने पहले डेटा केंद्र कारोबार के लिए टीपीजी से एक अरब डॉलर का निवेश हासिल किया था और कहा था कि निजी इक्विटी कंपनी इस कारोबार में 27.5 से 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगी।

खबर संक्षेप

सर्वम एआई मई में पेश करेगी 'स्मार्ट चश्मा'

नई दिल्ली। भारतीय एआई मॉडल विकसित करने वाली कंपनी 'सर्वम' इस साल मई तक भारत में निर्मित अपना स्मार्ट चश्मा बाजार में उतारने की योजना बना रही है। सर्वम के सह-संस्थापक प्रत्युष कुमार ने फीचर फोन में एआई प्रौद्योगिकी लाने के लिए मोबाइल फोन निर्माता एचएमडी'' के साथ साझेदारी की घोषणा की।

कनाडा से अगले महीने होगी भारत की एफटीए वार्ता

नई दिल्ली। अगले महीने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के भारत दौरे के दौरान भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने के लिए संदर्भ एवं शर्तों को अंतिम रूप दे सकते हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संदर्भ एवं शर्तें (टीओआर) एक प्रस्तावित व्यापार समझौते के दायरे और तौर-तरीकों को बताते हैं।

शंकर विश्वनाथन को थाई विवि ने मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ वेल्लोर

वीआईटी के वाइस प्रेसिडेंट श्री शंकर विश्वनाथन को थाईलैंड के राजमंगला यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी क्रुंगथेप (आरएमयूटीके) द्वारा इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (मानद) की उपाधि प्रदान की गई है। यह प्रतिष्ठित उपाधि विश्वविद्यालय परिषद की सर्वसम्मत स्वीकृति के बाद प्रदान की गई। यह सम्मान श्री शंकर के उत्कृष्ट नेतृत्व, पेशेवर उपलब्धियों तथा इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है। यह उपाधि उन्हें थाईलैंड की प्रिवी काउंसिल के सदस्य पलाकोरन सुवर्णरथ तथा पिछल जन्मनी, अध्यक्ष, राजमंगला यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी क्रुंगथेप (आरएमयूटीके) द्वारा प्रदान की गई। यह मानद उपाधि संस्थान द्वारा विशिष्ट सेवा और पेशेवर उत्कृष्टता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान है। अपने स्वीकृति भाषण में डॉ. शंकर ने भारत और थाईलैंड की साझा संस्कृति एवं ज्ञान परंपराओं का उल्लेख करते हुए दोनों देशों के बीच अधिक सक्रिय शैक्षणिक सहयोग का आह्वान किया।

कार्यालय नगर पंचायत भानुप्रतापपुर जिला- उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

क्र./832/ लो.नि.वि./न.पं./2025-26 भानुप्रतापपुर, दिनांक 19/02/2026

// ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

Main Portal:- https://eproc.cgstate.gov.in

नगर पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (टी.डी.आर./ एफ.डी.आर. में)	समयावधि	रिमार्क
1	185924	CONSTRUCTION OF SHOPPING COMPLEX AT DALLIRAJHARA ROAD WARD NO. 03 BHANUPRATAPPUR (निकाय/ प्रीमियम मद)	168.55	126500.00	12 माह	सक्षम श्रेणी में पंजीकृत

उपरोक्त निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं शर्तें उल्लेखित वेबसाईट एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता हैं एवं नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण विभाग शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

ई-प्रोक्यूरमेंट बीड सबमिट करने की अंतिम तिथि 05/03/2026 दिन गुरूवार को शाम 5.30 बजे तक एवं फिजिकल डाक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 06/03/2025 शुक्रवार को शाम 5.30 बजे तक तथा ई-निविदा खोलने की तिथि 09/03/2026 सोमवार को प्रातः 11.00 बजे निर्धारित की गई है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत भानुप्रतापपुर
जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ईरान संकट गहराने से शेयर बाजार सहमा

चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 1,236 अंक लुढ़का

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से उपजी चिंताओं के बीच बृहस्पतिवार को चौतरफा बिकवाली से घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,236 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 365 अंक लुढ़ककर 25,500 अंक से नीचे आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स तीन सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगाते हुए 1,236.11 अंक यानी 1.48 प्रतिशत टूटकर 82,498.14 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,470.05 अंक फिसलकर 82,264.20 अंक पर आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 365 अंक यानी 1.41 प्रतिशत लुढ़ककर 25,454.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी एक समय 430.6 अंक के नुकसान के साथ 25,388.75 अंक तक आ गया था। निफ्टी में गिरावट इस कदर व्यापक रही कि समूह में शामिल 50 में से 47 कंपनियों के शेयर गिरकर बंद हुए।

जनवरी में अमेरिका को भारत का निर्यात घटा

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क के बीच जनवरी में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.77 प्रतिशत घटकर 6.6 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले साल सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर में भी निर्यात में गिरावट देखी गई थी।

गूगल भारत-अमेरिका के बीच बिछाएगी समुद्री केबल

नई दिल्ली। भारत की एआई (कृत्रिम मेधा) क्षमता पर बड़ा दांव लगाते हुए गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भारत, अमेरिका और अन्य स्थानों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए समुद्र के भीतर केबल बिछाने की एक नयी पहल की घोषणा की।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **समीर पुत्र मो. मुर्शिद निवासी ई-66, शिव विहार, नांगलोई, दिल्ली** ने **FIR No. 779/2025 U/S 109(1)3(5) Bharatiya Nyaya Sanhita,** अन्तर्गत थाना **निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **समीर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **समीर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 779/2025 U/S 109(1)3(5) Bharatiya Nyaya Sanhita,** अन्तर्गत थाना **निहाल विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **समीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कोमल गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03, (पश्चिम)
कमरा नंबर 292
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2216/OD/2026(Court Matter)

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा ।पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु — कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

चांदी 15,00 रुपये की छलांग के साथ 2.44 लाख रुपये पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की राजधानी में बृहस्पतिवार को बहुमूल्य कीमती धातुओं की कीमतों में सात प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी हुई। चांदी जहां 2,44,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, वहीं सोना 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम की ऊंचाई पर पहुंच गया। यह उछाल वैश्विक रुख तथा अमेरिका एवं ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की मांग में बढ़ोतरी की वजह से आया। गुरुवार को 1500 रुपये बढ़कर 2,44,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 200 रुपये गिरकर 1,59,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर चांदी 1.03 प्रतिशत बढ़कर 77.97 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जबकि सोना थोड़ा बढ़कर 4,991.24 डॉलर प्रति औंस पर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस), सौमिल गांधी ने कहा, ''ईरान के खिलाफ संभावित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की बढ़ती अटकलों के बीच भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने के कारण हुआ है।

सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगा एआई : ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगी। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियों के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है जबकि कई अन्य कंपनियां अपनी अलग मूल्य पेशकश (वैल्यू प्रपोज़िशन) के कारण इससे लाभ उठा सकेंगी।ऑल्टमैन ने बातचीत में कहा कि एआई के कारण प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए बहुत कुछ बदलने वाला है, क्योंकि 'कोडिंग' अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है।

भारत में एआई के प्रभाव अन्य देशों से अधिक दिखेंगे: एडोब

नई दिल्ली। एडोब के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने शांतनु नारायण ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रभाव अगले कुछ वर्षों में दुनिया के अन्य किसी भी देश की तुलना में अधिक नजर आएंगे क्योंकि यहां आबादी अधिक है। साथ ही देश डेटा, गोपनीयता और सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक	एमडीयू रोहतक में स्टोरेज वाटर टैंक नं. 2 से गाद हटाना और मरम्मत तथा क्षतिग्रस्त वॉल का निर्माण।	18.02.2026 10.03.2026	7.47 लाख	https://mdu.ac.in. & etenders.hry.nic.in	9991366698 xen.civil@mdurohtak.ac.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद-13/2026/40/43160/I/88/7 दि. 19.02.26

शब्द पहेली - 6144

बाएँ से दाए-
1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे
2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली -6143 का हल

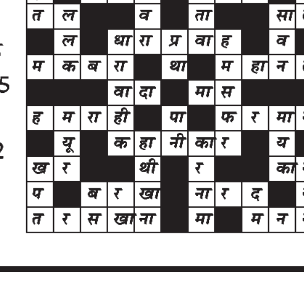

खबर संक्षेप

कर्नाटक व जम्मू-कश्मीर के बीच होगा फाइनल

लखनऊ। कर्नाटक ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के खिलाफ ड्रॉ हुए सेमीफाइनल मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर 11 साल के अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई। कर्नाटक 24 फरवरी से हुबली में होने वाले फाइनल में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगा। अब कर्नाटक की निगाहें अपने नौवें रणजी ट्रॉफी खिताब पर लगी होंगी। उसने आखिरी रणजी खिताब 2014-15 सत्र में आर विनय कुमार की कप्तानी में जीता था।

सितंबर में आयोजित की जाएगी लद्दाख मैराथन

नई दिल्ली। विश्व में सबसे ऊंचाई वाले स्थान पर होने वाली प्रतिष्ठित लद्दाख मैराथन इस साल 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। एआईएमएस से प्रमाणित लद्दाख मैराथन को दुनिया की सबसे चुनौती पूर्ण मैराथन माना जाता है जिसमें सिल्क रूट अल्ट्रा (122 किमी) और खारदुंग ला चैलेंजर अल्ट्रा रेस (72 किमी) आकर्षण का केंद्र होंगे। खारदुंग ला में 17,618 फीट की ऊंचाई पर होने वाली इन दोनों दौड़ में मैराथन और अल्ट्रा मैराथन का अनुभव रखने वाले धावक ही भाग ले सकते हैं। इस मैराथन के लिए पंजीकरण गुरुवार से शुरू हो गए हैं।

आईपीएल से जुड़ी 'द हंड्रेड' टीमों के पाक खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगाने की संभावना

लंदन। पाकिस्तान के क्रिकेटरों को आगामी सत्र में 'द हंड्रेड' की उन फ्रेंचाइजी से अनुबंध मिलने में मुश्किल हो सकती है जिनका स्वामित्व आंशिक रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के पास है। रिपोर्टों के अनुसार इन टीमों ने अगले महीने होने वाली खिलाड़ी नीलामी में पाक खिलाड़ियों पर विचार नहीं करने का निर्णय लिया है। 21 जुलाई से 16 अगस्त तक निर्धारित इस टूर्नामेंट के आगामी सत्र में निजी निवेश के कारण खिलाड़ियों के वेतन में काफी बढ़ोतरी होने वाली है लेकिन पाकिस्तान के खिलाड़ियों को इस वित्तीय लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है।

टी-20 विश्व कप 2026: सुपर-8 में भारतीय टीम की द. अफ्रीका, जिम्बाब्वे व वेस्ट इंडीज से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम सुपर-8 में पहुंच चुकी है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अपने शुरुआती 3 मैच जीतते ही सुपर-8 का टिकट हासिल किया था। नियमों के मुताबिक, चारों ग्रुप में से हर एक से शीर्ष-2 टीमें अगले दौर में पहुंचती हैं। गत विजेता भारतीय टीम को सुपर-8 के ग्रुप-1 में रखा गया है। आइए इस ग्रुप से जुड़ी सभी जानकारी पर एक नजर डालते हैं।

सुपर-8 में ग्रुप-1 में शामिल है भारतीय टीम

सुपर 8 प्री-सीडिंग में, भारत को वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के साथ ग्रुप-1 में रखा गया है। दूसरी तरफ इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें ग्रुप-2 में मौजूद है। इस ग्रुप की बची हुई टीम पाकिस्तान या यूएसए में से एक होगी। बता दें कि ग्रुप-1 की टीमें अपने सभी मैच भारत में खेलेंगी, जबकि ग्रुप-2 की टीमों के मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे।

अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता में सुपर 8 में भिड़ंत

भारत 22 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपने पहले सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। प्रोटियाज टीम ने भी अपने ग्रुप के चारों मैचों में जीत दर्ज की है। इसके 4 दिन बाद 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सूर्यकुमार के नेतृत्व वाली टीम जिम्बाब्वे से भिड़ेगी। भारत का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज से होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में 1 मार्च को ये मैच खेला जाएगा।

टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम का प्रदर्शन

भारत ने अपने पहले मैच में यूएसए क्रिकेट टीम को 29 रन से हराते हुए अपने अभियान की शुरुआत की थी। अपने दूसरे मुकाबले में भारत ने नामीबिया को 93 रन से करारी शिकस्त दी। इसके बाद सूर्यकुमार की कप्तानी वाली टीम ने पाकिस्तान को 61 रन से हराया।भारत ने अपने आखिरी ग्रुप मैच में नीदरलैंड को भी हरा दिया।

अपने तीसरे खिताब की तलाश में है भारतीय टीम

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2007 में टी-20 विश्व कप पर कब्जा जमाया था। इसके बाद रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम 2024 में दूसरी बार विजेता बनी थी। भारतीय टीम इस बार अपना तीसरा खिताब जीतने की पुरजोर कोशिश कर रही है। इसके अलावा भारतीय टीम 2014 के संस्करण में उपविजेता रही थी। भारत के अलावा इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 2-2 बार इस प्रतिष्ठित खिताब को अपने नाम किया है। इनके अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया 1-1 बार विजेता बनी है।

टी-20 विश्व कप 2026 : इटली की टीम 123 रन पर सिमटी

वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रन से हराया जोसेफ ने लिए 4 विकेट, लपके 4 कैच

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के 37वें मुकाबले में इटली को 42 रन से हरा दिया। इस विश्व कप में वेस्टइंडीज की लगातार चौथी जीत है। वहीं, इटली का इस विश्व कप में सफर खत्म हो गया। उसने 4 मुकाबले खेले और उसे 1 मैच में नेपाल के खिलाफ जीत मिली। मैच में वेस्टइंडीज ने 165/6 का स्कोर बनाया।

जवाब में इटली 123 रन ही बना पाई। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया।

मैच का लेखा-जोखा

मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने सबसे ज्यादा 75 रन बनाए। उनके अलााव शेरफन रदरफोर्ड और रोस्टन चेज के बल्ले से 24-24 रन निकले। क्रिशन कालुगामगे ने इटली के लिए सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में इटली के लिए कोई बल्लेबाज मैच जिताऊ पारी नहीं खेल पाया। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने घातक गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

ऐसी रही होप की पारी

होप ने 46 गेंदों का सामना किया और 76 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 4 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 163.04 की रही। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 11वां अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में पूरा किया। होप ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया। इससे पहले उन्होंने नेपाल के खिलाफ 61* रन की पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने टी-20 विश्व कप में 152.32 की स्ट्राइक रेट से 262 रन बनाए हैं।

होल्डर के 300 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

जेसन होल्डर अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने उतरे। उन्होंने अब तक 69 टेस्ट, 138 वनडे और 93 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। होल्डर ने टेस्ट में 30.39 की औसत से 162 विकेट लिए हैं, जबकि वनडे में उनके नाम 36.96 की औसत से 159 विकेट दर्ज हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में वह 106 विकेट चटका चुके हैं। होल्डर ने बल्ले से भी योगदान दिया है और टेस्ट में 3,073, वनडे में 2,237 तथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 789 रन बनाए हैं।

अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रन से हराकर जीत से अभियान समाप्त किया

चेन्नई (भाषा)। अफगानिस्तान ने इब्राहिम जदरान (नाबाद 95 रन) की शानदार अर्धशतकीय पारी के बाद मोहम्मद नबी (सात रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के औपचारिक ग्रुप डी मैच में कनाडा पर 82 रन की जीत से अपना अभियान खत्म किया। कनाडा की टीम टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी जबकि अफगानिस्तान की यह दूसरी जीत रही। राशिद खान की अगुआई वाली टीम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थी जो दक्षिण अफ्रीका को 'डबल सुपर ओवर' तक ले गई, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी दोनों टीमों के बीच मुकाबले में अफगानिस्तान ने जदरान की 56 गेंद की अर्धशतकीय पारी से चार विकेट पर 200 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने कनाडा को 20 ओवर में आठ विकेट पर 118 रन ही बनाने दिए। दोनों टीमें शानदार जीत के साथ घर लौटना चाहती थीं, लेकिन अफगानिस्तान ने शानदार बल्लेबाजी के साथ शानदार गेंदबाजी की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कनाडा ने तीसरे ही ओवर में कप्तान दिलप्रीत बाजवा (13 रन) का विकेट गंवा दिया। छह ओवर के अंदर उनका स्कोर तीन विकेट पर 33 रन हो गया जिसमें नबी ने अहम झटके दिए। उन्होंने युवराज समरा (17) और निकोलस किर्टन (10) के विकेट झटके। ऑफ-स्पिनर मुजीबुर रहमान ने बाजवा को आउट किया।

टी20 वर्ल्ड कप

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को घर में घुसकर रौंदा, जीत की हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जिम्बाब्वे की टीम कमाल कर रही है। अब उसने श्रीलंका को उसी के घरेलू मैदान पर 6 विकेट से हरा दिया है। कोलंबो में खेले गए मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 178 रनों का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जिम्बाब्वे ने 3 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर लिया। इससे पहले जिम्बाब्वे की टीम इसी वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को हरा चुकी है। बताते चलें कि यह अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट इतिहास में जिम्बाब्वे का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है. वहीं जिम्बाब्वे की टीम ग्रुप बी में टॉप पर रही। इस मैच में टॉस जीतकर श्रीलंका पहले बैटिंग करने आई थी, उसने पथुम निसांका के अर्धशतक की बदौलत स्कोरबोर्ड पर ठीक ठाक रन 179 रन भी बनाए थे। मगर सिकंदर रजा और उनकी सेना एक और बड़ा उलटफेर करने के मूड़ में मैदान में उतरी थी

और उसने अपने जीत के अभियान को जारी रखा। वहीं, एक छोर ब्रायन बैनेट ने संभाला हुआ था, जो मैच में 63 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं पारी के 12वें ओवर में कप्तान सिकंदर रजा बैटिंग करने आए। उन्होंने अपनी पारी की पहली 9 गेंदों में सिर्फ 6 रन बनाए थे, जिसके बाद उन्होंने चौके और छक्कों की बारिश करनी शुरू कर दी। अगली 16 गेंदों में सिकंदर ने 39 रन जड़ डाले। आखिरी 10 ओवर में जिम्बाब्वे को जीत के लिए 101 रन बनाने थे. वो सिकंदर रजा की 45 रनों की तूफानी पारी का ही नतीजा रहा कि जिम्बाब्वे 179 के विशालकाय लक्ष्य को हासिल कर पाई।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

क्र. CAR/LHe/109/2025-26/240 दिनांक: 20.02.2026

रूचि की अभिव्यक्ति (E.O.I.)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) द्वारा प्रतिष्ठित, स्थापित एवं अनुभवी निविदाकारों एवं उनके अधिकृत फर्मो से ई-निविदा के माध्यम से 500 MHz JEOL ECX NMR स्पेक्ट्रोमीटर के मैग्नेट की लिक्विड हीलियम की सालाना सप्लाई, फिलिंग और मेंटेनेंस सेवा के लिए अनुबंध हेतु htpp://eprocure.gov.in (CPP Portal) पर निविदायें आमंत्रित हैं। विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.dhsgsu.edu.in एवं CPP Portal पर उपलब्ध है।

कुलसचिव

CBC 21273/12/0010/2526

तीन मैचों की महिला टी-20 क्रिकेट में 1-1 की बराबरी

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 19 रन से हराकर सीरीज की बराबर

एजेंसी ▶▶| मनुका ओवल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 19 रन से हार का सामना करना पड़ा। मनुका ओवल में खेले गए मैच में कंगारू टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 163/5 का स्कोर बनाया, जिसमें जॉर्जिया वोल की 88 रन की पारी शामिल रही। जवाब में भारतीय टीम लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज में फिलहाल 1-1 से बराबरी हासिल की।

इस तरह से रोचक रहा मुकाबला

ऑस्ट्रेलिया से जॉर्जिया और बेथ मूनी (46) ने पहले विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की। अच्छी शुरुआत के बाद सलामी बल्लेबाजों के अलावा अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी क्रीज पर नहीं टिक सकी और मेजबान टीम ने सम्मानजनक स्कोर बनाया। जवाब में भारत से शफाली वर्मा (29) और स्मृति मंधाना (31) ने सधी हुई शुरुआत की। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर (36) और विकेटकीपर ऋचा घोष (19) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सकी।

ओमान और खराब फार्म से जूझ रही आस्ट्रेलिया के बीच भिड़ंत आज

कैंडी। टी-20 विश्व कप 2026 के 40वें मुकाबले में शुक्रवार (20 फरवरी) को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का सामना ओमान से होगा। यह सुपर-8 चरण शुरू होने से पहले ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला होगा, हालांकि दोनों टीमें पहले ही सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच अब तक सिर्फ एक टी-20 मुकाबला खेला गया है, जिसमें कंगारू टीम ने जीत दर्ज की थी। ओमान और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मुकाबला कैंडी के पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम में रात 7 बजे से खेला जाएगा। इस पूरे टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी कुछ खास नहीं रही। ऐसे में आखिरी मुकाबले में वह अपना खोया हुआ फॉर्म प्राप्त करना चाहेंगे। ग्लेन मैक्सवेल जो एक भी मैच जिताऊ पारी नहीं खेल पाए, वह भी बेहतर प्रदर्शन करने को देखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन, टिम डेविड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, कूपर कॉनॉली, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और एडम जैम्पा।

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावाले, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सुफयान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल और शकील अहमद।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
56-57, इन्स्टीट्युशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली – 110058

आयुर्वेद गुरुकुलम् की संबद्धता हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रण

आयुर्वेद गुरुकुलम् के अंतर्गत दो वर्षीय प्री-आयुर्वेद कार्यक्रम के साथ बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BAMS) हेतु कुल साढ़े सात वर्ष की अवधि के शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयुर्वेद गुरुकुलों को सम्बद्धता प्रदान की जा रही है। तदनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत सरकार के भारतीय चिकित्सा पद्धत राष्ट्रीय आयोग (NCISM) द्वारा राजपत्र में अधिसूचित विनियमों के अंतर्गत आयुर्वेद गुरुकुलों की सम्बद्धता हेतु योग्य संस्थानों से आवेदन आमंत्रित करता है। आयुर्वेद गुरुकुलों का उद्देश्य सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्री-आयुर्वेद कार्यक्रम एवं BAMS पाठ्यक्रम के अनुरूप आयुर्वेद में पारम्परिक गुरुकुल-आधारित शिक्षा प्रदान करना है।

आयुर्वेद गुरुकुलों में प्रवेश कक्षा 10वीं अथवा समकक्ष उत्तीर्ण छात्रों अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

इच्छुक संस्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से आयुर्वेद गुरुकुलों की सम्बद्धता हेतु आवेदन कर सकते हैं - https://www.sanskrit.nic.in/ayurveda_gurukulam.php विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता मानदंड एवं आवेदन प्रक्रिया हेतु कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें: www.sanskrit.nic.in

दिनांक: 09.02.2026 हस्ता/-
कुलसचिव

CBC 21212/12/0005/2526

आईपीएल में मेगा डील की तैयारी

अवराम ने 16,200 करोड़ की बोली लगाई

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक खरीद सकते हैं आरसीबी को

मुंबई। आईपीएल की दुनिया में एक और बड़ी कारोबारी हलचल देखने को मिल सकती है। मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह-मालिक अवराम ग्लेज़र ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम खरीदने के लिए करीब 1.8 बिलियन डॉलर (16,200 करोड़ रुपये) की बोली लगाई है। इस डील में ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी कंपनियां और भारतीय उद्योगपति भी रेस में बताए जा रहे हैं। अगर यह सौदा होता है तो आईपीएल फ्रेंचाइज़ी की वैल्यूएशन का नया रिकॉर्ड बन सकता है और क्रिकेट में विदेशी निवेश की नई कहानी शुरू हो सकती है। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल अब सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्ट्स बिजनेस प्लेटफॉर्म में बदल चुका है। बता दें कि विराट कोहली इसी टीम से आईपीएल में खेलते हैं। इसे खरीदने के लिए एक से एक बड़े-बड़े दिग्गज बोली लगा रहे हैं। इस लिस्ट में अब एक बड़े अंग्रेज की भी एंट्री हो चुकी है। इतना ही नहीं आरसीबी को खरीदने की रेस में अदार पूनावाला भी शामिल हैं। अब इस लिस्ट में जिस अंग्रेज की एंट्री हुई है वह फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह मालिक हैं। उनका नाम अवराम ग्लेज़र है।

कभी विजय माल्या थे आरसीबी के मालिक

आईपीएल की सबसे महंगी फ्रेंचाइजी में से एक आरसीबी कभी विजय माल्या की हुआ करती थी। माल्या का स्पिरिट्स बिजनेस खरीदने के बाद डियाजियो ने टीम को खरीद लिया था। विजय माल्या ने मार्च 2016 की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया और रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आरसीएसपीएल) के बोर्ड से भी इस्तीफा दे दिया था।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प फतेहाबाद	फतेहाबाद जिले में फतेहाबाद में ज्यूडीशियल कॉलोनी के 10 अदद 770 वर्गफुट आवासों की विशेष मरम्मत + 1 कार्य।	18.02.2026 25.02.2026	63.38 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01667-220120 pwd-eepd-fatehabad@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प हांसी	हिसार जिले में गांव भाटोल जाट्टान में राजकीय पशु चिकित्सा डिस्पेंसरी का पुनर्निर्माण (जीएसटी के बिना) + 1 कार्य।	18.02.2026 24.02.2026	51.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1663259688 pwd-eepd-hansi@hry.nic.in
3	पंचायती राज अम्बाला	एमपीएलएडी – गांव हस्सनपुरा ब्लॉक नारायणगढ़, जिला अम्बाला में बीसी चौपाल के लिए हॉल का निर्माण।	18.02.2026 24.02.2026	11.65 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0171-2551368 prexeeng.amb@hry.nic.in
4	पंचायती राज करनाल	बीबीपुर जाट्टान – गांव बीबीपुर जाट्टान में सैनी चौपाल का निर्माण, वीएएनजीवाई स्कीम + 1 कार्य।	17.02.2026 26.02.2026	37.71 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896202019 prexeeng.krl@hry.nic.in
5	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा रोहतक	बाबा सैयद जोहड़ी से 316450/एल जेएलएन फीडर तक अकेहड़ी मदनपुर पाइप लाइन लिंक ड्रेन नं. 2 (भूमिगत एचडीपीई पाइप लाइन) का निर्माण + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 25.02.2026	207.63 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896410404 xenfdrrtk@gmail.com
6	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा पंचकूला	जल सेवाएं मंडल नरवाना से सम्बन्धित एचडीपीई पाइप 200 मिमी (2500 पाइप्स और 1500 पाइप्स) की आपूर्ति + 1 अन्य कार्य।	19.02.2026 05.03.2026	149.32 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0172-2582542 xenproc@gmail.com
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा रोहतक	आरएलआई डिवीजन झज्जर द्वारा डाली गई मौजूदा आरसीसी पाइप लाइन के साथ जोड़ने के लिए गांव हुमांयुपुर जिला झज्जर के खेतों के नीचे पड़ने वाले क्षेत्र से बाढ़ के पानी को निकालने के लिए भूमि एचडीपीई पाइप लाइन 355 मिमी डाया आरडी 0 से 3260 तक बिछाना।	बंद होने की तिथि 23.02.2026	40.54 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896410404 xenfdrrtk@gmail.com
8	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा झज्जर	लोहारू फीडर के अंदर 1-आर दुबलधन माइनर और दुबलधन माइनर से 900 मिमी डाया आरसीसी पाइप लाइन बिछाना + 4 कार्य।	बंद होने की तिथि 26.02.2026	511.33 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9050805156 xenjwsdnjjr@rediffmail.com
9	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा सोनीपत	कतलुपुर और लुहारीटिब्बा स्थायी पम्प हाउस पर उपयुक्त मोटर्स, स्टार्टर, डिलीवरी और अन्य सम्बद्ध एक्सेसरीज के साथ-साथ 4 अदद 5 सीएस और एक्सियल वर्टिकल टरबाईन पम्प्स की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु आकलन (बाढ़ कार्य) और 3 अन्य।	बंद होने की तिथि 26.02.2026	270.45 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9813232636 xenwsdivnspt@rediffmail.com
10	जिला परिषद पानीपत	गांव काबरी ब्लॉक पानीपत में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण।	17.02.2026 09.03.2026	409.57 लाख	https://etenders.hry.nic.in	7027133058 xenzilaparishadpanipat@gmail.com
11	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार में डीजल जनरेटर सैट्स समेत विद्युत, अग्निशमन सेवाओं के लिए व्यापक रखरखाव अनुबंध हेतु निविदा।	20.02.2026 16.03.2026	ईएमडी 4.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	172282007 tendergmcmewat@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in पीआरडीएच-11/2026/220/43164/I/88/7 दि. 19.02.26

खबर संक्षेप

बांग्लादेश का एयरस्पेस स्पाइसजेट के लिए बंद

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने कथित बकाया भुगतान न चुकाने के कारण बजट एयरलाइन स्पाइसजेट को अपने हवाई क्षेत्र के उपयोग से रोक दिया है। एयरस्पेस उपलब्ध न होने के चलते कोलकाता से गुवाहाटी और इंफाल जाने वाली कुछ उड़ानों को अब लंबा रूट अपनाना पड़ रहा है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन प्राधिकरणों के साथ नेविगेशन शुल्क समेत संचालन और प्रक्रियागत मुद्दों पर चर्चा कर रही है।

सिलेंडर धमाके में गिरी इमारत, 16 की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में सिलेंडर धमाके के चलते एक रिहायशी इमारत गिर गई। इसके मलबे में दबकर 6 महिलाओं और 4 बच्चों समेत कुल 16 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। हादसे में 14 लोग घायल हैं। घटना कराची के सोल्जर बाजार के गुल राणा कॉलोनी इलाके स्थित एक घर में हुई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह धमाका गैस सिलेंडर लीक की वजह से हुआ था।

ईरान में 5.5 तीव्रता का भूकंप, जनहानि नहीं

तेहरान। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान के दक्षिणी हिस्से में 5.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 10 किमी की कम गहराई पर था, जिसके कारण झटके अधिक तीव्र महसूस किए गए। भूकंप के झटके ईरान के साथ-साथ पड़ोसी देशों में भी महसूस किए गए। क्षति का आकलन स्थानीय प्रशासन की तरफ से किया जा रहा है।

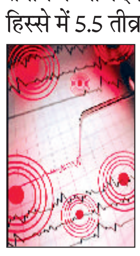

नॉर्थ कोरिया ने परमाणु रॉकेट लॉन्चर चलाया

नई दिल्ली। किम जोन युंग ने नॉर्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में एक समारोह के दौरान परमाणु क्षमता वाले मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर को खुद चलाकर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया। यह दुनिया के सबसे शक्तिशाली रॉकेट सिस्टम में से एक है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया अक्सर किम की ऐसी तस्वीरें और वीडियो जारी करती है, ताकि देश के भीतर उनकी छवि मजबूत हो और दुश्मन देशों को संदेश दिया जा सके।

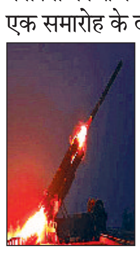

'इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन-26' के दौरान नेताओं के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए बोले प्रधानमंत्री

दुनिया को एआई का सही प्रभाव दिखाने वाले रोडमैप की है आवश्यकताः पीएम मोदी

एआई के नैतिक इस्तेमाल को लेकर दुनिया को दिए तीन महत्वपूर्ण सुझाव

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राजधानी स्थित भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' के दौरान वैश्विक नेताओं के एक पूर्ण सत्र (प्लेनरी सेशन) को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की भूमि है और भगवान बुद्ध ने कहा था कि सही समझ से सही कदमों को उठाया जा सकता है। इसलिए ये जरूरी है कि हम सभी मिलकर एक ऐसा रोडमैप बनाएं। जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का सही प्रभाव दिखाई दे। यह तभी होता है जब हम सही समय पर सही नियत के साथ सही निर्णय लेते हैं।

साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि जब हम इतिहास पर नजर डालते हैं। तो हमें पता चलता है कि इंसान ने हर बाधा को एक नए अवसर में तब्दील किया है। आज हमारे सामने एक बार फिर से ऐसा ही एक अवसर आया है। जिसमें हम एकजुटता से बाधा को मानवता के सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है। पीएम ने विश्वास जताते हुए कहा कि भारत में आयोजित किया गया ये सम्मेलन मानव केंद्रित, संवेदनशील वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां बता दें कि प्लेनरी सत्र में दुनियाभर के देशों से आए कुल करीब दो दर्जन शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

तकनीक तक सबकी पहुंच का लक्ष्य हो

उन्होंने कहा कि अतीत में तकनीक ने दुनिया में डिजिटल खाई पैदा की है। लेकिन वर्तमान में हमारा लक्ष्य एआई तकनीक की सबके लिए सुलभता के साथ पहुंच का होना चाहिए। ऐसे में आज जब हम एआई के भविष्य पर चर्चा कर रहे हैं। तो हमें ग्लोबल साउथ के देशों की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं को भी एआई प्रशासन के केंद्र में रखना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, युग चाहे कोई भी रहा हो। लेकिन नैतिकता हमेशा चर्चा के केंद्र में रही है। आज फर्क सिर्फ इतना आया है कि पहले अनैतिक व्यवहार का दायरा बहुत सीमित होता था। लेकिन अब एआई में इसका दायरा असीमित यानी अनलिमिटेड है। इसलिए एआई में हमें नैतिक व्यवहार और नियमों का दायरा भी असीमित बनाना पड़ेगा। एआई कंपनियों के सामने बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लाभ के साथ-साथ उद्देश्य पर भी ध्यान केंद्रित करने वाली नैतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। व्यक्तिगत मोर्चे पर एआई हमारी लर्निंग, इंटेलिजेंस और भावनाओं को प्रभावित कर रही है।

एआई के नैतिक उपयोग के लिए दिए 3 सुझाव

पीएम ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक इस्तेमाल के लिए 3 सुझाव दिए हैं। जिनमें पहला-डाटा संप्रभुता का सम्मान करते हुए एआई प्रशिक्षण के लिए एक डेटा फ्रेमवर्क बनाया जाए। उन्होंने इसका अर्थ समझाते हुए कहा कि जैसे एआई में कहा जाता है, गार्बेज इन, गार्बेज आउट। अगर डेटा सुरक्षित, संतुलित, विश्वसनीय नहीं होगा। तो आउटपुट भी भरोसेमंद नहीं होगा। ऐसे में वैश्विक भरोसेमंद डेटा फ्रेमवर्क जरूरी है। दूसरा-एआई प्लेटफार्म अपने सुरक्षा नियमों को बहुत स्पष्ट और पारदर्शी रखें। हमें ब्लैक बॉक्स की जगह पर ग्लास बॉक्स वाली सोच चाहिए। जहां सुरक्षा नियम देखे और फिर उनकी पुष्टि करना आसान होना चाहिए। क्योंकि इसी के साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा सकेगी और व्यापार में नैतिक व्यवहार को भी बल मिलेगा। तीसरा-एआई शोध में पेपर क्लिप समस्या का उदाहरण दिया जा सकता है। अगर किसी मशीन को सिर्फ पेपर क्लिप बनाने का लक्ष्य दिया जाए। तो वो इस काम के लिए दुनियाभर के संसाधनों को दांव पर लगाकर भी वही काम करती रहेगी। ऐसे में एआई को स्पष्ट मानव मूल्यों और मार्गदर्शन की जरूरत है। तकनीक ताकतवर है, लेकिन दिशा हमेशा मानव ही तय करेगा।

एआई को लेकर ये है भारत की दिशा

उन्होंने कहा कि एआई को लेकर भारत की दिशा बिल्कुल साफ है, जिसमें हम ये मानते हैं कि एआई पूरी मानवता की भलाई के लिए एक साझा संसाधन है। हमें साथ मिलकर एक ऐसा एआई भविष्य बनाना होगा जो नवाचार को आगे बढ़ाए, समावेशिता को मजबूती प्रदान करे और मानव मूल्यों के समावेश के साथ आगे बढ़े। जब तकनीक और मानव विश्वास साथ-साथ कदमताल करेंगे तो एआई का सही प्रभाव पूरी दुनिया पर दिखाई पड़ेगा।

कोरोना महामारी का दिया उदाहरण

वैश्विक कोरोना महामारी ने देखा है कि कैसे जब हम एक साथ खड़े होते हैं। तो असंभव भी संभव हो जाता है? तकनीक कैसे मानवता की सेवा का माध्यम बन सकती है। ये हमने कोरोना काल में ही देखा है। टीकों के विकास से लेकर सप्लाई चेन तक डाटा साझा करने से लेकर जीवन बचाने तक सहयोग ने ही समाधान दिया है। देश के डिजिटल टीकाकरण अभियान ने करोड़ों लोगों को समय पर टीका लगाने में मदद की है। साथ ही हमारे यूपीआई ने उस मुश्किल दौर में ये सुनिश्चित किया कि लोग आसानी से डिजिटल ट्रांजेक्शन करते रहें। यूपीआई ही था, जिसने भारत में डिजिटल खाई को पाटने में मदद की। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने एक वाइब्रेंट डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया है। अब हम इसे दुनिया के साथ भी बांट रहे हैं। क्योंकि हमारे लिए तकनीक ताकत का नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है। हमारा उद्देश्य पावर नहीं एम्पावर करना है। एआई की दिशा भी ऐसी ही होनी चाहिए। जिससे समूची मानवता का कल्याण हो सके।

यूं आगे बढ़ती एआई मिशन का कहानी

प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की इस यात्रा में आकांक्षी भारत की अहम भूमिका है। अपनी इस जिम्मेदारी को समझते हुए आज भारत बड़े कदम उठा रहा है। इंडिया एआई मिशन के माध्यम से भारत में 38 हजार जीपीयूज हैं। जबकि आगामी छह महीनों में इस संबंध में हमारा लक्ष्य 24 हजार और जीपीयूज लगाने का है। हम अपने स्टार्टअप्स को बहुत ही सुलभ कीमतों पर विश्वस्तरीय कंप्यूटिंग पावर उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही भारत ने एक एआई कोस्ट भी बनाया है, जिसके जरिए हम 7 हजार 500 से अधिक डेटा सेट्स और 270 एआई मॉडल्स को राष्ट्रीय संसाधन के रूप में साझा किया गया है।

बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास मिलन 2026 के उद्घाटन में बोले रक्षा मंत्री

समुद्री डकैती, आतंकवाद, साइबर बड़ी चुनौतियां, मिलकर करना होगा सामना

एजेंसी ▸▸ विशाखापत्तनम

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को भारतीय नौसेना की तरफ से आयोजित प्रमुख द्विवार्षिक बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास मिलन 2026 के 13वें संस्करण के उद्घाटन के लिए विशाखापत्तनम पहुंचे।इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, साइबर कमजोरियां और जरूरी आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं वैश्विक समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों की आवश्यकता अधिक बार और व्यापक रूप से पड़ रही है।

आपसी सहयोग विकल्प नहीं अनिवार्यता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एक नौसेना, चाहे वह कितनी भी सक्षम क्यों न हो, इन सभी चुनौतियों का अकेले सामना नहीं कर सकती। इसलिए नौसेनाओं के बीच सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। इस वर्ष 74 देशों की भागीदारी के साथ 'मिलन-2026' अब तक का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी आयोजन बन गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक समुद्री समुदाय भारत को एक भरोसेमंद और जिम्मेदार समुद्री भागीदार के रूप में देखता है। आज की विशिष्ट जिम्मेदारियां अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपेक्षा करती हैं कि वह परस्पर सम्मान की भावना से मिलकर चुनौतियों का समाधान करे।

भारत न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था के पक्ष में

राजनाथ सिंह ने कहा कि समुद्र में संयुक्त अभ्यास, बैठकों के दौरान पेशेवर संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से हम स्थायी मित्रता के बंधन को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराते हैं। भारत एक न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था की स्थापना का आकांक्षी है, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनों के अनुरूप समुद्री आवागमन की स्वतंत्रता पर आधारित हो। इस कानूनी ढांचे को एक व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना के माध्यम से और मजबूत किया जा सकता है।

साझा समझ विकसित होती

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब कई देशों के युद्धपोत साथ-साथ समुद्र में चलते हैं, जब नाविक एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं, और जब कमांडर सामूहिक विचार-विमर्श करते हैं, तब भौगोलिक और राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर साझा समझ विकसित होती है। 'मिलन' जैसे मंच पेशेवर विशेषज्ञता को एक साथ लाते हैं, आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं, संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता बढ़ाते हैं, और साझा चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया देने में मदद करते हैं।

यूएन में इज़रायल के खिलाफ सामूहिक बयान

85 देशों के बयान को लेकर भारत की भूमिका पर जयराम ने उठाए सवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने संयुक्त राष्ट्र में इज़रायल के खिलाफ जारी 85 देशों के सामूहिक बयान को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति पर तीखा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि भारत को इस बयान में शामिल होने में 24 घंटे की देरी हुई, जो खुली पाखंडता और अवसरवाद को दर्शाता है। मंगलवार को 85 देशों ने संयुक्त राष्ट्र में एक संयुक्त बयान जारी कर कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इज़रायल द्वारा की जा रही एक तरफा कार्रवाइयों की कड़ी आलोचना की। बयान में कहा गया कि इन कार्रवाइयों के कारण हजारों फिलिस्तीनियों को विस्थापित और बेदखल किया जा रहा है। रमेश ने कहा कि इन 85 देशों की सूची में भारत शुरू में शामिल नहीं था, जबकि भारत 18 नवंबर 1988 को फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने वाले शुरुआती देशों में रहा है। भारत को इस सूची में शामिल होने में लगभग 24 घंटे का समय लगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह देरी ऐसे समय में हुई है जब पीएम अगले सप्ताह इज़रायल की यात्रा पर जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यदि पीएम वास्तव में गंभीर हैं, तो उन्हें इज़रायल के पीएम नेतन्याहू के समक्ष सार्वजनिक रूप से वेस्ट बैंक में हो रही कार्रवाइयों पर गहरी चिंता व्यक्त करनी चाहिए।

अमेरिका के नेतृत्व में गठित किया जा रहा है यह वैश्विक समूह, जिसमें एआई भी शामिल है

जटिल खनिजों के लिए लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने वाले 'पैक्स सिलिका' में शामिल होगा भारत!

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भारत जल्द ही अमेरिका की अगुवाई में गठित किए जा रहे 'पैक्स सिलिका' समूह में औपचारिक रूप से शामिल हो सकता है। जिसका उद्देश्य जटिल खनिजों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के मामले में एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है। मामले के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस कदम को पिछले साल दिसंबर में लांच किया गया था। जिसके तहत जटिल खनिजों और एआई जैसे विषयों को लेकर एक सुरक्षित, लचीली और नवाचार आधारित वैश्विक सप्लाई चेन बनाना है। वहीं, भारत के इस समूह में शामिल होने का जिक्र एक ऐसे समय पर हुआ है। जब भारत, अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। जिससे हालिया समय में संबंधों में आया भी दूर हो सके। इसके अलावा पैक्स सिलिका शिखर सम्मेलन 12 दिसंबर 2025 को अमेरिका के वाशिंगटन में आयोजित किया गया था। जिसमें भागीदार देशों ने इससे संबंधित घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे। यह इसके साझा विजन यानी गहरे आर्थिक और तकनीक सहयोग पर केंद्रित है। अभी इस समूह में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजरायल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूएई और ब्रिटेन जैसे देश शामिल हैं। जल्द ही भारत भी इसका हिस्सा बन जाएगा।

ज्यादा लोड डालकर किया चेक, ये अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापसी में जरूरी

गगनयान मिशन के ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण

एजेंसी ▸▸ चंडीगढ़

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा हुआ। क्वालिफिकेशन लेवल टेस्ट में अधिकतम उड़ान भार से ज्यादा लोड डालकर पैराशूट की मजबूती और सुरक्षा मार्जिन की जांच की गई। इस टेस्ट के बाद पक्का हुआ कि भारत मजबूत और बड़ी क्षमता वाले रिबन पैराशूट को डिजाइन और बनाने में पूरी तरह सक्षम है। साथ ही पैराशूट असली मिशन जैसी परिस्थितियों में भी सुरक्षित और ठीक तरह से काम करेगा। गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए ड्रोग पैराशूट बहुत जरूरी है। जब कैप्सूल पृथ्वी के वातावरण में लौटता है, तो यही पैराशूट उसकी तेज गति को कम करने में मदद करता है।

गगनयान मिशन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम | **यह पैराशूट कैप्सूल की गति को कम करता है**

भारत के पास बेहतरीन तकनीक और क्षमता

आरटीआरएस एक खास तरह की टेस्टिंग सुविधा है। यहां बहुत तेज रफ्तार वाली चीजों की मजबूती और उनके काम करने के तरीके की जांच होती है। इस टेस्ट के दौरान पैराशूट पर उतना दबाव डाला गया, जितना अंतरिक्ष से लौटते समय असली उड़ान में होता है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस दबाव को असली उड़ान से भी ज्यादा रखा गया था। इस सफल टेस्ट ने साबित कर दिया कि भारत के पास मजबूत रिबन पैराशूट बनाने की बेहतरीन तकनीक और क्षमता है। यह गगनयान मिशन की सुरक्षा के लिए एक बहुत जरूरी कदम माना जा रहा है।

कई टीमों ने मिलकर किया काम

यह टेस्ट बुधवार (18 फरवरी) को चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीआरबीएल) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (आरटीआरएस) सुविधा में किया गया। यह डायनेमिक टेस्ट डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) की स्पेशल हाई-स्पीड एयरोडायनेमिक और बैलिस्टिक मूल्यांकन सुविधा आरटीआरएस में पूरा हुआ। इसमें इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन (इसरो) के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, डीआरडीओ की एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट और टीआरबीएल की टीमों ने भाग लिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109